तरुण छत्तीसगढ़

e-Paper- tarunchhattisgarhkorba.com

कोरबा एवं रायपुर से एक साथ प्रकाशित डाक पंजीयन क्रमांक- जी2-112/सी.जी/बीएलपी/003/2024-2026

वर्ष 37 अंक 07 | कोरबा, सोमवार, दिनांक 06 अक्टूबर 2025 डाक 07 अक्टूबर 2025 | पृष्ठ : 8 मूल्य 2.00 रुपए

सुनालिया ज्वेलर्स

हीरा, स्वर्ण, हॉलमार्क ज्वेलरी, रजत, राशि नग के विक्रेता

मो. 94255-32524,94241-43922

पावर हाउस रोड, कोरबा

विविधा

श्री अमित शाह ने 'महाजे घर योजना' और विभिन्न विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करते हुए

देश-विदेश

माउंट एवरेस्ट के पूर्वी तिब्बती हिस्से में फंसे सैकड़ों चीनी पर्यटक नेशनल डे पर मना रहे थे छुट्टी

फीचर पेज

ईशा कोप्पिकर, मैं चाहती हूँ कि मेरी बेटी बड़ी होकर यह जाने कि वह एक सशक्त महिलाओं के वंश से है

शाम 4 बजे निर्वाचन आयोग की प्रेस कॉन्फ्रेंस

बिहार चुनाव की तारीखों का होगा ऐलान आज

पटना। चुनाव आयोग सोमवार को यानी बिहार विधानसभा चुनाव कार्यक्रम की घोषणा करेगा। इसको लेकर चुनाव आयोग ने शाम 4 बजे एक प्रेस कॉन्फ्रेंस बुलाई है। 243 सदस्यीय राज्य विधानसभा का कार्यकाल 22 नवंबर को समाप्त हो रहा है। राजनीतिक दलों ने चुनाव आयोग से अक्टूबर के अंत में मनाए जाने वाले छठ पर्व के तुरंत बाद चुनाव कराने का आग्रह किया है, ताकि अधिक से अधिक मतदाताओं की भागीदारी सुनिश्चित की जा सके, क्योंकि बड़ी संख्या में बाहर काम करने वाले लोग त्योहारों के लिए घर लौटते हैं। राज्य में 2020 के विधानसभा चुनाव कोविड-19 महामारी के साये में तीन चरणों में हुए थे। इस बार कई राजनीतिक दलों ने एक फेज में चुनाव कराने की मांग की है। चुनाव आयोग आज इस पर अपना अंतिम फैसला सुना देगा। इससे पहले मुख्य चुनाव आयुक्त बिहार का दो दिवसीय दौरा कर चुके हैं, जिसमें उन्होंने विधानसभा चुनाव की तैयारियों का जायजा लिया।

अपनी विजिट में उन्होंने सभी मान्यता प्राप्त दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक की, वहीं जिम्मेदार अधिकारियों को भी दिशा निर्देश दिए।

कटक में हिंसा के बाद 36 घंटे का कर्फ्यू लागू, 60 पुलिस पलटन तैनात, प्रशासन ने जनता से की अपील

ओडिशा 06 अक्टूबर। कटक शहर में दुर्गा पूजा के पंडालों की मूर्ति विसर्जन के दौरान हुई हिंसक झड़पों के बाद प्रशासन ने 36 घंटे का कर्फ़्यू लगा दिया है। यह कर्फ़्यू 6 अक्तूबर रात 10 बजे से 7 अक्तूबर सुबह 10 बजे तक लागू रहेगा। ये कर्फ़्यू भारतीय न्याय संहिता की धारा 163 के तहत लगाया गया है।अतिरिक्त पुलिस आयुक्त नरसिंह भोला ने बताया कि इस दौरान सभी व्यावसायिक प्रतिष्ठान बंद रहेंगे, लेकिन अस्पताल, स्कूल और कॉलेज खुलेंगे। इसके अलावा, जरूरी सेवाएं जैसे दवाखाने, किराना दुकानें और पेट्रोल पंप खुले रहेंगे। पुलिस आयुक्त ने कहा कि हिंसा के लिए जिम्मेदार लोगों की पहचान की जा रही है और उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने यह भी कहा कि प्रशासन स्थिति पर नजर रख रहा है और जरूरत पड़ने पर और कदम उठाए जाएंगे। कर्फ्यू से प्रभावित मुख्य इलाकों में दरगाह बाजार, मंगलाबाग, पुरिघाट, लाल बाग और जगतपुर शामिल हैं। कटक में शांति बनाए रखने के लिए 60 पुलिस पलटन तैनात किए गए हैं। इसके अलावा रैपिड एक्शन फोर्ट (आरएएफ), बीएसएफ, सीआरपीएफ और ओडिशा स्विफ्ट एक्शन फोर्स के आठ कंपनियां महत्वपूर्ण जगहों और चौराहों पर तैनात की गई हैं। वहीं ओडिशा के डीजीपी योगेश बहादुर खुरानिया ने लोगों से कहा कि वे अफवाहों पर ध्यान न दें। किसी भी जानकारी के लिए पुलिस की वेबसाइट, कमिश्नरेट की वेबसाइट और ट्विटर हैंडल देखें। उन्होंने भरोसा दिलाया कि कटक में स्थिति अब नियंत्रण में है और हिंसा में शामिल सभी असामाजिक तत्वों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। मुख्यमंत्री मोहन चरण माजी, पूर्व मुख्यमंत्री नवीन पटनायक, केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान और स्थानीय विधायक नागरिकों से साम्प्रदायिक सौहार्द बनाए रखने की अपील कर रहे हैं। मुख्यमंत्री माजी ने कहा, साम्प्रदायिक सौहार्द पर कोई समझौता नहीं होगा और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई का आश्वासन दिया।

दिल्ली पुलिस की छापेमारी में छह लोग गिरफ्तार, 1.7 टन प्रतिबंधित पटाखे जब्त

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने इस महीने राजधानी भर में छापेमारी शुरू की है, जिसमें छह लोगों को गिरफ्तार किया गया है और लगभग 1.7 टन प्रतिबंधित पटाखे ज़ब्त किए गए हैं। डीसीपी पंकज कुमार ने बताया कि सुप्रीम कोर्ट द्वारा हाल ही में अवैध पटाखों के भंडारण और बिक्री पर रोक लगाने के निर्देश के बाद, टीमों ने द्वारका, रोहिणी, उत्तम नगर, शास्त्री नगर, मुकुंदपुर और शाहदरा में छापेमारी की। उन्होंने बताया कि कुल मिलाकर, पुलिस ने 1,645 किलोग्राम प्रतिबंधित आतिशबाज़ी और एक पिकअप ट्रक ज़ब्त किया। पहले चरण में, अधिकारियों ने द्वारका, रोहिणी और उत्तम नगर में समन्वित छापेमारी के दौरान 916 किलोग्राम से ज़्यादा प्रतिबंधित पटाखे बरामद किए। एक गुप्त सूचना के आधार पर, पुलिस ने किराना दुकान के मालिक आकाश गुप्ता (24) को उसके घर से 13 कार्टन और विभिन्न प्रकार की अवैध सामग्री से भरी एक बोरी बरामद करने के बाद गिरफ्तार कर लिया। गुप्ता ने बताया कि उसने यह सामान पिकअप चालक चंद्रकांत (36) से खरीदा था, जिसे बाद में रोहिणी में 400 किलो पटाखों के साथ पकड़ा गया।

लड़कियों पर अभद्र टिप्पणी कर फंसे अनिरुद्धाचार्य मुकदमा दर्ज होगा या नहीं...कोर्ट में आज सुनवाई

मथुरा। लड़कियों की शादी की उम्र को लेकर आपत्तिजनक टिप्पणी करने के मामले में कथावाचक अनिरुद्धाचार्य के खिलाफ मुकदमा दायर करने वाली अर्जी पर सोमवार को मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट की कोर्ट में सुनवाई होगी। आगरा के ताजगंज स्थित नगला महादेव निवासी हिंदू महासभा की जिलाध्यक्ष मीरा राठौर ने बताया कि कथावाचक अनिरुद्धाचार्य ने लड़कियों की शादी की उम्र पर सवालिया निशान लगाते हुए गलत टिप्पणी की थी। अनिरुद्धाचार्य के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराने के लिए उन्होंने अपने अधिवक्ता के माध्यम से 7 अगस्त 2025 को मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट की कोर्ट में अर्जी दाखिल की। 24 सितंबर 2025 को कोर्ट में सुनवाई हुई। अनिरुद्धाचार्य का पक्ष रखने के लिए हाईकोर्ट से दो अधिवक्ता आए। कोर्ट में दोनों पक्षों के अधिवक्ताओं ने अपनी दलील दी। इसके बाद अगली सुनवाई के लिए 6 अक्तूबर की तारीख मुकर्रर की थी।

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह, जेपी नड्डा समेत नेताओं ने दी कोजगरा पर्व की शुभकामनाएं

नई दिल्ली। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा समेत अन्य नेताओं ने सोमवार को कोजगरा पर्व की शुभकामनाएं दी। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पोस्ट में लिखा कि समस्त मिथिला क्षेत्रवासियों को कोजगरा की हार्दिक शुभकामनाएं। सौंदर्य, प्रेम और सुखद दांपत्य जीवन का यह प्रतीक पर्व जन-जन के कल्याण का माध्यम बने। माता लक्ष्मी और चंद्रदेव से सभी की समृद्धि और सौभाग्य की कामना करता हूं। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने एक्स पोस्ट में लिखा कि कोजगरा पर्व की समस्त मिथिलावासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देता हूं। वैभव, समृद्धि और खुशहाली का यह पावन लोकपर्व सभी के जीवन में खुशियां लेकर आए। धनदेवी माता लक्ष्मी, भगवान श्रीकृष्ण और चंद्रदेव जी की कृपा सभी पर सदैव बनी रहे।

श्रीलंकाई समुद्री लुटेरों का मछुआरों पर हमला, एक गंभीर रूप से घायल

चेन्नई 06 अक्टूबर। तमिलनाडु के नागपट्टिनम जिले के नाम्बियार नगर मछुआरा गांव के 11 मछुआरों पर श्रीलंकाई समुद्री लुटेरों ने हमला कर दिया। यह चौंकाने वाली घटना उस वक्त हुई जब मछुआरे रोज की तरह अपनी नाव से समुद्र में मछली पकड़ने गए थे। हमले का शिकार बने मछुआरों की पहचान ससी कुमार, उदयशंकर, किरुबा, कमलेश, विग्नेश, विमल, सुब्रमण्यम, तिरुमुरुगन, मुरुगन और अरुण के रूप में हुई है। हमलावरों ने मछुआरों पर धारदार दरांती, लोहे की रॉड और लकड़ी के डंडों से हमला किया। इस हमले में मछुआरों को गंभीर चोटें आई हैं। सबसे ज्यादा घायल हुए शिवशंकर को बाएं हाथ में गहरी चोट आई और उन्हें गंभीर हालत में तंजावुर मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

एमपी में कफ सिरप कांड के सियासी पारा हाई

कांग्रेस ने स्वास्थ्य मंत्री से मांगा इस्तीफा

नई दिल्ली 06 अक्टूबर। मध्य प्रदेश में कप सिरप के सेवन से हुई बच्चों की मौत के बाद सियासी तूफान खड़ा हो गया है। एमपी के छिंदवाड़ा ने कोल्ड्रिफ के सेवन से 14 बच्चों की जान गई है। सरकार ने इस मामले में एक्शन लिया और दवा लिखने वाले डॉक्टर को गिरफ्तार किया है। इसके अलावा मध्य प्रदेश सरकार ने राज्य में कोल्ड्रिफ कफ सिरप की बिक्री पर रोक लगा दी है।

इस मामले में जांच शुरू कर दी गई है। इन सब के बीच कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी ने परासिया पहुंचकर पीड़ित अभिभावकों से मुलाकात की। वहीं, पटवारी ने कहा कि इस लापरवाही के लिए स्वास्थ्य मंत्री को इस्तीफा देना चाहिए कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी ने सोमवार को पीड़ित अभिभावकों से मुलाकात की। जीतू पटवारी ने कहा कि इस मामले में डॉक्टर को गिरफ्तार करने से काम नहीं चलेगा। बल्कि इस गंभीर लापरवाही के लिए स्वास्थ्य मंत्री, पीएस को इस्तीफा देना चाहिए। पटवारी ने कहा कि इस मामले में लीपापोती की जा रही है। पटवारी का कहना है कि चिकित्सक का काम केवल दवा लिखना होता है। अगर इस प्रकार पूरे प्रदेश में दवाई वितरित हुई है तो क्या सब डॉक्टर पर इसी तरह कार्रवाई की जाएगी। जरूरत है की दवा कंपनी और इस मामले में जिम्मेदार लोगों पर कार्रवाई की जाए।

एसएमएस अस्पताल में लगी आग, 8 की मौत, पीएम -सीएम ने जताया दुख

जयपुर, 06 अक्टूबर [एजेंसी]।

राजस्थान की राजधानी जयपुर से एक दर्दनाक खबर सामने आई है। जयपुर के सवाई मान सिंह (एसएमएस) अस्पताल के आईसीयू वार्ड में देर रात आग लग गई। इस भीषण आग के कारण आठ लोगों की मौत हो गई। अधिकारियों ने सोमवार सोमवार तड़के बताया कि मृतकों में दो महिलाएं शामिल हैं। पीड़ितों और उनके परिजनों ने आरोप लगाया कि अस्पताल में आग से बचने या आग को बुझाने का कोई उपकरण उपलब्ध नहीं था। इस घटना की जांच के लिए सीएम भजनलाल शर्मा ने जांच के आदेश दिए हैं। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने घटना की जांच के आदेश दिए हैं। जांच के लिए एक समिति की घोषणा की गई है। समिति की अध्यक्षता चिकित्सा शिक्षा विभाग के आयुक्त इकबाल खान करेंगे। जयपुर के एसएमएस अस्पाल में लगी आग को लेकर नरेंद्र सिंह ने बताया कि जिस दौरान ये घटना हुई वह खाना खा रहे थे। नरेंद्र की मां की इस आईसीयू वार्ड में भर्ती थी। वह जब तक कुछ समझ पाते, उनकी मां की मौत हो चुकी थी। उन्होंने बताया कि आईसीयू में आग लग गई थी, और मुझे पता भी नहीं चला। मैं उस समय नीचे खाना खाने आया था। आग बुझाने के लिए कोई उपकरण भी नहीं था, कोई सुविधा उपलब्ध नहीं थी। मेरी मां वहां भर्ती थीं।

जिस आईसीयू वार्ड में आग लगी, उसमें 11 मरीजों का उपचार चल रहा था। पीड़ितों के परिवारों ने अस्पताल प्रशासन पर लापरवाही का आरोप लगाया है। परिजनों का कहना है कि अस्पताल में आग बुझाने और मरीजों को बचाने के लिए कोई भी संसाधन मौजूद नहीं था। इसके अलावा पीड़ितों के परिजनों का आरोप है कि समय पर एक्शन नहीं लिया गया।

ओमप्रकाश नाम के एक व्यक्ति का चचेरा भाई अस्पताल में भर्ती था। उसकी भी इस आग की घटना में मौत हो गई। ओमप्रकाश बताते हैं कि रात के करीब साढ़े 11 बजे जब धुआं फैलने लगा, तो उन्होंने डॉक्टरों को मरीजों को होने वाली संभावित परेशानी के बारे में आगाह किया।

वहीं प्रधानमंत्री मोदी ने जयपुर की अग्निकांड की घटना पर दुख व्यक्त किया है। पीएमओ ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पीएम मोदी के हवाले से लिखा कि राजस्थान के जयपुर स्थित एक अस्पताल में आग लगने से हुई जान-माल की हानि अत्यंत दुखद है। जिन लोगों ने अपने प्रियजनों को खोया है, उनके प्रति मेरी संवेदना। घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं।

सबरीमाला मंदिर में सोने की परत को लेकर बढ़ा विवाद

तिरूवनंतपुरम, 06 अक्टूबर [एजेंसी]।

केरल के सबरीमाला मंदिर में सोने की परत के विवाद में सोमवार को विधानसभा में जमकर हंगामा हुआ। कांग्रेस के नेतृत्व वाले विपक्षी गठबंधन यूडीएफ के सदस्यों ने प्रश्नकाल को बाधित किया और सबरीमाला मंदिर विवाद पर राज्य के देवास्वम मंत्री वीएन वासावन के इस्तीफे की मांग की। विपक्षी नेताओं ने अध्यक्ष के आसन के सामने नारेबाजी की। सोमवार को केरल विधानसभा का सत्र शुरू होते ही, विपक्ष के नेता वी डी सतीशन ने त्रावणकोर देवास्वम बोर्ड (टीडीबी) पर लगे आरोपों का मुद्दा उठाया। उन्होंने देवास्वम मंत्री वी एन वासवन के तत्काल इस्तीफे की मांग करते हुए कहा कि विपक्ष को पहले इस मुद्दे को उठाने की अनुमति नहीं दी गई थी।

जब विधानसभा अध्यक्ष ने विपक्ष की मांग को नजरअंदाज कर दिया और प्रश्नकाल शुरू किया, तो यूडीएफ सदस्य आसन के सामने आ गए और सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। विपक्षी नेताओं ने अध्यक्ष के आसन के सामने एक बैनर लहराया, जिस पर लिखा था, जिन लोगों ने भगवान अयप्पा का सोना चुराया है, वे अम्बलम विझुंगिकल (मंदिर चोर) हैं।

सोनम वांगचुक की हिरासत पर सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र और लद्दाख प्रशासन को जारी किया नोटिस, 14 अक्टूबर को अगली सुनवाई

नई दिल्ली 6 अक्टूबर। लद्दाख के सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक की हिरासत को चुनौती देने वाली याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को केंद्र सरकार और लद्दाख प्रशासन को नोटिस जारी किया। यह याचिका वांगचुक की पत्नी गीतांजलि अंगमो ने दाखिल की है। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार और केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख प्रशासन को सोनम वांगचुक की कथित रूप से गैर-कानूनी हिरासत के खिलाफ दाखिल याचिका पर जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया है। अदालत ने आदेश दिया कि हिरासत से संबंधित दस्तावेज और आदेश की कॉपी याचिकाकर्ता यानी वांगचुक की पत्नी को मुहैया कराई जाए। सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने यह भी निर्देश दिया कि सोनम वांगचुक को जेल में उचित चिकित्सा सुविधा दी जाए। कोर्ट ने इस मामले की अगली सुनवाई की तारीख 14 अक्टूबर (मंगलवार) तय की है। वांगचुक की पत्नी गीतांजलि अंगमो ने अपनी याचिका में कहा था कि सोनम वांगचुक को गैरकानूनी तरीके से हिरासत में रखा गया है और उन्हें किसी वैधानिक प्रक्रिया के तहत गिरफ्तार नहीं किया गया।

स्किन केयर व कास्मेटोलाजी क्लिनिक

चर्म , गुप्त, कुष्ठ रोग विशेषज्ञ एवं सैक्स सलाहकार

डॉ.आर.के.अग्रवाल
M.B.B.S.D.V.D.FDS
(Lond.)F.i.a.m.s.(Ind.)
Mob.9424170010

-: परामर्श का समय :-
सुबह 10.30 से 1.30
(शाम को बंद)

डॉ.शशि अग्रवाल
M.B.B.S.D.V.D.(U.K)
Mob.9826389894

सुविधायें:- गंजापन, मस्से हटाना, दाद खाज खुजली, एक्जीमा, एलर्जी, सड़े नाखून, कुष्ठ रोग, काले दाग, मुंहासे, बाल झड़ना, सेक्स की कमी, शीघ्र पतन, धात, मानसिक रोगों का मशीनों व अत्याधुनिक दवाओं द्वारा शीघ्र ईलाज, फोटोथेरेपी, इलेक्ट्रीशिकेशन, क्रायोसर्जरी, सायकोथेरेपी का ईलाज।

मो. 9203907928,9826389894 (क्लीनिक)

विशेष : बुधवार को 20 मरीजों का फीस माफ...

पता : एचआईजी -4 नेहरू नगर , रिकाण्डो रोड घोड़ा चौक , बुधवारी बाजार के पास, कोरबा

आगरा में चांदी के कारखाने में लगी भीषण आग से मची अफरा-तफरी

दमकल की गाड़ियों ने कड़ी मेहनत से बुझाई

आगरा, 06 अक्टूबर [एजेंसी]।

सोमवार सुबह कोतवाली क्षेत्र की नमक मंडी स्थित श्रीजी मार्केट स्थित चांदी के कारखाने में आग लग गई। देखते ही देखते आग की लपटें उठीं और बाजार में हड़कंप मच गया। सूचना मिलते ही ईदगाह फायर स्टेशन से दमकल की गाड़ियां और पुलिस मौके पर पहुंच गई। दमकल कर्मियों ने करीब एक घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। गनीमत यह रही कि हादसे में किसी तरह की जनहानि नहीं हुई, हालांकि कारखाने में रखा सामान जलकर राख हो गई। दमकल के अधिकारियों का कहना है कि आग लगने के कारणों की जांच की जा रही है। संभावना है कि शार्ट सर्किट से आग लगी होगी।

एसईसीएल लगाएगी 46.5 मेगावाट का सोलर प्लांट

कोरबा। कोल कंपनी ने प्रमुख परिचालन क्षेत्रों में सौर ऊर्जा संयंत्रों की स्थापना कर रिन्यूवल एनर्जी को बढ़ावा देना तय किया है। एसईसीएल की वर्तमान बिजली की जरूरत 625 मेगावाट की है। अगले 5 साल में 700 मेगावाट तक सोलर पैनल से बिजली बनाने का लक्ष्य रखा गया है। सोलर ट्री लगाने की संभावनाओं को भी एसईसीएल अपने एरिया में तलाशेगी। कंपनी ने कार्बन फुटप्रिंट कम करने नवीकरणीय ऊर्जा के इस्तेमाल को बढ़ावा दिया है। यह 2070 तक केन्द्र सरकार के शून्य कार्बन उत्सर्जन के लक्ष्य का हिस्सा है। एसईसीएल में अभी विश्रामपुर व भटगांव एरिया में 20-20 मेगावाट का सौर संयंत्र स्थापित किया गया है। 2024-25 में एसईसीएल की सौर परियोजनाओं ने 3 करोड़ 96 लाख 87 हजार 583 यूनिट बिजली पैदा की है। ताप आधारित दो बिजली कंपनियां बनाएंगी प्लांट एनटीपीसी की सहायक कंपनी मेसर्स एनटीपीसी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड के बीच संयुक्त उपक्रम बनाने करार हुआ है। यह कुल 2000 मेगावाट क्षमता का सौर ऊर्जा परियोजना विकसित करेगी। दूसरी ओर बांगो बांध में बिजली बनाने पंप स्टोरेज प्लांट लगाने की योजना भी प्रक्रिया में है।

हसदेव नदी के संरक्षण के लिए शरद पूर्णिमा को लेंगे संकल्प

कोरबा। जिले की जीवनदायिनी हसदेव नदी के संरक्षण, स्वच्छता एवं तट सौंदर्यीकरण को लेकर निरंतर कार्य कर रही नमामि हसदेव सेवा समिति द्वारा आगामी 7 अक्टूबर 2025, मंगलवार को आश्विन पूर्णिमा के पावन अवसर पर संकल्प सभा एवं हसदेव आरती का भव्य आयोजन किया जा रहा है। यह कार्यक्रम कोरबा स्थित माँ सर्वमंगला घाट पर दोपहर 3 बजे से प्रारंभ होगा। समिति पिछले कई वर्षों से हसदेव नदी, उसकी सहायक नदियों और अन्य जल स्रोतों को प्रदूषण से मुक्त करने, जनजागरूकता फैलाने और धार्मिक-सांस्कृतिक मूल्यों को जाग्रत करने हेतु प्रत्येक मास की पूर्णिमा पर हसदेव आरती का आयोजन करती आ रही है। इस विशेष आयोजन में स्वामी भजनानंद वनवासी सेवा आश्रम, केन्दई की साध्वी गिरिजेश नंदनी जी तथा श्री हरिहर क्षेत्र केदार, मदकू द्वीप के संत श्री रामरूपदास महात्यागी जी का पावन सानिध्य प्राप्त होगा। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों की गरिमामयी उपस्थिति भी रहेगी। मुख्य अतिथि के रूप में नगर पालिक निगम कोरबा की महापौर श्रीमती संजू देवी राजपूत शामिल होंगी, जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला पंचायत कोरबा के अध्यक्ष डॉ. पवन कुमार सिंह करेंगे। विशिष्ट अतिथि के रूप में नगर पालिका परिषद दीपका के अध्यक्ष श्री राजेन्द्र सिंह राजपूत, नगर पंचायत पाली के अध्यक्ष श्री अजय जायसवाल तथा नगर पंचायत छुरी की अध्यक्ष श्रीमती पद्मिनी देवांगन उपस्थित रहेंगे।समिति ने नगरवासियों से अपील की है कि वे इस पुनीत अवसर पर सपरिवार उपस्थित होकर हसदेव नदी के संरक्षण का संकल्प लें और आरती में सहभागी बनकर आध्यात्मिक व पर्यावरणीय चेतना का अनुभव करें। यह आयोजन न केवल धार्मिक और सांस्कृतिक महत्व को उजागर करता है, बल्कि जनमानस को जल संरक्षण और प्रकृति के प्रति उत्तरदायित्व का बोध भी कराता है। समिति का यह प्रयास हसदेव को निर्मल, स्वच्छ और चिरस्थायी बनाए रखने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

मछुआरा संघ आज करेगा एसडीएम कार्यालय का घेराव

कोरबा । आदिवासी मछुआरा संघ ने बांगो बांध में प्रभावितों को मछली पकड़ने का अधिकार देने की मांग को लेकर 6 अक्टूबर को एसडीएम कार्यालय पोड़ी उपरोड़ा का घेराव करने का निर्णय लिया है। संघ ने बांगो बांध में मत्स्य पालन के लिए जारी टेंडर को भी रद्द करने की मांग की है। इससे पूर्व शनिवार को मछुआरों ने बुका में नाव रैली भी निकली थी।

हाथ टकराने पर हुआ विवाद, दूसरे दिन अपहरण कर पीटा

कोरबा। हाथ टकराने के विवाद में युवक का अपहरण कर पिटाई करने का मामला सामने आया है। कोतवाली पुलिस के अनुसार धनुहारपारा मांझी मोहल्ला निवासी शक्ति सहित (28) 2 अक्टूबर को दशहरा उत्सव देखने पुराना बस स्टैंड पहुंचा था, जहां भीड़भाड़ के बीच उसका हाथ मोतीसागर पारा निवासी चिंटू और नानू से टकरा गया।

विवाद से हुई हिंसा को दूसरा रूप देने का लगाया आरोप

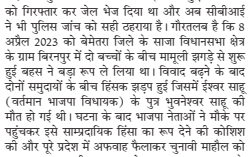

कोरबा। पूर्व मंत्री जयसिंह अग्रवाल ने प्रेसवार्ता लेकर बिरनपुर हत्याकांड को लेकर भाजपा पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि भाजपा ने विधानसभा चुनाव से ठीक पहले घटित इस घटना को साम्प्रदायिक रूप देकर जनता को गुमराह किया और राजनीतिक लाभ उठाया, जबकि अब सीबीआई की चार्जशीट ने साफ कर दिया है कि यह मामला किसी साम्प्रदायिक षड्यंत्र का नहीं बल्कि दो बच्चों के विवाद से उपजी हिंसा का था। अग्रवाल ने कहा कि पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था और अब सीबीआई ने भी पुलिस जांच को सही ठहराया है। गौरतलब है कि 8 अप्रैल 2023 को बेमेतरा जिले के साजा विधानसभा क्षेत्र के ग्राम बिरनपुर में दो बच्चों के बीच मामूली झगड़े से शुरू हुई बहस ने बड़ा रूप ले लिया था। विवाद बढ़ने के बाद दोनों समुदायों के बीच हिंसक झड़प हुई जिसमें ईश्वर साहू (वर्तमान भाजपा विधायक) के पुत्र भुवनेश्वर साहू की मौत हो गई थी। घटना के बाद भाजपा नेताओं ने मौके पर पहुंचकर इसे साम्प्रदायिक हिंसा का रूप देने की कोशिश की और पूरे प्रदेश में अफवाह फैलाकर चुनावी माहौल को भड़काया। तत्कालीन भाजपा प्रदेश अध्यक्ष अरुण साव के भड़काऊ बयानों से हालात और बिगड़ गए।अग्रवाल ने कहा कि भाजपा ने इस घटना को भुनाकर चुनावी लाभ तो ले लिया, लेकिन अब सीबीआई की जांच ने सच्चाई उजागर कर दी है। उन्होंने कहा कि भाजपा की कथनी और करनी में भारी अंतर है और जनता अब इनके षड्यंत्र को समझ चुकी है। घटना के बाद मृतक के पिता ईश्वर साहू को भाजपा ने टिकट देकर विधायक बनाया, जबकि कांग्रेस सरकार ने उन्हें मुआवजा और नौकरी की पेशकश की थी। अग्रवाल ने कहा कि भाजपा को अपने इस षड्यंत्र पर जनता से माफी मांगनी चाहिए। उन्होंने ननकीराम कंवर को नजरबंद किए जाने की घटना को लोकतंत्र की हत्या बताया और कहा कि भाजपा अपने ही वरिष्ठ नेताओं की आवाज दबा रही है।

भगत प्रकाश महाराज का सप्तदेव मंदिर में सिंधी समाज ने किया स्वागत

दो दिवसीय प्रवास पर पहुंचे है कोरबा

कोरबा । कोरबा अंचल में सिंधी समाज के गुरुदेव भगत प्रकाश महाराज के नगर आगमन पर श्रद्धालुओं में हर्ष और उत्साह की लहर दौड़ पड़ी। शनिवार प्रात: 11 बजे गुरुदेव भगत प्रकाश का श्री सप्तदेव मंदिर पहुंचने पर मंदिर परिसर में उनका पारंपरिक स्वागत एवं अभिनंदन किया गया।
मंदिर के प्रमुख ट्रस्टी अशोक मोदी ने गुरुदेव का दुपट्टा ओढ़ाकर और श्रीफल भेंट कर गरिमामय स्वागत किया। इस अवसर पर मंदिर परिसर में वातावरण जयकारों, आरती और भक्ति गीतों से गूंज उठा।

मां राणी सती दादी एवं देवी-देवताओं के किए दर्शन

इस अवसर पर गुरुदेव भगत प्रकाश महाराज ने मंदिर में विराजमान मां श्री राणी सती दादी सहित समस्त देवी-देवताओं के दर्शन कर विधिवत पूजा-अर्चना की और भक्तों को आशीर्वाद प्रदान किया। उन्होंने श्रद्धा और भक्ति से परिपूर्ण वातावरण में नवनिर्मित श्री सप्तदेव मंदिर की भव्यता की प्रशंसा करते हुए इसे समाज की आस्था का केंद्र बताया।

सिंधी समाज और महिला समितियों की रही विशेष उपस्थिति

गुरुदेव के आगमन अवसर पर सिंधी समाज के गणमान्य नागरिक, मंदिर के प्रमुख ट्रस्टी गौरव मोदी, श्रीमती किरण मोदी, श्री सप्तदेव मंदिर महिला मंडल समिति एवं अग्रवाल महिला मंडल समिति के सदस्य बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। सभी श्रद्धालुओं ने गुरुदेव के चरणों में नमन कर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया।

लालपुर में फर्जी आदिवासी बनकर चुनाव लड़ने का आरोप लगा कलेक्टर से की गई कार्यवाही की मांग

कोरबा । कोरबा जिला में पोड़ी-उपरोड़ा जनपद के अंतर्गत ग्राम पंचायत लालपुर के वार्ड क्रमांक 5 में फर्जी आदिवासी बनाकर चुनाव लड़ने का आरोप लगाया गया हैं। ग्राम पंचायत पाथा लालपुर की सरपंच ने जिला कलेक्टर को पत्र लिखकर इस गंभीर मामले में जांच की मांग करी है।

सरपंच ने आरोप लगाते हुए कहा हैं की ग्राम के एक व्यक्ति ने आदिवासी (एसटी) समुदाय का फर्जी प्रमाणपत्र बनवाकर आरक्षित वार्ड क्रमांक 5 से चुनाव लड़ा और वर्तमान में उपसरपंच पद पर आसीन है। जबकि आदिवासी जाति प्रमाण पत्र भी नहीं है, उन्होंने आरोप लगाया कि ग्रामीण प्रशासनिक नियमों की अनदेखी कर दो पंचवर्षीय कार्यकाल से लगातार शासन को गुमराह किया गया है, जो स्पष्ट रूप से पंचायत राज अधिनियम के उल्लंघन के अंतर्गत आता है। सरपंच ने कहा कि यह मामला न केवल फर्जी जाति प्रमाणपत्र से जुड़ा है बल्कि आरक्षित सीट पर वास्तविक आदिवासी अभ्यर्थियों के अधिकारों का हनन भी है।

उन्होंने जिला प्रशासन से तत्काल जांच कर भारतीय दंड संहिता के तहत सख्त कार्यवाही की मांग करी है। स्थानीय ग्रामीणों ने भी प्रशासन से अपील करी है कि दोषियों के खिलाफ सख्त कदम उठाए जाएं ताकि भविष्य में कोई भी व्यक्ति फर्जी जाति प्रमाणपत्र बनवाकर आरक्षण नीति का दुरुपयोग न कर सके।

बताया जा रहा हैं की यह मामला जनपद और जिला प्रशासन दोनों के संज्ञान में आ चुका है और जांच की प्रक्रिया शुरू होने की संभावना जताई जा रही है।

कुसमुंडा में दिखाया था अद्भुत नेतृत्व, अब गेवरा को नई ऊँचाइयों तक ले जाने की जिम्मेदारी

कोरबा। दक्षिण पूर्वी कोलफील्ड्स लिमिटेड मुख्यालय ने कार्यादेश क्रमांक 666, दिनांक 04 अक्टूबर 2025 को खनन विभाग की तबादला सूची जारी की है। इस सूची में ई-8 पद के 11, ई-7 पद के 4, ई-6 पद के 2, ई-5 पद के 1, ई-4 पद के 3 और ई-3 पद के 3 अधिकारियों का स्थानांतरण किया गया है। विशेष रूप से, केवल गेवरा क्षेत्र से पाँच अधिकारियों को हटाया गया है।इन तबादलों के बीच सबसे प्रमुख नाम पार्थ मुखर्जी का है, जिन्हें उनकी उत्कृष्ट कार्यशैली, कर्तव्यनिष्ठा और खनन क्षेत्र में अनुभव के कारण गेवरा परियोजना का महाप्रबंधक नियुक्त किया गया है।श्री मुखर्जी अपने कार्यकाल में कई परियोजनाओं में ऐतिहासिक उपलब्धियाँ हासिल कर चुके हैं। उन्होंने रायगढ़ क्षेत्र की बड़ौद परियोजना को नई पहचान दिलाई थी और उत्पादन में रिकॉर्ड स्तर हासिल किया था। इसके बाद उन्हें दीपका क्षेत्र में पदस्थापित किया गया, जहाँ उन्होंने भू-राजस्व विभाग में महत्वपूर्ण योगदान देते हुए सभी जिम्मेदारियाँ बखूबी निभाई।हाल ही में दीपका क्षेत्र में पुन: पदस्थ होने के बाद उन्होंने दीपका विस्तार के तहत मलगांव गाँव का अधिग्रहण पूरा किया, 45 हेक्टेयर भूमि अर्जित कर समतलीकरण कार्य को अंजाम दिया और उत्पादन में उल्लेखनीय वृद्धि दिलाई। मात्र छह माह के भीतर दीपका परियोजना को सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन की श्रेणी में लाने में उनकी भूमिका निर्णायक रही।यह उल्लेखनीय है
कि श्री मुखर्जी मेगा परियोजनाओं में चौथी बार महाप्रबंधक के रूप में पदस्थ हुए हैं। वर्ष 2024 में जब कुसमुंडा परियोजना कठिन परिस्थिति से गुजर रही थी, तब उन्होंने नेतृत्व सँभालकर प्रतिदिन के उत्पादन को 7,000 टन से बढ़ाकर 1,50,000 टन तक पहुँचा दिया था—जो अपने आप में एक मील का पत्थर साबित हुआ।मुख्यालय ने उनके अनुभव और नेतृत्व क्षमता को देखते हुए अब उन्हें देश की सबसे बड़ी कोयला परियोजनाओं में से एक गेवरा परियोजना की कमान सौंपी है। वर्ष 2025-26 में गेवरा के लिए निर्धारित 63 मिलियन टन उत्पादन लक्ष्य को प्राप्त करने की बड़ी जिम्मेदारी अब पार्थ मुखर्जी के कंधों पर है।

वाहन चालकों को कोरबा-चांपा मार्ग के टोल नाका में मिली मामूली राहत

5 से 20 रुपए तक टोल टैक्स किया गया कम,31 मार्च तक प्रभावी रहेगी दर

कोरबा । नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया ने इस बार वित्तीय वर्ष के बीच में ही कोरबा-चांपा मार्ग के टोल नाका से टोल टैक्स की दरें घटा दी है। वाहन चालकों को अब 5 से 20 रुपए तक टोल टैक्स कम देना होगा। जिनसे उन्हें राहत मिली हैं। नई दरें 6 अक्टूबर से 31 मार्च तक प्रभावी रहेंगी। माना जा रहा हैं की इससे लगभग 15 हजार वाहन चालकों को फायदा होगा। हालांकि फायदा उन्हीं चालकों को मिलेगा, जिनके वाहनों में फास्ट टैग लगा है।

कोरबा जिलान्तर्गत तीन टोल प्लाजा संचालित है। इसमें उरगा-चांपा रोड, जमनीपाली टोल प्लाजा जुलाई के अंतिम सप्ताह में शुरू किया गया है। जबकि कटघोरा-बिलासपुर रोड पर मदनपुर टोल प्लाजा दो साल से चल रहा है। कटघोरा-अंबिकापुर रोड पर चार साल से टोल प्लाजा चल रहा है। हर साल टोल प्लाजा की दरें 5 प्रतिशत अप्रैल में बढ़ा दी जाती हैं। इस बार यूनिफार्म पॉलिसी (एक समान टोल नीति) के अंतर्गत टोल टैक्स की दरों में कमी की गई है। कार और छोटे व्यवसायिक वाहनों पर 5 रुपए कम किए गए हैं। बस-ट्रक पर 10 रुपए, भारी वाहनों पर 15 रुपए और अत्यधिक बढ़े बहनों पर 20 रुपए तक का टोल टैक्स कम किया गया है। महंगाई दर 2004-05 की बजाय 2011-12 के आधार पर नई दरें प्रस्तावित की गई हैं। कटघोरा होकर बिलासपुर जाने पर 105 किमी के भीतर दो टोल नाका से गुजरना पड़ता है। जिसमे अब बिलासपुर का सफर 10 रुपए तक सस्ता हो जाएगा। ग्राम मदनपुर के आगे लिम्हा में टोल प्लाज़ा संचालित है।

टोल प्लाजा में फास्ट टैग अनिवार्य कर दिया गया हैं। फास्ट टैग वाले वाहनों को 24 घंटे के भीतर आवाजाही पर 25 प्रतिशत और एक तरफ यात्रा पर 33 प्रतिशत की छूट दी जाती है। फास्ट टैग न होने पर दो गुना टोल टैक्स देना होगा। इसके अलावा वापसी और स्थानीय यात्रा में भी फास्ट टैग होने पर ही रियायत मिलेगी।
टोल प्लाजा से 20 किलोमीटर के दायरे में रहने वाले लोग कार-जीप के लिए 340 रुपए देकर मासिक पास बनवा सकेंगे। इसमें 10 रुपए की कटौती की गई है। 50 यात्राओं के लिए भी मासिक पास बनेगा। जिले में पंजीकृत स्थानीय वाणिज्यिक वाहनों का शुल्क भी तय है। इस सुविधाओं का लाभ लेकर यात्री कुछ बचत कर सकते हैं। एनएचएआई के प्रोजेक्ट डायरेक्टर डी.डी. पार्लावर का कहना है कि टोल टैक्स की दरें पूरे देश में संशोधित की गई हैं। नई दरें लागू हो गई हैं। इसमें 30 प्रतिशत तक कटौती की गई है। यह दर 31 मार्च तक के लिए है।उरगा-चांपा फोरलेन सड़क की लागत करीब 1 हजार करोड़ रुपए है। निर्माण पर 630 करोड़ और मुआवजा प्रकरण में 300 करोड़ से अधिक खर्च हुआ है। लागत की वसूली होने के बाद टोल टैक्स की दर 40 प्रतिशत कम की जाएगी। वसूली होने तक हर साल टोल टैक्स में 5 प्रतिशत वृद्धि का प्रावधान है। कटघोरा-पतरापाली सड़क की लागत 1362.32 करोड़ है। इसमें सड़क निर्माण और मुआवजा शामिल है।

पोंडी उपरोड़ा में धूमधाम से संपन्न हुआ दशहरा उत्सव,उमड़ा जनसैलाब

कोरबा । कोरबा जिलान्तर्गत ग्राम पोंडी-उपरोड़ा में इस वर्ष दशहरा उत्सव का आयोजन भव्यता और पारंपरिक आस्था के साथ किया गया। ग्राम के खुले मैदान में आयोजित रावण दहन कार्यक्रम में क्षेत्रवासियों का उत्साह देखते ही बन रहा था। शाम होते ही कार्यक्रम स्थल पर जनसैलाब उमड़ पड़ा और वातावरण जय श्रीराम के गगनभेदी नारों से गूंज उठा।

उक्त कार्यक्रम में जिला पंचायत कोरबा के अध्यक्ष पवन कुमार सिंह मुख्य अतिथि के रूप में सम्मिलित हुए। उनके स्वागत में ग्रामीणों ने तालियों की गड़गड़ाहट से उत्सव का माहौल और भी जीवंत बना दिया। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में आयुष सिंह, विजय दुबे, सहेतर सिंह राज, सरपंच शिव मरकाम, अशोक मिश्रा, शोभा राजपूत, संध्या पाठक, ललिता सोनवानी, शाखा राम, ऋषि कुमार, नानक सिंह राजपूत, गंगा पटेल, विष्णु यादव एवं राम सिंह सहित अनेक जनप्रतिनिधि और गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

विकास कार्यों में हो रही देरी से नाराज सांसद ज्योत्स्ना महंत करेंगी कोरबा रेलवे स्टेशन का निरीक्षण

कोरबा । कोरबा लोकसभा क्षेत्र सांसदश्रीमती ज्योत्स्ना चरणदास महंत सोमवार दोपहर लगभग 3 बजे कोरबा रेलवे स्टेशन का निरीक्षण करेंगी। सांसद श्रीमती महंत का यह दौरा रेलवे स्टेशन में चल रहे विकास और सौंदर्यीकरण कार्यों में हो रही देरी को लेकर उनमे बढ़ती नाराजगी पश्चात तय हुआ है।

जानकारी के अनुसार स्टेशन में चल रहे निर्माण कार्यों की धीमी रफ्तार और यात्रियों को मिलने वाली सुविधाओं में सुधार न होने से सांसद श्रीमती महंत लंबे समय से असंतुष्ट हैं। बीते दिनों उन्होंने रेलवे विभाग की समीक्षा बैठक में अधिकारियों को कार्य की सुस्त गति पर फटकार लगाई थी और काम में तेजी लाने के निर्देश दिए थे। माना जा रहा हैं की सांसद श्रीमती महंत दौरे के दौरान स्टेशन परिसर में यात्री सुविधाओं, स्वच्छता, प्रतीक्षालय, टिकट काउंटर, प्लेटफॉर्म विस्तार, एस्केलेटर और सौंदर्यीकरण कार्यों का निरीक्षण करेंगी। साथ ही, स्थानीय रेलवे अधिकारियों के साथ बैठक कर निर्माण कार्यों में आ रही बाधाओं और समाधान पर चर्चा करेंगी। सांसद श्रीमती महंत के निरीक्षण की सूचना मिलते ही रेलवे विभाग में हड़कंप मच गया है। सुबह से ही अधिकारी/कर्मचारी स्टेशन परिसर की सफाई और अन्य तैयारियों में जुट गए हैं, ताकि निरीक्षण के दौरान कोई कमी न दिखाई दे। स्थानीय नागरिकों और जनप्रतिनिधियों ने सांसद श्रीमती महंत की इस पहल का स्वागत किया है। उनका कहना है कि सांसद श्रीमती महंत द्वारा इस तरह के मैदानी निरीक्षण से विभागीय जवाबदेही बढ़ेगी और विकास कार्यों की गति तेज होगी।

कोरबा रेलवे स्टेशन औद्योगिक क्षेत्र का प्रमुख रेलवे स्टेशन है, जहां से प्रतिदिन हजारों यात्री आवाजाही करते हैं। ऐसे में सांसद श्रीमती महंत का यह दौरा यात्री सुविधाओं में सुधार और विकास कार्यों की दिशा तय करने में अहम साबित हो सकता

जिला चिकित्सालय में अमृत जन सेवा समिति व छग हेल्प वेलफेयर सोसाइटी संयुक्त रूप से दे रही सेवा

मरीजों के परिजन को 9 साल से परोस रहे निःशुल्क भोजन

कोरबा । चिकित्सालय में भर्ती मरीजों के साथ पहुंचे परिजनों को दिन के दोनों समय के भोजन के लिए भटकने के साथ ही अतिरिक्त खर्च वहन करना पड़ता है, लेकिन जिला चिकित्सालय में मरीज के साथ पहुंचे परिजनों को भोजन के लिए भटकने की जरूरत नहीं है। दोपहर व रात को चिकित्सालय में ही उनके लिए गरम-गरम रोटी, चावल, दाल और सब्जी पहुंच जाती है। वह भी निःशुल्क, लेकिन शर्त सिर्फ इतनी है कि भोजन के लिए उन्हें बर्तन साथ रखना और लाइन में लगना होता है। दरअसल सेवा ही परम धर्म है के उद्देश्य से अमृत जन सेवा समिति व छत्तीसगढ़ हेल्प वेलफेयर सोसाइटी द्वारा जिला चिकित्सालय में पिछले 9 वर्षों से मरीजों के परिजनों के लिए निःशुल्क भोजन सेवा उपलब्ध कराई जा रही है। स्वयं व जनसहयोग से भोजन व्यवस्था का खर्च वहन किया जा रहा है। दिन के समय अमृत जन सेवा समिति व रात को छत्तीसगढ़ हेल्प वेलफेयर सोसाइटी के सदस्य चिकित्सालय पहुंचकर भोजन बांटते हैं। प्रतिदिन करीब 300 लोगों को निःशुल्क भोजन सेवा का लाभ मिल रहा है।

सबसे पहले 26 जनवरी 2016 को अमृत जन 2016 को अमृत जन सेवा समिति ने मरीजों के परिजनों की परेशानी को देखते हुए उनके लिए दोपहर में भोजन सेवा शुरू की। फिर भी वह रात में परेशान होते थे। सोसाइटी ने रात के समय भी भोजन उपलब्ध कराने का जिम्मा उठाया और 15 अगस्त 2016 से भोजन सेवा शुरू की। यह सेवा कोरोना काल में भी बंद नहीं हुई। अमृत जन सेवा समिति में जिला अस्पताल के फार्मासिस्ट शांतनु मित्रा, डी.आर. भास्कर, रीना वर्मा, दिनेश पटेल, एस.एन. श्रीवास, जे.के. तिवारी सहित अधिकारी-कर्मचारी जुड़े हैं, जो अपने वेतन से हर माह निश्चित राशि भोजन सेवा के लिए देते हैं। वहीं बालको, सीएसईबी के रिटायर्ड अधिकारी-कर्मचारी व अन्य सेवाभावी लोग सहयोग करते हैं। छत्तीसगढ़ हेल्प वेलफेयर सोसाइटी द्वारा जन सहयोग से भूखों की मदद के लिए भारत मां की रसोई चलाते हुए भोजन व्यवस्था की जाती है।

प्रेरणा महिला मंडल ने दिखाई एकजुटता

कोरबा। नवरात्र पर्व पर लगातार 9 दिनों तक डीएसपीएम कोरबा पूर्व के आवासीय परिसर स्थित सीनियर क्लब में प्रेरणा महिला मंडल द्वारा गरबा महोत्सव का आयोजन किया गया। इसमें मंडल के सभी पदाधिकारियों और सदस्यों ने एकजुटता दिखाते हुए महोत्सव को सफल बनाया। सभी सदस्यों ने गरबा की प्रस्तुति दी। गरबा कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रेरणा महिला मंडल की अध्यक्ष अलका कंसल ने की। पर्व के अंतिम दिन कन्या भोज का आयोजन किया गया। 9 कन्याओं को उपहार देकर संगठन के पदाधिकारियों ने आशीर्वाद लिया। कार्यक्रम को सफल बनाने में अनु सरना, पूनम भगत,भारती खरे, रजनी अग्रवाल, रश्मि साहू, सीमा राजपूत, अनामिका गुप्ता, कादंबरी राणा, गीता पैकरा समेत सदस्यों का योगदान रहा।

आंगनबाड़ी केन्द्रों में विविध गतिविधियों का संचालन

कोरबा । जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास के मार्गदर्शन में जिले के समस्त आंगनबाड़ी केंद्रों में पोषण माह 2025 अंतर्गत विविध गतिविधियों का आयोजन किया गया। प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल एवं शिक्षा गतिविधि हेतु आंगनबाड़ी केन्द्रों में पोषण के साथ-साथ सीखने के केन्द्र के रूप में दर्शाने के लिए पोस्टर, स्लोगन, बैनर इत्यादि के माध्यम से पोषण भी पढ़ाई भी थीम पर स्वदेशी खिलौनों का निर्माण एवं स्थानीय व्यंजनों से संबंधित विविध गतिविधियों का आयोजन किया गया। जिसमें स्थानीयता को बढ़ावा देने के लिए स्वदेशी खिलौनों का निर्माण, स्थानीय व्यंजनों का प्रचार-प्रसार, स्थानीय समाग्री से कॉम्प्लिमेंटरी फीडिंग की प्रर्दशनी, स्वच्छता एवं हाथ धुलाई पर प्रशिक्षण, गर्भवती और धात्री माताओं के लिए समुदाय आधारित काउंसलिंग सत्र का आयोजन किया गया। साथ ही स्थानीय स्तर पर प्रशिक्षण, स्थानीय स्तर पर उपलब्ध होने वाले फल सब्जी तथा अनाज से बनाए जाने वाले पौष्टिक व्यंजनों की प्रदर्शनी, पोषण से जुड़े पजल, क्विज भी जोड़ा गया। टीमों को पजल हल करने के लिए स्टेशनों पर रोकने जिसे बच्चों को सिखने में प्रोत्साहित करने हेतु विभिन्न स्थानीय खेलों का आयोजन किया गया तथा पर्यावरण सरंक्षण की शपथ ली गई। स्वास्थ्य, आयुष, शिक्षा, यूनिसेफ, उद्यानिकी, पंचायत व ग्रामीण विकास, विहान, योग आयोग विभाग इत्यादि के साथ समन्वय कर गतिविधियों का आयोजन किया गया।

उरांव समाज का करम पूजा महोत्सव का आयोजन कल

कोरबा। कोरबा के उरांव सामाजिक भवन में उरांव समाज का करम पूजा महोत्सव 7 अक्टूबर मंगलवार को रात 8 बजे से शुरू होगा। करमदेव की स्थापना के बाद महोत्सव का विधिवत शुभारंभ किया जाएगा। महोत्सव के मुख्य अतिथि उद्योग मंत्री लखनलाल देवांगन, विशिष्ट अतिथि महापौर संजूदेवी राजपूत, डॉक्टर एम कुजूर, मनोज तिर्की, आदिवासी शक्तिपीठ के संस्थापक आरएस मार्को, रमेश सिरका, एमपी सिंह तंवर, निर्मल सिंह राज होंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता उरांव समाज के अध्यक्ष जगेश्वर राम भगत करेंगे।

अंधविश्वास को दूर कर सही दृष्टि देता है विज्ञान

कोरबा । विज्ञान हमें ब्रह्मांड व दुनिया से जुड़ी जानकारी देता है। विज्ञान हमें अंधविश्वासों से भी बचाता है। यहां विज्ञान अपने आविष्कार से हमारे जीवन को सरल व आसान बनाता है। जीवन में वैज्ञानिक जिज्ञासा और जानकारी होना क्यों जरूरी है। विज्ञान को हम जितना जानते हैं, यह उससे कहीं आगे है।
यह जानकारी छत्तीसगढ़ विज्ञान सभा के अध्यक्ष व सेवानिवृत्त अपर कलेक्टर विश्वास मेश्राम ने शनिवार को स्वर्गीय बिसाहुदास महंत स्मृति मेडिकल कॉलेज ऑडिटोरियम में आयोजित पॉपुलर साइंस लेक्चर कार्यक्रम के दौरान दी। छत्तीसगढ़ विज्ञान सभा कोरबा इकाई द्वारा आयोजित कार्यक्रम में इस विज्ञान को समझने और उससे जुड़े रहस्यों को जानने मेडिकल स्टूडेंट्स के साथ शिक्षकों ने भी इस लेक्चर में भाग लिया। ?मेश्राम ने पॉपुलर साइंस लेक्चर में छात्रों की न सिर्फ जिज्ञासा को शांत किया, बल्कि कौन सी बात वैज्ञानिक है, कौन सी नहीं है। इसका ज्ञान कैसे करना चाहिए इसकी भी जानकारी दी

। इस लेक्चर को सुनने के लिए मेडिकल कॉलेज के स्टूडेंट्स के साथ प्रबंधन, प्राध्यापक भी मौजूद रहे। ऑडिटोरियम में आयोजित वैज्ञानिक चेतना क्या है और इसकी जरूरत क्यों है, इस विषय पर मेश्राम ने छात्रों से बातचीत की। मेश्राम ने बताया कि जीवन के लिए वैज्ञानिक चेतना बेहद जरूरी है। जीवन के प्रति वैज्ञानिक दृष्टिकोण क्या होता है और क्या नहीं होता है। यह जानने की भी जरूरत है। हमें अपने जीवन में इस सोच का विकास करना चाहिए। हमारे सभा में कार्यरत वैज्ञानिक भी हैं, जो इस विषय को लेकर बेहद चिंतित रहते हैं,कि पहले जो हीट वेव 38 डिग्री सेल्सियस तापमान में चलती थी। मेडिकल कॉलेज के अधीक्षक डॉ.गोपाल कंवर ने कहा कि हम मेडिकल की पढ़ाई में जिस विज्ञान की पढ़ाई करते हैं, विज्ञान सिर्फ वहीं तक समिति नहीं है। इसकी पहुंच बहुत दूर तक है। विज्ञान इससे कहीं आगे की बात करता है। हमें स्ट्रेस को भी कम करना है, इसलिए किताबों से बाहर की दुनिया को समझना भी जरूरी है।

आज रात जलेगा दशानन का पुतला

बिर्रा। रावण दहन महोत्सव का आयोजन आज 6 अक्टूबर को बिर्रा दशहरा मैदान में किया गया है। हर साल की तरह ग्राम पंचायत बिर्रा एवं विराट दशहरा महोत्सव समिति के तत्वावधान में शाम 7 बजे भव्य आतिशबाजी और राम रावण का युद्ध के साथ रावण दहन किया जाएगा। कहार मोहल्ला से गाजे-बाजे के साथ राम की वानरी सेना और रावण की आसुरी सेना रथ पर सवार होकर राजमहल दीवान मुहल्ला, ठाकुरदेव मुहल्ला,दाऊ मुहल्ला मुख्य मार्ग, बस स्टैंड, चंडी मंदिर होते हुए दशहरा मैदान पहुंचेगी। रथ पर राजमहल के राजकुमार भी सवार होंगे। रात्रिकालीन कार्यक्रम में निर्मला ठाकुर सांस्कृतिक लोककला मंच भुईयां के भगवान रायपुर गायिका चंपा निषाद की प्रस्तुति होगी। रात्रिकालीन कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राघवेन्द्र सिंह अकलतरा विधायक, अध्यक्षता पीलीबाई एकादशिया साहू सरपंच बिर्रा, बालेश्वर साहू विधायक जैजैपुर, व्यास कश्यप विधायक जांजगीर चांपा, रामकुमार यादव विधायक चंद्रपुर,संदीप साहू विधायक कसडोल, कविता प्राण लहरे विधायक बिलाईगढ़, शेषराज हरबंस विधायक पामगढ़,गगन जयपुरिया उपाध्यक्ष ज़िला पंचायत जांजगीर चांपा, मोहन कुमारी साहू जिला पंचायत सदस्य एवं सभापति, रितेश रमण सिंह जनपद सदस्य बम्हनीडीह बतौर विशिष्ट अतिथि होंगे।कार्यक्रम का संचालन जितेन्द्र तिवारी करेंगे। आयोजन को लेकर रावण बनाने और मंच व्यवस्था तथा मैदान की साफ़ सफाई व्यवस्था की जा रही है। दशहरा महोत्सव को सफल बनाने संरक्षक लाल रेवती रमण सिंह, लाल बाबा जी, गीताराम तिवारी,विजय बहादुर सिंह,अर्जून महराज,चेतन प्रताप सिंह,पियुष सिंह, प्रतीक प्रताप सिंह,श्रवण कुमार कश्यप, नंदलाल श्रीवास,सौखीलाल पटेल, नरेंद्र यादव, रोहनलाल कश्यप, उपसरपंच विमला गोपाल कश्यप, रोहित पटेल सचिव,भोलाराम देवांगन, एकांश पटेल,धनसाय कश्यप, खेदू राम सहित अन्य जुटे हुए हैं।

राईस मिल बनी नहीं और शुरू हो गई परेशानी

फसल नुकसान का दावा कर इलाके के किसान मांग रहे मुआवजा

जांजगीर-चांपा। जांजगीर-चांपा के ग्राम देवरहा में एक निर्माणाधीन राइस मिल के कारण तनाव का माहौल है। मिल द्वारा पानी निकासी के रास्ते को बंद करने से 20 से अधिक किसानों की धान की फसल बर्बाद हो गई है। ग्रामीणों की शिकायत पर पहुंची तहसीलदार को किसानों ने मुआवजे की मांग करते हुए वापस लौटा दिया।

राइस मिल के मालिक ने पानी निकासी के मुख्य स्थान पर डस्ट डालकर उसे बंद कर दिया है। इसके चलते किसानों के खेत जलमग्न हो गए और धान की फसल पूरी तरह तबाह हो गई। ग्रामीण इस नुकसान के लिए मुआवजे की मांग कर रहे हैं।

दरअसल, उदयबंद ग्राम पंचायत के आश्रित ग्राम देवरहा के किसान राइस मिल संचालक की मनमानी से परेशान हैं। संचालक ने पहले ग्रामीणों को कॉलेज चलाने के नाम पर जमीन खरीदी थी, लेकिन अब वहां राइस मिल स्थापित कर रहा है। बारिश के पानी की निकासी जिस शासकीय भूमि से होती थी, उसे भी फ्लाई ऐश डालकर बंद कर दिया गया। तीन महीने पहले ग्रामीणों ने अपने खेतों से पानी निकासी की मांग को लेकर कलेक्टर और विधायक से शिकायत की थी। अधिकारियों ने उस स्थान पर नाली बनाने के बजाय मुख्यमंत्री सड़क योजना की सड़क खोदकर अस्थायी समाधान किया। हालांकि, इससे ग्रामीणों को विशेष लाभ नहीं मिला और खेतों में धान की एक बाली भी नहीं हो पाई।

ग्रामीणों की शिकायत पर तहसीलदार देवरहा गांव पहुंचीं और राइस मिल के लिए हाई टेंशन लाइन बिजली खंभा तथा नए ट्रांसफॉर्मर लगाने पर चर्चा करने लगीं। इससे नाराज होकर ग्रामीणों ने तहसीलदार से अपनी बर्बाद हुई फसल के लिए मुआवजे की मांग की, जिसके बाद अधिकारी वहां से वापस लौट गईं।

इधर, विधायक ब्यास कश्यप ने भी ग्रामीणों की फसल बर्बाद होने का मुख्य कारण राइस मिल संचालक और जिला प्रशासन द्वारा शिकायत की अनदेखी को बताया। उन्होंने किसानों को मुआवजा देने की मांग की और कहा कि यदि पहले पानी निकासी की व्यवस्था कर ली जाती तो ऐसी स्थिति निर्मित नहीं होती।

देवरहा गांव मे राइस मील के मालिक से इस विषय मे जानकारी चाही गई लेकिन उन्होंने कैमरा के सामने कुछ भी कहने से इनकार कर दिया।

गुणवत्ता के साथ पीएम आवास नहीं बने तो कार्यवाई तय

जांजगीर। जिले के विकास कार्यों की वास्तविक स्थिति परखने के लिए कलेक्टर जन्मेजय महोबे ने रविवार को जनपद पंचायत बलौदा के सुदूर ग्राम हेडसपुर और बक्सरा का दौरा किया। पीएम आवासों के निर्माण की धीमी चाल देखकर कलेक्टर ने अधिकारियों को काम में ढिलाई बर्दाश्त नहीं करने की चेतावनी दी। साथ ही अधिकारियों को लाभार्थियों की समस्याओं का मौके पर समाधान करने की हिदायत दी।

कलेक्टर महोबे गांव की पगडंडियों और खेतों की मेड़ों से होते हुए हेडसपुर की पहाड़ियों पर पहुंचे और वहां मनरेगा के तहत बनाए गए कंटूर ट्रेंच कार्य का निरीक्षण किया। उन्होंने जल संरक्षण के इन प्रयासों की सराहना की और कहा कि इस पहाड़ी पर व्यापक स्तर पर पौधरोपण कर हरियाली बढ़ाई जाए, ताकि वर्षा जल संरक्षित हो और पर्यावरण भी संवर्धित हो।कलेक्टर ने निर्देश दिए कि कंटूर ट्रेंच निर्माण से पहले और बाद में जल संचयन की मात्रा का तुलनात्मक विवरण तैयार कर प्रस्तुत किया जाए। कलेक्टर ने स्पष्ट कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण गरीबों के जीवन स्तर सुधारने की सबसे अहम योजना है। हर पात्र परिवार को समय पर पक्का मकान मिले, यह शासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। निर्माण में कोई ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी।उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि लाभार्थियों की समस्याओं का मौके पर समाधान किया जाए और सभी आवास निर्धारित समयसीमा में पूर्ण हों।

निरीक्षण के दौरान कलेक्टर महोबे ने प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत हेडसपुर और बक्सरा पंचायत में निर्माणाधीन व पूर्ण आवासों का जायजा लिया। उन्होंने हितग्राहियों से सीधी बातचीत की। कलेक्टर ने गुडनिधि लाल, ईश्वर लाल, राजबाई, नोहर बाई, रमेश कुमार यादव और हरिराम सहित अन्य लाभार्थियों के घर पहुंचकर कार्यों की प्रगति देखी।

क्यूआर कोड से मिली पारदर्शी जानकारी हेडसपुर पंचायत भवन में लगे मनरेगा क्यूआर कोड को कलेक्टर ने अपने मोबाइल से स्कैन कर गांव के पिछले तीन वर्षों के सभी कार्यों की जानकारी देखी। स्क्रीन पर कार्यों की पूरी सूची, खर्च की गई राशि, भुगतान विवरण और लाभार्थियों की जानकारी प्रदर्शित हुई। कलेक्टर ने कहा यह पहल पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ाने का अभिनव कदम है। ग्रामीण अब स्वयं मोबाइल से देख सकते हैं कि गांव में कौन-से कार्य हुए, कितना खर्च हुआ और किसे लाभ मिला। इससे ग्रामीण विकास कार्यों की निगरानी में सक्रिय सहभागी बनेंगे।

राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में आज जुटेंगे युवा पहलवान

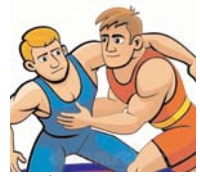

जांजगीर। 25वीं राज्य स्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता अंतर्गत तीन दिवसीय राज्य स्तरीय कुश्ती प्रतियोगिता आज 6 अक्टूबर से हाई स्कूल मैदान जांजगीर आयोजित होगी। स्पर्धा 9 अक्टूबर तक चलेगी। कार्यक्रम का शुभारंभ सुबह 11 बजे से होगा। इस दौरान खेल ध्वज फहराने, मार्चपास्ट, सलामी और खिलाड़ियों को शपथ दिलाई जाएगी। प्रतियोगिता में फ्री स्टाइल कुश्ती , ग्रीको रोमन कुश्ती के मुकाबले होंगे। राज्य के बिलासपुर, दुर्ग, बस्तर, सरगुजा और रायपुर जोन से लगभग 400 खिलाड़ी अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। इस आयोजन की मेजबानी जिला प्रशासन और स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा की जा रही है।

जैजैपुर विधायक बालेश्वर साहू किसानों की राशि गबन और भ्रष्टाचार के आरोपों में फरार

जांजगीर-चांपा। भाजपा नेताओं ने जैजैपुर कांग्रेस विधायक बालेश्वर साहू के खिलाफ किसानों की राशि गबन, धोखाधड़ी और भ्रष्टाचार के आरोपों को लेकर पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचकर राज्यपाल के नाम अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में नेताओं ने बालेश्वर साहू की तत्काल गिरफ्तारी और पुरानी करतूतों की जांच की मांग की है।

नेता प्रतिपक्ष नारायण चंदेल ने कहा- बालेश्वर साहू का कमीशन, करप्शन और क्राइम से पुराना संबंध है। किसानों का फर्जी अंगूठा लगाकर लाखों रुपये का गबन किया है। अगर जरा भी नैतिकता है तो उन्हें पद से इस्तीफा दे देना चाहिए। यह व्यक्ति विधायक पद के योग्य नहीं है। पुलिस को तुरंत गिरफ्तारी करनी चाहिए।

भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष कृष्ण कांत चंद्रा ने कहा- किसानों को लोन दिलाने का झांसा देकर उनकी रकम हड़पना क्षमा योग्य नहीं। अगर बालेश्वर साहू निर्दोष हैं, तो फरार क्यों हैं? उनका छिपना इस बात का प्रमाण है कि दाल में कुछ काला है।

फरसवानी निवासी राजकुमार शर्मा ने शिकायत दर्ज कराई थी कि वर्ष 2015 से 2020 के बीच बालेश्वर साहू ने उसे 50 एकड़ जमीन में किसान क्रेडिट कार्ड लोन लेने की सलाह दी और इसी बहाने उसका एचडीएफसी बैंक, चांपा में खाता खुलवाया। प्रार्थी का ब्लैंक चेक लेकर करीब 24 लाख रुपए अपने एवं पत्नी के खाते में ट्रांसफर कर लिए। इतना ही नहीं, उन्होंने प्रार्थी, उसकी मां जयतिन शर्मा और पत्नी नीता शर्मा के फर्जी हस्ताक्षर एवं अंगूठा निशान लगाकर अलग-अलग निकासी पर्चियों से कुल 42 लाख 78 हजार रुपए की धोखाधड़ी की।

चांपा पुलिस ने विधायक बालेश्वर साहू के खिलाफ धारा 420, 467, 468, 471, 34 के अंतर्गत एफआईआर दर्ज की है। गिरफ्तारी के डर से विधायक फिलहाल फरार हैं। ज्ञापन देने के दौरान जांजगीर-चांपा एवं सक्ती जिला के प्रमुख भाजपा कार्यकर्ता और पदाधिकारी उपस्थित थे।

अब सिस्टम हो रहा कमजोर कल तक साफ होगा मौसम

जांजगीर। द्रोणिका व निम्न दाब का सिस्टम कमजोर हो गया है। इससे रविवार को बारिश नहीं के बराबर हुई। मौसम विभाग के अनुसार सोमवार को हल्के बादल छाए रह सकते हैं। मंगलवार को आसमान से बादल छंटने और मौसम साफ होने की संभावना है। वहीं तापमान में मामूली ?बढ़ोतरी होगी। रविवार देर शाम कही-कही हल्की बूंदाबांदी हुई। शनिवार को जिले में करीब 3.8 मिमी बारिश हुई।

रायगढ़ में अवैध शराब के खिलाफ ग्रामीण एकजुट

छिछोर-उमरिया में बिकी अवैध शराब तो देना होगा 21 हजार जुर्माना, गांव में कराई गई मुनादी

रायगढ़। जिले में अवैध शराब की बिक्री जमकर हो रही है। ऐसे में छिछोर उमरिया गांव में अब मुनादी करायी गई है कि कोई अवैध शराब की बिक्री करता है तो उसे 21 हजार जुर्माना देना होगा। वहीं अवैध शराब की बिक्री को रोकने थाने में शिकायत भी की गई है।

ग्रामीणों ने बताया कि छिछोर उमारिया गांव में लगातार अवैध शराब के कारोबार को देखते हुए गांव की सरपंच रामेश्वरी साव ने एक पहल की है।जिसमें गांव में कोई भी अवैध रूप से दारू बेचता पाया जाता है तो उसे 21 हजार का जुर्माना देना होगा। साथ ही साथ उसे राशन कार्ड से वंचित कर दिया जाएगा। इसके लिए गांव में मुनादी भी करा दिया गया है।

साथ ही ग्राम छिछोर उमारिया गांव के ग्रामीणों ने पुसौर थाना प्रभारी के नाम ज्ञापन सौंपते हुए बताया है कि गांव में एक लंबे अर्से से अवैध शराब की बिक्री के अलावा कच्चा शराब बनाकर लोगों को बेचा जा रहा है। ग्रामीणों ने अवैध शराब बिक्री पर अंकुश लगाने की मांग की है।

बच्चों पर भी हो रहा असर

ग्रामीणों ने बताया कि अवैध शराब के कारोबार के चलते गांव का माहौल खराब हो रहा है। साथ ही आए दिन लड़ाई-झगड़ा मारपीट की घटनाएं आम बात हो गई है। अवैध शराब के कारोबार के चलते आपराधिक घटनाओं के अलावा छोटे बच्चों पर भी इसका काफी असर पड़ने लगा है।

चांपा से सिवनी तक सड़क पर बड़े-बड़े गड्ढे राहगीर परेशान

जांजगीर। चांपा से सिवनी के बीच सड़क पिछले कई महीनों से खराब हो चुकी है। चांपा ओवरब्रिज से नीचे उतरते ही लोगों का स्वागत गड्ढों और धूल से होता है। सड़क के बीच में कई बड़े-बड़े गड्ढे हो गए हैं। छोटे गड्ढे बड़े गड्ढों में तब्दील हो चुके हैं। इसके कारण लोगों को आने-जाने में परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। हल्की बारिश होते ही सड़कों के गड्ढों में पानी भर जाता है और बारिश के कारण सड़कों पर कीचड़ फैल जाता है। इससे लोगों का चलना और भी मुश्किल हो जाता है। रोजाना इस मार्ग से हजारों बड़ी गाड़ियां गुजरती हैं। इसी मार्ग से होकर हर रोज प्लांट के कर्मचारी बड़ी संख्या में आना-जाना करते हैं।

हसदेव में जल समाधि, एक और शव बरामद

जांजगीर-चांपा। जिले में शनिवार को हसदेव नदी में 5 दोस्त डूब गए। इनमें एक युवक और एक युवती को बचा लिया गया। रविवार को अंकुर कुशवाहा का शव घटना स्थल से 15-17 किलोमीटर दूर कुदरी बैराज से पहले मिला है। 2 लोग स्वर्णरेखा और आशीष भोई अभी भी लापता हैं।

पांचों दोस्त पिकनिक मनाने के लिए नदी किनारे आए थे। नहाते समय तेज बहाव में बह गए। शनिवार शाम अंधेरा होने के कारण रेस्क्यू ऑपरेशन रोक दिया गया था। रविवार सुबह से रेस्क्यू ऑपरेशन जारी है। साथ ही तलाशी में ड्रोन की मदद भी ली जा रही है। मामला पंतोरा चौकी क्षेत्र के देवरी गांव का है।

टेमर मंडल में दशहरा उत्सव मनाया आरएसएस ने

सक्ती। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना के 100 वर्ष पूर्ण होने पर शताब्दी वर्ष कार्यक्रम के अंतर्गत शक्ति विकासखंड के टेमर मंडल में विजयादशमी उत्सव का कार्यक्रम धूमधाम के साथ आयोजित किया गया। मुख्य वक्ता राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ सक्ती नगर संचालक कुशलाल वर्मा एवं मुख्य अतिथि के रूप में डाक विभाग के सेवानिवृत कर्मचारी एकाम्बर पटेल, जनपद पंचायत शक्ति के सदस्य टकेश्वर पटेल प्रमुख रुप से उपस्थित रहे। इस दौरान जहां भारत माता की पूजा अर्चना के साथ ही उपस्थित संघ परिवार ने स्थापना के 100 वर्ष पूर्ण होने पर समस्त स्वयंसेवकों से कहा कि आज राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पूरे देश भर में अपनी स्थापना के 100 वें वर्ष में प्रवेश कर रहा है।

मुक्तिधाम में श्रमदान कर लगाए बेल के पौधे

अंबिकापुर। शहर के योगदान सेवा समिति ने गंगापुर स्थित मुक्तिधाम के जीर्णोद्धार और कायाकल्प का संकल्प लिया है। इसी लक्ष्य को पूरा करने की दिशा में रविवार सुबह समिति के सदस्यों ने मुक्तिधाम परिसर में श्रमदान कर एक वृहद स्वच्छता अभियान चलाया।

समिति के संयोजक प्रशांत सिंह ने बताया कि गंगापुर मुक्तिधाम शहर के करीब 10 वार्डों जैसे बाबूपारा, दर्रीपारा, गंगापुर, नमनाकला, सत्तीपारा और शीतला वार्ड क्षेत्र के लोगों के लिए अंतिम संस्कार का महत्वपूर्ण स्थल है। हालांकि, यहां कई आवश्यक सुविधाओं का अभाव है, जिसे समिति ने जनसहयोग से दूर करने का लक्ष्य रखा है। समिति ने मुक्तिधाम को बेहतर बनाने के लिए विस्तृत योजना बनाई है। इस योजना के तहत मुक्तिधाम की साफ-सफाई और रंगरोगन किया जाएगा। परिजनों के बैठने के लिए हवादार शेड का निर्माण। पेयजल की उचित व्यवस्था करना।

अंतिम संस्कार के लिए लकड़ी की उपलब्धता सुनिश्चित करना। शव वाहन और अस्थि कलश सुरक्षित रखने की व्यवस्था करना। समिति ने यह भी निर्णय लिया है कि वे भविष्य में सार्वजनिक लोक महत्व के अन्य स्थानों के कायाकल्प के लिए भी प्रयास करेंगे। इस अभियान की शुरुआत श्रमदान से हुई, जहां समिति के सदस्यों ने पूरे परिसर की सफाई की और बेल के पौधे लगाए।

इस दौरान यह निर्णय लिया गया कि दिवंगतों की स्मृति को अक्षुण्ण बनाए रखने के लिए परिसर में छायादार और धार्मिक महत्व के वृक्षों, साथ ही सजावटी तथा फूलों के पौधे लगाए जाएंगे। इस नेक पहल में समिति के कई सदस्यों ने श्रमदान किया, जिनमें अतुल मेहता, आशीष वर्मा, प्रमोद चौधरी, चन्द्र प्रकाश सिंह, दिनेश कुमार शर्मा, केदार यादव, तृप्तराज सिंह धंजल, विनायक शर्मा, अमित कुमार सिंह, निखिल विश्वकर्मा, आशीष शर्मा, शिव कुमार मिंज, तीरथ चौधरी, राज मारियो कुशवाहा, कनिष्क सिंह, शिया नारायण और धनकु शामिल थे।

बदलते मौसम के कारण सर्दी-खासी वायरल बुखार की शिकायतें ज्यादा

सक्ती। इन दिनों मौसम का हाल कुछ ऐसा है कि बरसात गर्मी और ठंड तीनों मौसम का एहसास एक ही दिन में होने लगा है सुबह गर्मी तो दोपहर से शाम तक बारिश के चलते मौसम में लगातार उतार चढ़ाव हो रहा है जिसके कारण इसका सीधा असर लोगों के स्वास्थ्य पर पढ़ रहा है हर घर में कोई ना कोई वायरस की चपेट में आ रहे हैं सर्दी खांसी बुखार टाइफाइड और सर्दी के कारण फेफड़ा गला में कफ़ की समस्या अधिक हो रही है अस्पतालों में ज्यादातर इन्हीं बीमारी के मरीज बड़ी संख्या में पहुंच रहे हैं छोटे-छोटे बच्चों से लेकर बड़े बुजुर्गों तक में इस तरह की वायरल देखने को मिल रही है डॉक्टर का कहना है कि वर्तमान में जो मौसम की स्थिति है और खासकर यह समय मौसम परिवर्तन का रहता है जिसके कारण वायरल बीमारी की मरीज अधिक बढ़ रहे हैं।

स्वस्थ ठीक होने में 5 से 7 दिन का समय लग रहा है। इससे सावधानी बरतने के लिए भीड़ भाड़ इलाके में ना जाए ज्यादा जरूरत हो तो मास्क लगाकर जाए बरसते पानी में भीगने से बचे, अभी जो मौसम है वह वायरस के लिए अनुकूल है ।

हरिलीला ट्रस्ट की पहल : 106 स्कूलों के 301 प्रतिभागियों ने दिखाया ज्ञान का दम

जांजगीर-चांपा विधानसभा स्तरीय सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता का फाइनल राउंड सम्पन्न

जांजगीर-चांपा। हरि लीला ट्रस्ट, बनारी (जांजगीर-नैला) के तत्वावधान में रविवार, 5 अक्टूबर को सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता - 2025 का फाइनल राउंड सरस्वती शिशु मंदिर नैला (जांजगीर) में संपन्न हुआ। इस प्रतियोगिता में 106 विद्यालयों से चयनित 301 छात्र-छात्राओं ने भागीदारी निभाई। ये सभी विद्यार्थी विद्यालय स्तर पर लगभग 12500 प्रतिभागियों में से प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त कर चुके थे।

आयोजन के पूर्व हरि लीला ट्रस्ट के अध्यक्ष लीलाधर सुल्तानिया ने प्रतियोगिता के लिए शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि -यह सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता विद्यार्थियों में ज्ञान, आत्मविश्वास और प्रतिस्पर्धा की भावना को जागृत करने का श्रेष्ठ माध्यम है। मैं सभी प्रतिभागियों के उज्ज्वल भविष्य और सफलता की हार्दिक कामना करता हूँ।

फाइनल परीक्षा में प्रतिभागियों ने उत्साह, आत्मविश्वास और ज्ञान का अद्भुत प्रदर्शन किया। प्रश्न-पत्र में इतिहास, भूगोल, विज्ञान, राजनीति, अर्थशास्त्र एवं खेल से संबंधित विविध विषयों पर आधारित प्रश्न शामिल थे।

आयोजन स्थल पर विद्यार्थियों में प्रतिस्पर्धा और आत्मविश्वास का उत्साहजनक माहौल देखने को मिला। ट्रस्ट की टीम ने परीक्षा के सुचारू संचालन हेतु सभी आवश्यक व्यवस्थाएँ सुनिश्चित कीं।

ट्रस्ट के सचिव अमर सुल्तानिया ने बताया कि यह प्रतियोगिता केवल एक परीक्षा नहीं, बल्कि विद्यार्थियों में ज्ञान, आत्मविश्वास और राष्ट्र निर्माण की भावना जगाने का एक प्रयास है। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन विद्यार्थियों को नई दिशा और प्रेरणा देते हैं। इस अवसर पर कार्यक्रम का संचालन प्रकाश शर्मा ने आभार प्रदर्शन जितेंद्र खांडे व हितेश यादव ने किया। विजेताओं को 16 अक्टूबर को आकर्षक पुरस्कार, मोमेंटो एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान किए जाएंगे। प्रथम पुरस्कार 21,000, द्वितीय 11,000, तृतीय ?5,100 तथा सांत्वना पुरस्कार 2,100 प्रत्येक निर्धारित हैं।

इस अवसर पर मुख्य रूप से शिक्षविद मनोज पांडेय, अनिल तिवारी, सुरेश यादव, आलोक शुक्ला, रोशन केशरवानी, दीपक यादव, सुनील अग्रवाल, संजय दुबे, सोहराब सिंह, विनोद बंसल, अरुण झाझड़िया, गुलाब दीवान, गोपेश्वर कहरा, रमाकांत राजवाड़े, पार्षद हितेश यादव, पार्षद पंकज कहरा, पार्षद उमेश राठौर, श्रीमती प्रतिमा डाहरे, हरि लीला ट्रस्ट की ओर से मुकेश भोपालपुरिया, मनीष तिवारी, जितेंद्र खांडे, साकेत तिवारी, सुनील तिवारी, वृन्दावान सिंह, रमेश सोनवानी, सुधीर झाझड़िया, हितेश साहू, डिगेश कुमार, संदीप पाण्डेय, राजेंद्र साहू, कमल राठौर, रोहित कुलदीप, रवि पाण्डेय, प्रदीप राठौर, फ़िरदौस खान, सागर राठौर, शिव चमन सिंह, गोलू दुबे, आदि बड़ी तादात में मौजूद रहे। यह पूरा आयोजन सरस्वती शिशुमंदिर नैला (जांजगीर) में संपन्न हुआ जिसमें विद्यालय के प्राचार्य एवं सभी शिक्षकों के साथ ही क्षेत्र के कई विद्यालयों के प्राचार्य, शिक्षक व पालकगण मौजूद रहे।

अनमोल वचन......

खुद पर यकीन रखो, दुनिया भी तुम्हारे साथ खड़ी हो जाएगी।

रिलीजन और रिलेजनशिप में अंतर का भाव, और ऊपरी आवरण

भारत में अभी भी गांव गांव में रामलीला का आयोजन किया जाता है और लोग देखने भी जाते हैं। यह सिलसिला आदि कल 400 वर्षों से हो रहा है।अब लोगों को इसमें नया पन नहीं लगता है। लेकिन लोग नित कुछ नया चाहते हैं। प्रायः लोग रामलीला देखने जाते हैं और ओंगना या सो जाते हैं। क्योंकि उसमें नया पन नहीं है। यद्यपि वह रामलीला धार्मिक है लेकिन लोगों की धार्मिकता नहीं है। धार्मिक होना ऊपरी आवरण जबकि धार्मिकता मन के अंदर की अनुभूति होती है। यही अंतर है दोनों में जैसे लिपिस्टिक लगाने से औरत का स्वास्थ्य नहीं बदलता बल्कि उसका ऊपरी आवरण दिखाई देता है। लेकिन मन का सोच अलग है वह आवरण नहीं है।

गांव में रामलीला चल रही थी सब देखने जाते थे जिसमें बच्चे, स्कूल टीचर, प्राचार्य,सभी शामिल थे।इसी दौरान विद्यालय में दिन में स्कूल निरीक्षक का दौरा हुआ । विद्यालय के टीचर ने सोचा कि जब सब रामलीला देखने जाते हैं तो अच्छा है कि निरीक्षक रामलीला से संबंधित प्रश्न ही पूछ लें क्योंकि उसे आशा थी कि सभी उत्तर दे देंगे तो स्कूल निरीक्षक ने भी कहा कि ठीक है।उसने कक्षा में पूछा कि शिव जी का धनुष किसने तोड़ा था।तो एक छात्र ने अपना हाथ ऊपर उठा लिया जो सबसे गधा था ।उस छात्र ने कहा कि में पहले ही बता देना चाहता हूं कि मैने शिवजी का धनुष नहीं तोड़ा।इस पर निरीक्षक से शिक्षक ने कहा कि साहब यह गलत कह रहा है कि इसने शिवजी का धनुष नहीं तोड़ा है बल्कि वह बहुत उदंत है।सब इसी ने तोड़ा है,यहां तक कि मेरी कुर्सी भी। निरीक्षक हतप्रभ,उसने कमरे में जाकर प्राचार्य से पूछा कि शिवजी का धनुष किसने तोड़ा तो प्राचार्य ने कहा कि बहुत से बच्चे स्कूल में पढ़ते किसी ने तोड़ दिया होगा, बच्चे है उद्गम मचाते रहते हैं।आप परेशान न हों । निरीक्षक हतप्रभ कि यह कैसी रामलीला है जो कुएं में भंग पड़ी है।वह दौड़ कर मुनुस्पल दफ्तर गया जो स्कूल चलाता था और उसने रामकथा सुनाई तो अध्यक्ष बोले शिवजी का धनुष किसी ने तोड़ दिया है तो हम उसे जुड़वा देंगे और आप कहीको चिंता कर रहे हो। कितना बड़ा धनुष था । और शिवजी बावजी से हमे क्या लेना देना ।कौन है शिवजी । यह हाल है रामलीला के। रामलीला देखने जाने वाले ऊब गए हैं कि क्या देखना रामलीला को सब वही तो है नया पन कुछ नहीं है।यह ऊपरी आवरण है इसे रिलीजन कह सकते है जो समाज,परिवार, समूह से मिला हुआ है कि वह हिन्दू है या मुसलमान है।यह आंतरिक नहीं है जो रिलिजनशिप है। जो अंदर की अनुभूति है और व्यक्ति का चरित्र भी है। मनुष्य की अंतर आत्मा जब झकझोर देती है तो वह कुछ बातों की अनुभूति करता है तब ही उसे धार्मिकता का अहसास होता है। व्यक्ति श्मशान में अर्थी के साथ जाता है तो कुछ देर के लिए अंतःकरण में प्रवेश करता है लेकिन फिर वही दीन दुनियां की बातों में लग जाता है और ऊपरी आवरण में आ जाता है। एक गांव की रामलीला में एक पहलवान हनुमान जी का पाठ करता था ऐसा वह हर साल करता था और उसमें कुछ भी नया पन नहीं था।हर साल वह लंका जलाता था।इस बार उसने सोचा कि क्यों न कुछ नया किया जाय तो हनुमानजी ने लंका के बजाय अयोध्या जला दी।अब पहलवाल जो ठहरा कोई क्या कहता।राम बना तो बालक था । इस बार हनुमान ने अपने अंतःकरण से अयोध्या जला दी।जबकि हर साल वह अपने बाहरी आवरण में ही रहता था।

राशिफल

मेष राशिः आज आपका दिन उत्तम रहेगा। कुछ लोग आपको कंफ्यूज़ करने की कोशिश करेंगे। दूसरों की बातों में न आकर अपने निर्णय को ही सर्वोपरि रखें, इससे आपके कार्य बड़ी ही आसानी से पूरे होंगे। ऑफिस में अपने काम पर ध्यान देने से आप सम्मान के पात्र बने रहेंगे।

वृष राशिः आज आपका दिन लाभदायक रहेगा। आप अपने काम पर पूरा फोकस बनाये रखें, जल्द ही भविष्य में अच्छा लाभ मिलेगा। बिजी शेड्यूल से थोड़ा समय बच्चों के लिए निकालेंगे, बच्चे अपने मन की बात आपसे शेयर करेंगे। लवमेट एक-दूसरे पर विश्वास बनाए रखें, रिश्ते में मजबूती बनी रहेगी।

मिथुन राशिः आज आपका दिन अच्छा रहेगा। अपनी बातों से किसी को प्रभावित कर देंगे। समाज में किये गए सराहनीय काम को देखकर लोग आपसे कुछ अच्छा सीखेंगे, जिससे आपको गर्व होगा। शिक्षण संस्थान से जुड़े लोगों को ज्यादा लाभ होगा।

कर्क राशिः आज का दिन आपके लिए फेवरेबल रहेगा। आपका कोई काम जो काफी दिनों से रुका था, आज पूरा हो जाएगा। साथ ही आप काम करने के नए तरीकों पर विचार करेंगे। विद्यार्थियों द्वारा की गई मेहनत का शुभ परिणाम मिलेगा।

सिंह राशिः आज आपका दिन अच्छा रहेगा। मानवहित में किये गये कार्यों के कारण आपको सम्मान मिलेगा। गैर-जरूरी खर्चों पर रोक लगाकर आप बचत पर ध्यान देंगे। व्यवसायिक गतिविधियां मन मुताबिक चलेंगी। काम करने के तरीकों में बदलाव लाएंगे।

कन्या राशिः आज आपका दिन अनुकूल रहेगा। सरकारी नौकरी करने वाले अपने काम पर ज्यादा ध्यान दें। किसी से बहस की स्थिति बन सकती है, ऐसे में मौन रहना बेहतर होगा। पब्लिक प्लेस पर छवि खराब न होने दें। लवमेट के रिश्ते में मधुरता बनी रहेगी।

तुला राशिः आज आपका दिन उत्तम रहेगा। आपके काम करने के तरीकों से लोग प्रभावित होंगे और आपका अनुसरण करेंगे। आप जिम्मेदारियों को बखूबी निभाएंगे। बातचीत के दौरान अपनी निजी बातें शेयर न करें।

वृश्चिक राशिः आज आपका दिन खुशहाल रहेगा। मित्रों से मन की बात शेयर करने से सुकून मिलेगा। आपको नई जानकारियां भी हासिल होंगी। रिश्तेदार से शुभ संदेश मिलेगा, जिससे खुशी दोगुनी होगी। बिजनेस में खास एग्रीमेंट होगा, लेकिन कॉम्पटीशन के दौर में कार्य करने के तरीकों में बदलाव जरूरी है।

धनु राशिः आज आपका दिन सामान्य रहेगा। निजी कामों पर बाहरी लोगों का दखल न होने दें। भावनाओं में आकर कोई फैसला न लें। ज्यादा काम के कारण थकान हो सकती है।

मकर राशिः आज आपका दिन बढ़िया रहेगा। शाम का समय माता-पिता के साथ महत्वपूर्ण विषयों पर विचार-विमर्श करेंगे, जिससे अच्छा समाधान मिलेगा। किसी काम की शुरुआत करने से पहले शुभ मुहूर्त देखना बेहतर होगा। समाज में किये गए कार्यों से मान-सम्मान बढ़ेगा।

कुम्भ राशिः आज का दिन परिवार के लिए नई खुशियां लेकर आया है। किसी अनुभवी से मिली सलाह फायदेमंद साबित होगी। काम को लेकर आपके सपने काफी हद तक पूरे होंगे।

मीन राशिः आज का समय आपके लिए अच्छा है। पारिवारिक समस्या हल होगी और रुके काम में गति आएगी। सकारात्मक लोगों की सलाह फायदेमंद होगी। मेहनत का उचित फल जल्द मिलेगा। अफवाहों पर ध्यान न दें। ऑफिसियल यात्रा संभव है, जो शुभ होगी।

थलसेना, वायुसेना प्रमुख के बयान शब्दों का खेल नहीं, भारत के आत्मविश्वास का प्रतीक हैं

//नीरज कुमार दुबे //

देखा जाये तो पाकिस्तान के लिए यह संदेश जितना गहरा है, उतना ही अंतरराष्ट्रीय बिरादरी के लिए भी स्पष्ट है। विश्व ने भारत के आत्मरक्षा के अधिकार को न केवल स्वीकार किया है बल्कि खुले तौर पर समर्थन भी किया है।भारतीय सेना और वायुसेना प्रमुख के ताजा बयानों ने पाकिस्तान और उसके आकाओं को स्पष्ट संकेत दे दिया है— भारत अब पुराने संयम और धैर्य के खोल में कैद रहने वाला देश नहीं रहा। ऑपरेशन सिंदूर ने यह साबित कर दिया है कि नई दिल्ली के पास न केवल निर्णायक सैन्य क्षमता है, बल्कि उसे इस्तेमाल करने का संकल्प भी है। यही संकल्प हमारे सेनाध्यक्ष और वायुसेना प्रमुख की वाणी में गूंजता दिखाई देता है।

सेनाध्यक्ष जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने राजस्थान के अनूपगढ़ मोर्चे से पाकिस्तान को दो-टूक चेतावनी दी कि अगर राज्य प्रायोजित आतंकवाद जारी रहा तो इस्लामाबाद को विश्व मानचित्र पर अपनी जगह पर पुनर्विचार करना होगा। यह बयान महज शब्दों का खेल नहीं, बल्कि उस भारत का प्रतिबिंब है जो अपने सैनिकों और नागरिकों पर हमले का जवाब चुपचाप सहन करने को अब तैयार नहीं।

देखा जाये तो ऑपरेशन सिंदूर के अनुभव ने भारत की रणनीति को और तेज़ कर दिया है। सेना प्रमुख ने साफ़ कहा कि पिछली बार दिखाया गया संयम अब नहीं दोहराया जाएगा। संदेश सीधा है– भारत अब अपनी रक्षा नहीं, बल्कि दुश्मन की आक्रामकता को जड़ से मिटाने की रणनीति अपनाएगा। सैनिकों को लगातार सतर्क रहने और पूरी तरह तैयार रहने का आदेश भी यही दिखाता है कि सीमा पार हर हरकत का जवाब अब उसी भाषा में मिलेगा। दूसरी ओर, वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल एपी सिंह ने पाकिस्तान की मनोरंजनक कहानियों को खारिज करते हुए स्पष्ट कर दिया कि ऑपरेशन सिंदूर में पाकिस्तान को भारी नुकसान उठाना पड़ा। एफ-16 और एफ-17 जैसे लड़ाकू विमानों, विशेष मिशन विमानों और महत्वपूर्ण एयरबेस को भारतीय हमलों ने तबाह कर दिया। 300 किलोमीटर से अधिक दूरी पर एस-400 द्वारा मार गिराया गया दुश्मन का विशेष विमान भारत की तकनीकी श्रेष्ठता का साक्षात प्रमाण है।

देखा जाये तो पाकिस्तान के लिए यह संदेश जितना गहरा है, उतना ही अंतरराष्ट्रीय बिरादरी के लिए भी स्पष्ट है। विश्व ने भारत के आत्मरक्षा के अधिकार को न केवल स्वीकार किया है बल्कि खुले तौर पर समर्थन भी किया है। यह वही वैश्विक माहौल है जिसने भारतीय नेतृत्व को और निर्भीक बना दिया है।

आज भारत का आत्मविश्वास केवल हथियारों की नोक पर नहीं, बल्कि नैतिक बल और सामरिक स्पष्टता पर टिका है। आतंकवाद को मिटाने का भारत का अधिकार अब विवाद का विषय नहीं रहा। सवाल सिर्फ यह है कि पाकिस्तान कब तक झूठ और इंकार की आड़ में अपनी नाकामियों को छिपाता रहेगा।

इतिहास गवाह है कि 1965 और 1971 के युद्धों में आम नागरिकों ने भी सैनिकों के साथ कंधे से कंधा मिलाया था। सेनाध्यक्ष ने उस परंपरा को याद दिलाकर साफ़ कर दिया है कि आने वाली जंग, अगर पाकिस्तान ने विवेक नहीं दिखाया, तो केवल सेनाओं की नहीं होगी, यह राष्ट्र की सामूहिक चेतना और सामर्थ्य की जंग होगी। देखा जाये तो आज भारतीय सेना और वायुसेना न केवल तकनीकी आधुनिकीकरण, बल्कि रणनीतिक सोच में भी नए युग में प्रवेश कर चुकी हैं। ड्रोन से लेकर मिसाइल डिफेंस तक, हर स्तर पर भारत की तैयारी यह बताती है कि दुश्मन की हर चाल का जवाब कहीं अधिक ताकतवर और घातक होगा।

पाकिस्तान को अब यह समझ लेना चाहिए कि भारत बदल चुका है। यह नया भारत संयम और प्रतीक्षा का नहीं, बल्कि निर्णायक कार्रवाई का प्रतीक है। और जब कोई राष्ट्र अपने सैनिकों, तकनीक और नैतिक बल–तीनों में इतना आत्मविश्वासी हो जाए, तो उसे रोकना असंभव हो जाता है। पाकिस्तान चाहे जितनी कहानियाँ सुनाए, सच्चाई यही है कि भारत अब न केवल तैयार है, बल्कि हर आक्रामकता का हिसाब लेने को तत्पर भी है।

मोटापे और कुपोषण से सीधे निपटनाः मिशन सक्षम आंगनवाड़ी और पोषण 2.0 रणनीति

//विनीत नारायण//

जहां एक तरफ़ औद्योगीकरण के नाम पर दो भर में अंधाधुंध जंगल काटे जा रहे हैं, वहीं ऐसे प्रयास बहुत सराहनीय हैं जो हरित क्षेत्र को बढ़ाने की दिशा में किए गए हैं। पिछले हफ्ते मैं पहली बार पश्चिमी उत्तर प्रदेश के इटावा नगर के बाहर स्थित लायन सफारी' देखने गया। इत्तेफाक ही है कि दो महीने पहले ही मैंने अफ्रीका के केन्या में स्थित मसाई मारा वन्य अभयारण्य' का दौरा किया था। करीब 1.5 लाख हेक्टेयर में फैला सवाना ग्रासलैंड' हजारों तरह के वन्य जीवों के मुक्त विचरण के कारण विप्रसिद्ध है। वहां मैंने एक खुली जीप में बैठ कर 3 मीटर दूर बैठे बब्बर शेर और शेरनियों को देखने का रोमांचकारी अनुभव हासिल किया। मुझे नहीं पता था कि उत्तर प्रदेश में भी एक विशाल सरकारी पार्क है, जहां बब्बर शेर और शेरनियां और तमाम दूसरे ड्क्षहसक पशु खुलेआम विचरण करते हैं। शायद आपने भी कभी इटावा के लायन सफारी' का नाम नहीं सुना होगा।

2018 में, माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जीके दूरदर्शी नेतृत्व में, भारत के पोषण परिदृश्य को रूपांतरित करने के लिए एक प्रमुख योजना के रूप में पोषण अभियान शुरू किया गया था। महिलाओं और बच्चों के पोषण एवं कल्याण पर केंद्रित यह मिशन, भारत की कुपोषण के विरुद्ध लड़ाई में एक निर्णायक मोड़ साबित हुआ है।यह केवल एक योजना नहीं, बल्कि एक विकासशील भारत के निर्माण हेतु प्रतिबद्धता है- एक ऐसा भारत जो स्वस्थ, सशक्त और समावेशी हो।'विकसित भारत 2047' की यात्रा में पोषण अभियान एक प्रमुख स्तंभ बनकर उभरा है। महिला एवं बाल विकास मंत्रालय इस लक्ष्य की प्राप्ति हेतु संकल्पित है- एक ऐसा भारत जहाँ हर बच्चा सुपोषित हो, हर माँ सशक्त हो, और हर नागरिक को आगे बढ़ने का अवसर मिले।

जब एक बच्चा सही पोषण पाता है, अच्छीतरह सीखता है और मजबूती से बढ़ता है- तो हम केवल एक जीवन नहीं, बल्कि सम्पूर्णराष्ट्र की दिशा बदलते हैं। बच्चों को पर्याप्त पोषण, शिक्षा और सामुदायिक देखभाल प्रदान करके हम एक सुरक्षित और समृद्ध भविष्य में निवेश कर रहे हैं- विकसित भारत के भावी नेतृत्व को आकार दे रहे हैं। एक स्वस्थ बच्चा केवल लाभार्थी नहीं, बल्कि भारत के उज्ज्वल भविष्य की चिंगारी है। मिशन सक्षम आंगनवाड़ी और पोषण2.0 के माध्यम से मंत्रालय बच्चों, किशोरियों, गर्भवती महिलाओं और धात्री माताओं के पोषण परिणामों को बेहतर बनाने हेतु एक समन्वित तंत्र विकसित कर रहा है। इस अभियान का केंद्र है, देशभर में फैले 14 लाख आंगनवाड़ी केंद्रों का विशाल नेटवर्क, जो लगभग 10 करोड़ लाभार्थियों को सेवा प्रदान कर रहा है। यद्यपि इसमें 1 करोड़ से अधिक महिलाएँ और 23 लाख से अधिक किशोरियाँ शामिल हैं, लेकिन लाभार्थियों में से अधिकांश 6 महीने से 6 वर्ष की आयु के बच्चे हैं।

महिला एवं बाल विकास मंत्रालय 'एक समय पर एक भोजन' के सिद्धांत पर कार्य करते हुए 8 करोड़ से अधिक बच्चों के स्वास्थ्य और पोषण के ज़रिए, भविष्य को पोषित कर रहा है। इस प्रयास का मूल है- पूरक पोषण कार्यक्रम, जिसके अंतर्गत बच्चों को गर्म पका हुआ भोजन और सभी लाभार्थियों को पौष्टिक टेक होम राशन प्रदान किया जाता है, जिसका उद्देश्य अनुशंसित आहार भत्ता (आरडीए) और औसत दैनिक सेवन (एडीआई) के बीच के महत्वपूर्ण अंतर को पाटना है। हम विविध आहार को अपनाते हुए स्थानीय, मौसमी और पारंपरिक खाद्य पदार्थों जैसे श्री अन्न- जैसे ज्वार, बाजरा, रागी, कुट्टू आदि को बढ़ावादेकर- हम यह सुनिश्चित करने का प्रयास कर रहे हैं कि प्रत्येक बच्चे को सीखने, बढ़ने और फलने-फूलने के लिए आवश्यक ऊर्जा मिले।

जहाँ हमने बच्चों में स्टंटिंग और वेस्टिंग की समस्याओं सेनिपटने में प्रगति की है, वहीं अब हम एक अन्य महत्वपूर्ण पोषण संकेतक- अधिक वजन और मोटापे की समस्या को भी दूर करने की दिशा में अग्रसर हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, बचपन में मोटापा बच्चों के वयस्क होने पर उनके लिए गंभीर परिणाम उत्पन्न कर सकता है, जिससे टाइप-2 मधुमेह और उच्च रक्तचाप जैसी गैर-संचारी बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। मोटापे और अधिक वजन के मनोवैज्ञानिक परिणाम भी हो सकते हैं, जो स्कूल के प्रदर्शन और जीवन की गुणवत्ता को प्रभावित करते हैं, और बढ़ते भेदभाव और कलंक के कारण यह स्थिति और भी बदतर हो जाती है। यूनिवर्सिटी ऑफ़ सदर्न कैलिफ़ोर्निया द्वारा यूनिवर्सिटी ऑफ़ कैलिफ़ोर्निया बर्कले और मैकगिल के सहयोग से किए गए एक अध्ययन में पाया गया कि जिन बच्चों को गर्भावस्था के दौरान गर्भ में रहते हुए भी, अपने पहले 1,000 दिनों के दौरान चीनी सेवन पर नियंत्रण लगाया गया, उनमें वयस्क होने पर टाइप 2 मधुमेह होने का जोखिम 35 प्रतिशत तक कम और उच्च रक्तचाप होने का जोखिम 20 प्रतिशत तक कम हो गया। यह दर्शाता है कि गर्भवती माँ का चीनी सेवन भी बच्चों के दीर्घकालिक स्वास्थ्य पर प्रभाव डालता है। इस समस्या के समाधान और पूरक पोषण की समग्र गुणवत्ता में सुधार के लिए, मंत्रालय ने हाल ही में राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को पूरक पोषण की संरचना के संबंध में एक परामर्श जारी किया है। यह विश्व स्वास्थ्य संगठन और राष्ट्रीय पोषण संस्थान की सिफारिशों के अनुरूप है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के दिशानिर्देशों के अनुसार, वयस्कों और बच्चों, दोनों के लिए चीनी का सेवन कुल दैनिक ऊर्जा सेवन के 10 प्रतिशत तक कम किया जाना चाहिए। WHO दैनिक ऊर्जा सेवन में अधिमुक्त शर्करा की मात्रा को और घटाकर 5 प्रतिशत करने की सिफारिश की गई है। राष्ट्रीय पोषण संस्थान NIN की 2024 के आहार दिशानिर्देशों के अनुसार, 2 वर्ष से कम उम्र के बच्चों को कोई अतिरिक्त चीनी नहीं दी जानी चाहिए और गर्भवती महिलाओं सहितसभी आयु व जेंडर समूहोंके लिए चीनी का सेवन 5 प्रतिशतसे कम होना चाहिए। अधिमुक्त शर्करा बच्चों में दंत क्षय और दांतों की सड़न- का एक प्रमुख कारण भी है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, यहदंत क्षय(कैविटी)कोबढ़ाने में एक आवश्यकआहार कारक है। चीनी सेवन को सीमित करने से बच्चों में दांतों की सड़न और क्षय को कम किया जा सकता है। हमारेमंत्रालय ने राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को परामर्श दिया है कि परिष्कृत चीनी का उपयोग सीमित किया जाए, ज़रूरत पड़ने पर गुड़ या अन्य प्राकृतिक मिठास का इस्तेमाल करें, और इसे कुल ऊर्जा सेवन के 5 प्रतिशत से कम तक सीमित रखें। हमने अनुरोध किया है कि पूरक पोषण में नमक का इस्तेमाल कम से कम किया जाए। हम राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से सुबह के नाश्ते और स्वास्थ्यवर्धक आहार में मिठास वाले व्यंजनों की संख्या भी घटाने का आग्रह किया गया है। हम राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को ऐसे THR व्यंजन विकसित करने के लिए प्रोत्साहित कर रहे हैं जिनमें अतिरिक्त नमक और चीनी न हो, जिससे लाभार्थी अपनी व्यक्तिगत पसंद के अनुसार स्वाद बदल सकें। सभी आयु समूहों में वसा, नमक और चीनी की अधिकता वाले खाद्य पदार्थों के उपयोग को भी हतोत्साहित किया गया है। खाद्य गुणवत्ता में सुधार के लिए हमने राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों से आग्रह किया है कि सामग्री को खाद्य सुरक्षा और मानक विनियम 2011 का पालन करना चाहिए और शिशु आहार खाद्य सुरक्षा और मानक (शिशु पोषण हेतु खाद्य) विनियम, 2020 का पालन करना चाहिए।अतिरिक्त चीनी को 'ना' कहकर, भारत मोटापे, उच्च रक्तचाप व मधुमेह जैसी रोकथाम योग्य बीमारियों से मुक्त भविष्य के लिए 'हाँ' कह रहा है। जहाँ पारंपरिक खाद्य पदार्थ बाज़ार में लोकप्रिय हो रहे हैं, वहीं मंत्रालय पहले से ही 'पुष्टाहार'- स्थानीय, मौसमी सामग्री और अनाज जैसे रागी, बाजरा, टुकड़ा गेहूँ, चनाऔर फोर्टिफाइड चावल से बने पौष्टिक प्रीमिक्स प्रदान कर रहा है। ये मिश्रण- स्वाद और पोषण दोनों में समृद्ध हैं, जिन्हें स्थानीय स्वादानुसार मीठे या नमकीन रूप में तैयार किया जा सकता है। पुष्टाहार, दुकानों से खरीदे जाने वाले मिश्रणों का एक स्वास्थ्यवर्धक और अधिक बहुमुखी विकल्प है, जो स्थानीय, मौसमी स्वाद और संपूर्ण पोषण प्रदान करता है।

जैसे-जैसे हम अपने नागरिकों को पर्याप्त कैलोरी प्रदान करके सुपोषित भारत की ओर बढ़ रहे हैं, यह भी महत्वपूर्ण है कि हमारे बच्चों और महिलाओं को जो भोजन दिया जा रहा है,उसकी गुणवत्ता पर ध्यान दें। यह आवश्यक है कि हम अपने बच्चों, जो हमारे देश का भविष्य हैं, को जो भोजन प्रदान करते हैं, वह उनके समग्र विकास और स्वास्थ्य के लिए उपयुक्त होना चाहिए। हमारेमाननीय प्रधानमंत्री जी ने कहा है, अपने खान-पान की आदतों में छोटे-छोटे बदलाव करके हम अपने भविष्य को अधिक मजबूत, स्वस्थ और रोग-मुक्त बना सकते हैं। इस अमृत काल में, हमारे बच्चों को पौष्टिक भोजन और पर्याप्त कैलोरी उपलब्ध होनी चाहिए। इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि उनके लिए भोजन न केवल पर्याप्त होना चाहिए, बल्कि पौष्टिक भी होना चाहिए, जो उनके समग्र विकास और वृद्धि में योगदान दे।

तस्वीरों की दुनिया

केंद्रीय गृह मामलों और सहकारिता मंत्री, श्री अमित शाह श्यामाप्रसाद मुखर्जी स्टेडियम, बम्बोलिम, गोवा में गोवा सरकार की 'महाजे घर योजना' और विभिन्न विकास परियोजनाओं का उद्धाटन और शिलान्यास करते हुए।

भारतीय तटरक्षक जहाज (आईसीजीएस) अक्षर को पुदुचेरी के कराईकल में औपचारिक रूप से कमीशन किया गया। यह आठ अदम्य-श्रेणी के तीव्र गश्ती पोतों (एफपीवी) की श्रृंखला में दूसरा जहाज है।

भारतीय तटरक्षक जहाज (आईसीजीएस) अक्षर को पुदुचेरी के कराईकल में औपचारिक रूप से कमीशन किया गया। यह आठ अदम्य-श्रेणी के तीव्र गश्ती पोतों (एफपीवी) की श्रृंखला में दूसरा जहाज है।

मणिपुर और नागालैंड के राज्यपाल, श्री अजय कुमार भल्ला ने नई दिल्ली में उपराष्ट्रपति एन्क्लेव में भारत के उपराष्ट्रपति श्री सी. पी. राधाकृष्णन से मुलाकात की।

शटडाउन से बेपरवाह ट्रंप नौसेना की 250वीं वर्षगांठ में हुए शामिल

वर्जीनिया। अमेरिका में शटडाउन के बीच राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप ने रविवार को वर्जीनिया के नोरफोक में नौसेना की 250वीं वर्षगांठ के जश्न में हिस्सा लिया।उन्होंने ट्रुथ सोशल पर लिखा कि मेरा मानना है कि कार्यक्रम जारी रहने चाहिए। ये नौसेना के इतिहास का सबसे बड़ा जश्न है। बुधवार से शुरू हुए शटडाउन की वजह से राजनीतिक आरोपों-प्रत्यारोपों का दौर चल रहा है। सैन्य कर्मी बिना वेतन काम कर रहे हैं, कई हजार संघीय कर्मचारी छुट्टी पर हैं और न्यूयार्क और शिकागो जैसे डेमोक्रेट-प्रशासित क्षेत्रों में प्रमुख बुनियादी ढांचे और ऊर्जा परियोजनाएं रोक दी गई हैं। ट्रंप ने अपनी पोस्ट में शटडाउन के लिए डेमोक्रेट्स को जिम्मेदार ठहराया है। सीनेट के डेमोक्रेट सदस्यों ने बुधवार को नए बजट वर्ष की शुरुआत पर सरकार की गतिविधि को कायम रखने के प्रयासों को अस्वीकार कर दिया था।वे 2010 में शुरू हुए अफोर्डेबल केयर एक्ट के तहत स्वास्थ्य बीमा लेनेवाले लोगों के लिए सब्सिडी बढ़ाने की मांग कर रहे हैं, क्योंकि स्वास्थ्य देखरेख महंगा हो चुका है।

कानपुर में खाकी की दबंगई, छात्र को किदवई नगर चौकी इंचार्ज ने बेरहमी से पीटा

कानपुर, 06 अक्टूबर [एजेंसी]।

कानपुर में खाकी की दबंगई सामने आई है। छात्र को चौकी इंचार्ज ने लात मारी और उसे बेरहमी से पीटा। लगातार थप्पड़ मारता रहा। उसका कसूर सिर्फ इतना था कि उसने ओवरस्पीड में पकड़े जाने के बाद पिटाई का नियम न होने की बात कह दी। यह बात चौकी इंचार्ज को नागवार गुजरी और वर्दी की रौब में खुद ही बेरहमी से इंसाफ करते दिखे। इसका वीडियो इंटरनेट मीडिया पर वायरल हो गया। हालांकि कानपुर में पुलिस की दबंगई का यह कोई पहला मामला नहीं है।किदवई नगर में ओवर स्पीड के आरोप में पकड़े गए छात्र के मारपीट न करने का नियम बताने पर भड़के चौकी प्रभारी ने थप्पड़ों की बौछार करते हुए उसे लातें भी मारी। इतना दुरुस्त कर देने की धमकी देने का वीडियो बनाकर उसके एक साथी ने इंटरनेट मीडिया पर वीडियो भी प्रचलित कर दिया, जिसे संज्ञान में लेकर डीसीपी दक्षिण दीपेंद्र नाथ चौधरी ने दारोगा को लाइन हाजिर कर दिया है। नारामऊ, बिठूर निवासी अक्षय प्रताप सिंह रविवार दोपहर बीटेक कर रहे शिवराजपुर निवासी दोस्त अभिषेक दुबे के साथ किदवई नगर में किसी काम से आया था। गौशाला चौराहे पर चेकिंग कर रहे किदवई नगर चौकी इंचार्ज अमित विक्रम त्रिपाठी ने रुकने का इशारा किया, लेकिन अक्षय ने बाइक बढ़ा दी। इसपर पुलिस कर्मियों ने शिवराम पेट्रोल पंप के पास उन्हें दौड़ाकर पकड़ लिया। इसके बाद दोनों को पकड़कर चौकी पर ले आए।चौकी प्रभारी ने अक्षय की कालर पकड़कर घसीटने लगे तो उसने विरोध करते हुए कहा कि आप घसीट नहीं सकते। बस उसके इतना कहते ही चौकी प्रभारी आपा खो बैठे और उस पर थप्पड़ों की बौछार कर दी। इसके बाद उसे लात भी जड़ दी, जिससे वह कराहा उठा। इसके बाद अक्षत के सरजी यह ठीक नहीं किया कहते ही चौकी प्रभारी और भड़क गए। मारपीट करते हुए उसे दुरुस्त करने की धमकी भी दे डाली। इस दौरान साथी अभिषेक ने वीडियो बनाकर इंटरनेट पर प्रचलित कर दिया। डीसीपी साउथ दीपेंद्र नाथ चौधरी ने बताया कि चौकी इंजार्च को लाइन हाजिर कर दिया गया है।

मामले की जांच एसीपी बाबूपुरवा को सौंपी गई है।किदवई नगर चौकी प्रभारी रहे प्रभास शर्मा ने सचेंडी के एक परचून दुकान को अगवाकर तीन लाख रुपये की रंगदारी मांगी थी। मामले में एसीपी पनकी की जांच के बाद आरोपित दारोगा और उसके साथियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया। इसके बाद से दारोगा फरार चल रहा है। जूही आटो चालक का बीच सड़क सवारियां भरने से रोकने पर ट्रैफिक सिपाही से विवाद हो गया था। चालक यूट्यूबर का आटो बताकर सिपाही को धमकाया तो टीएसआई अवधेश कुमार राय ने उसका गला दबाते हुए पीट दिया था। नौबस्ता बाइपास पर तीन सवारी में कार्रवाई करने के बजाय ट्रैफिक सिपाही का अभद्रता करते हुए वीडियो इंटरनेट पर प्रचलित हुआ था। हालांकि आरोपित सिपाही के खिलाफ कोई भी कार्रवाई नहीं हुई।

मैं तो अपने साजन के द्वार चली रे...
पालकी में सवार पूर्व कलेक्टर संस्कृति जैन और बेटियों की ऐसे हुई विदाई

भोपाल, 06 अक्टूबर [एजेंसी]।

जबलपुर रोड स्थित लूघरवाड़ा के निजी लॉन में आयोजित विदाई समारोह में पूर्व कलेक्टर संस्कृति जैन को पालकी में दोनों बेटियों के साथ बैठाकर कर्मचारियों ने वाहन तक पहुंचाकर विदाई दी।हाल ही में राज्य सरकार ने सिवनी कलेक्टर संस्कृति जैन का ट्रांसफर भोपाल किया है, जिसके चलते 3 अक्टूबर को विदाई समारोह व नवागत कलेक्टर के आगमन का कार्यक्रम रखा गया था। विदाई समारोह के बाद जब कलेक्टर संस्कृति जैन भोपाल जाने लगी तो उत्साहित कर्मचारियों उन्हें पालकी में बिठाकर अपने कंधों पर उठा लिया।इस दौरान पूर्व कलेक्टर के सम्मान में कर्मचारियों की अलग ही तस्वीर देखने को मिली। कलेक्टर के साथ उनकी दोनों बेटियां ध्वनि व तरंग जैन भी पालकी में बैठी। पूर्व कलेक्टर जैन के हंस मुख व सरल स्वभाव से सभी कर्मचारी प्रभावित थे। कर्मचारियों के अनुसार आवश्यकता पड़ने पर पूर्व कलेक्टर जैन आगे बढ़कर विभागीय अमले का नेतृत्व करती थी, गलतियों के बारे में बताती थी। वहीं जिले के सरकारी स्कूलों की दिशा व दशा सुधारने कलेक्टर जैन द्वारा प्रारंभ किए गए गिफ्ट ए डेस्क अभियान को काफी लोकप्रियता मिली, जिसे सभी वर्गो ने काफी सराहा। इस अभियान में दानदाताओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। विदाई के दौरान गाना बज रहा था... पालकी में होके सवार चली रे, मैं तो अपने साजन के द्वार चली रे। इस गाने ने माहौल को और भावपूर्ण बना दिया। पूर्व कलेक्टर संस्कृति जैन ने नगर पालिक निगम भोपाल आयुक्त का प्रभार संभाल लिया है।

कोना-कोना तोड़ा गया... दूसरे दिन भी चला नफीस की संपत्ति पर बुलडोजर, अब इन लोगों के घर हो सकता है एक्शन

बरेली, 06 अक्टूबर [एजेंसी]।

शहर में उपद्रव करने वाले मौलाना तौकीर के करीबी नफीस के अवैध रजा पैलेस के बचे हुए हिस्से पर रविवार को भी बुलडोजर गरजा। सुबह दस से शाम चार बजे तक दो बुलडोजर के साथ 40 से अधिक कर्मचारी ने गैस कटर और घन-हथौड़ा चलाकर कोना-कोना तोड़कर पूरी बिल्डिंग जमींदोज कर दिया।रजा पैलेस के ध्वस्त होने के बाद अब माना जा रहा है कि प्रशासन किला क्षेत्र में ही उसके अन्य होटल-बरातघरों पर भी बुलडोजर कार्रवाई कर सकता है। बीते शुक्रवार को रोक के बाद भी प्रदर्शन के नाम पर उपद्रव करने वाले मौलाना तौकीर और उसके करीबियों पर प्रशासन की ओर से कार्रवाई शनिवार के बाद रविवार को भी जारी रहा। जखीरा स्थित नफीस के अवैध रजा पैलेस के छूटे हुए 15 प्रतिशत हिस्से को भी पूरी तरह तोड़कर जमींदोज कर दिया गया।

इस दौरान दो बुलडोजर के साथ 40 कर्मचारी सिर्फ घन और हथौड़े चलाने में जुटे रहे। इस दौरान शनिवार की तरह रविवार को भी भारी पुलिसबल तैनात किए गए थे। अधिकारियों के अनुसार पैलेस से सटे हुए घरों के स्वामियों द्वारा भवन को नुकसान नहीं पहुंचे इसके लिए कामगारों को लगाकर कार्रवाई की गई। इससे कार्रवाई दूसरे दिन तक खिंच गई। हालांकि प्रशासन की कार्रवाई का आसपास के लोग पूरी तरह समर्थन करते नजर आए।

इसके पीछे मौलाना और उसके गुर्गे नफीस द्वारा आमजन में बनाए गए डर को भी कारण माना जा रहा है।शहर में मौलाना तौकीर के करीबी नफीस के रजा पैलेस को ध्वस्त करने के बाद अब उसके अन्य अवैध संपत्तियों को चिह्नित किया जा रहा है। साथ ही नदीम समेत अन्य उपद्रवियों की भी कुंडली तैयार कर ली गई है। माना जा रहा है कि उपद्रवियों के अवैध निर्माण पर सोमवार को भी बड़ी कार्रवाई की जा सकती है। इसके लिए अधिकारी देर रात तक अपनी तैयारियों को अंतिम रुप देने में जुटे रहे।

झारखंड कांग्रेस में नई टीम के गठन पर विवाद: नए जिलाध्यक्षों को बताया गया बाहरी, चयन प्रक्रिया पर उठे सवाल

रांची। झारखंड के जिलों में कांग्रेस की नई टीम ने कमान संभाल लिया है। इसके साथ ही विरोधी गुट भी सक्रिय हो गया है और कोडरमा में इसका प्रमाण प्रेस कान्फ्रेंस करते हुए कांग्रेसियों के माध्यम से मिला। बयान जारी कर पुरानी टीम ने नवनियुक्त जिलाध्यक्ष को बाहरी करार दिया है तो चयन की प्रक्रिया पर भी सवाल उठाया है। दूसरी ओर, नई टीम ने विरोध करनेवालों को स्लीपर सेल का तमगा देते हुए कहा है कि ऐसे लोगों के कारण ही कांग्रेस का पूरे देश में खराब हाल हो गया है। इस तरह की बातें प्रदेश के कई क्षेत्रों से सामने आ रही है। दरअसल, झारखंड में कांग्रेस ने जिला अध्यक्षों को बदला है। इसके लिए निर्धारित मानकों को नजरअंदाज करते हुए नई टीम के गठन के आरोप लग रहे हैं। कोडरमा की कुछ ऐसी ही कहानी है। केंद्रीय नेतृत्व से लेकर प्रदेश कांग्रेस प्रभारी तक ने प्रेस के सामने बयान दिया था कि जिलाध्यक्ष के तौर पर उन्हीं लोगों का चयन होगा, जिन्होंने वर्षों तक कांग्रेस में पूरी निष्ठा से काम किया है। कोडरमा में हाल में ही पार्टी में शामिल हुए वामपंथी नेता को जिला अध्यक्ष बनाया गया है। इसके खिलाफ पुराने कांग्रेसियों में बैठक की और बयान भी जारी किए।निवर्तमान जिला अध्यक्ष भागीरथ पासवान ने इस बैठक के संदर्भ में बताया कि हम लोग आपस में बैठक कर रहे थे। कुछ लोगों ने नए जिला अध्यक्ष के चयन के खिलाफ बातें कही हैं, लेकिन यह पार्टी का अधिकृत बयान नहीं है। सूत्रों के अनुसार इस तरह की गतिविधियां अन्य जिलों में भी चल रही हैं।

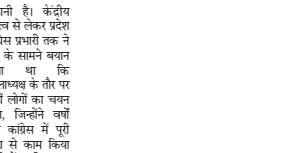

अयोध्या में अधिवक्ता को गोली मारने के मामले में दो सगे भाइयों सहित चार लोग गिरफ्तार

अयोध्या, 06 अक्टूबर [एजेंसी]।

अधिवक्ता आलोक सिंह पर हुए जानलेवा हमले में दो सगे भाइयों सहित चार लोगों को गिरफ्तार कर लिया गया है। पकड़े गए लोगों में लवकुशनगर निवासी मोहित पांडेय उसका भाई धर्मवीर तथा साथी सूरज एवं अताउल्ला शामिल हैं। कार्रवाई की पुष्टि कोतवाल अयोध्या मनोज शर्मा ने की है।गत दो अक्टूबर की शाम अयोध्याधाम में रामघाट के पास अधिवक्ता आलोक सिंह को लवकुश नगर निवासी मोहित पांडेय ने गोली मारी थी। हमले के बाद लोगों ने मोहित को पकड़ कर उसकी पिटाई कर दी थी। आलोक का लखनऊ के एक निजी अस्पताल में उपचार चल रहा है। मोहित के भाई धर्मवीर ने कुछ माह पहले आलोक सिंह पर प्राथमिकी दर्ज कराई थी, जिसमें आलोक पर हमला करने का आरोप लगाया था। इसके बाद आलोक ने न्यायालय से धर्मवीर पर प्राथमिकी दर्ज कराई थी। आलोक के भाई बृजेश की ओर से दर्ज कराई गई प्राथमिकी में मोहित और उसके भाई धर्मवीर, धीरज व उनके सहयोगी सूरज निषाद व अज्ञात पर हमले का आरोप लगाया गया है। इस हमले की साजिश रचने का आरोपी अनूप गुप्ता को बताया गया है।रविवार को मोहित और उसके भाई धर्मवीर, धीरज व उनके सहयोगी सूरज निषाद तथा अताउल्ला को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया।

माउंट एवरेस्ट के पूर्वी तिब्बती हिस्से में फंसे सैकड़ों चीनी पर्यटक, नेशनल डे पर मना रहे थे छुट्टी

तिब्बत, 06 अक्टूबर [एजेंसी]।

तिब्बत में माउंट एवरेस्ट के पूर्वी हिस्से में ट्रेकिंग कर रहे सैकड़ों लोगों को बर्फीले तूफान से निकालकर सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है। चीन के सरकारी मीडिया ने बताया कि ट्रेकिंग दल हिमालय में असामान्य रूप से हुई बारिश में फंस गया था। 350 लोगों को क्वादांग शहर पहुंचा दिया गया है, जबकि 200 से अधिक ट्रेकर्स से संपर्क का प्रयास किया जा रहा है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक प्रभावित इलाके में एक हजार से ज्यादा लोगों के फंसे होने का अनुमान है। घटना के बाद से एवरेस्ट के आसपास के पर्यटक स्थलों के लिए टिकट बिक्री पर तत्काल प्रभाव से रोक लगा दी गई है। बताया गया कि चीन में राष्ट्रीय दिवस के उपलक्ष्य में आठ दिनों की छुट्टियां चल रही हैं।

इसके चलते बड़ी संख्या में लोग रोमांचकारी गतिविधियों में हिस्सा लेने के लिए कर्मा घाटी पहुंचे थे। ये घाटी एवरेस्ट के पूर्वी हिस्से में स्थित कांगशुंग में स्थित है। ये घाटी समुद्र तल से 4200 मीटर (13779 फीट) की ऊंचाई पर स्थित है। घाटी में शुक्रवार शाम से ही बर्फबारी हो रही थी।चीनी मीडिया के मुताबिक सैकड़ों ग्रामीणों और बचाव दल को आपदा में फंसे लोगों को निकालने के लिए लगाया गया है। ये लोग रास्ते से बर्फ भी हटा रहे हैं। अभी ये साफ नहीं हो सका है कि इस घटना के लिए स्थानीय गाइड जिम्मेदार हैं कि नहीं। मामले की जांच की जा रही है। माउंट एवरेस्ट के उत्तरी हिस्से में भी पता लगाया जा रहा है कि वहां आनेवाले पर्यटक बारिश या बर्फबारी से प्रभावित हुए हैं या नहीं।

भारत और ब्रिटेन ने हिंद महासागर में बड़ा युद्धाभ्यास शुरू किया संबंधों को ऐसे मिलेगी मजबूती

नई दिल्ली। भारत और ब्रिटेन की नौसेनाएं संबंधों को और मजबूती देने की ओर अग्रसर हैं। हिंद महासागर में आठ दिवसीय बड़ा युद्धाभ्यास शुरू किया गया है। एचएमएस प्रिंस ऑफ वेल्स विमानवाहक पोत के नेतृत्व में ब्रिटेन के कैरियर स्ट्राइक ग्रुप (सीएसजी) को कोंकण अभ्यास के लिए तैनात किया गया है।भारतीय नौसेना ने कहा कि यह अभ्यास सुरक्षित और नौवहन स्वतंत्रता सुनिश्चित करने की साझा प्रतिबद्धता की पुष्टि करता है और भारत-ब्रिटेन विजन 2035 में उल्लिखित व्यापक रणनीतिक साझेदारी का उदाहरण प्रस्तुत करेगा।अभ्यास का उद्देश्य ब्रिटेन और भारतीय नौसेनाओं के बीच संयुक्त समुद्री और हवाई क्षमताओं को बढ़ाना भी है। भारत में ब्रिटिश उच्चायुक्त लिंडी कैमरून ने कहा, ब्रिटेन और भारत एक ऐसे हिंद-प्रशांत क्षेत्र में विश्वास करते हैं जो स्वतंत्र और खुला हो। हम एक आधुनिक रक्षा और सुरक्षा साझेदारी की महत्वाकांक्षा रखते हैं, जो ब्रिटेन-भारत विजन 2035 का एक मूलभूत स्तंभ है, जिस पर इस वर्ष हमारे प्रधानमंत्रियों ने सहमति व्यक्त की है। उन्होंने कहा, हमारे दोनों नौसेनाओं के कैरियर स्ट्राइक ग्रुप्स के बीच की गतिविधियां इस क्षेत्र में नियम-आधारित अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था बनाए रखने के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाती हैं तथा भविष्य के सहयोग के लिए आधार तैयार करती हैं।

गाजियाबाद में अगले दो दिनों तक बादल छाए रहने की उम्मीद
तापमान में गिरावट का पर्वानुमान

गाजियाबाद। हफ्तेभर आसमान में मंडराते बादलों की वजह से गर्मी से राहत रही थी, लेकिन रविवार को दिनभर तेज धूप निकली तो गर्मी महसूस हुई। मौसम विभाग का अनुमान है कि अगले दो दिन आसमान में बादल मंडराते रहने की वजह से गर्मी से हल्की राहत रह सकती है। हफ्तेभर पहले हुई वर्षा के बाद से एक दिन पहले तक आसमान में बादल मंडराते रहने से गर्मी से राहत रही थी। शनिवार को सुबह से शाम तक कुछ देर के लिए ही आसमान में बादल मंडराते रहे थे। ज्यादातर समय पूरे दिन धूप ही रही थी। जिससे दिन में हल्की गर्मी महसूस हुई थी। वैसा ही मौसम रविवार को भी रहा।सुबह सवेरे से ही तेज धूप रहने के बाद दिन में कुछ देर के लिए आसमान में बादल मंडराते रहे थे। पूरे दिन तेज धूप रहने से हल्की गर्मी महसूस हुई। न्यूनतम तापमान 23 डिग्री सेल्सियस और अधिकतम तापमान 34 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। हवा अधिकतम छह किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चली। वातावरण में आर्द्रता 74 प्रतिशत दर्ज की गई। मौसम विभाग का अनुमान है कि अगले दो दिन आसमान में बादल मंडराते रहेंगे। जिससे गर्मी से राहत के आसार हैं। सोमवार को न्यूनतम तापमान 23 डिग्री और अधिकतम तापमान 28 डिग्री सेल्सियस रह सकता है। हवा अधिकतम 11 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चलेगी। वातावरण में आर्द्रता 83 प्रतिशत रह सकती है।

बेटी का एमबीबीएस में एडमिशन कराके लौट रहे थे घर, ट्रेन में हुआ कुछ ऐसा कि चली गई जान

अलीगढ़, 06 अक्टूबर [एजेंसी]।

स्टेशन पर गोमती एक्सप्रेस से गिरकर एक यात्री की मृत्यु हो गई। वह गोरखपुर में बेटी का एमबीबीएस में एडमीशन कराकर वापस आ रहे थे। लखनऊ से वह ट्रेन में सवार हुए थे। स्टेशन पर उतरते समय प्लेटफार्म व ट्रेन के बीच में गिर गए। इससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें जेएन मेडिकल कालेज में भर्ती कराया गया, लेकिन वहां पर उन्हें वेंटीलेटर नहीं मिला। स्वजन मेडिकल से वरुण हास्पीटल ले गए। यहां उपचार के दौरान मृत्यु हो गई। आईटीआई रोड के किशनपाल अपनी बेटी विधि शर्मा का गोरखपुर में एमबीबीएस प्रवेश कराने गए थे। प्रवेश प्रक्रिया पूरी कराने के बाद वह शनिवार देर रात लखनऊ स्थित चारबाग स्टेशन पर आ गए थे। आरक्षित टिकट नहीं मिलने पर वह रविवार की सुबह गोमती एक्सप्रेस के जनरल कोच में सामान्य टिकट लेकर पिता-पुत्री सवार हो गए।अलीगढ़ जंक्शन के प्लेटफार्म संख्या चार पर गोमती एक्सप्रेस दोपहर करीब 12.15 बजे पहुंची। ट्रेन में भीड़ के चलते पुत्री विधि शर्मा पहले उतर गई, लेकिन किशनपाल नहीं उतर पाए। तभी ट्रेन चल दी। चलती ट्रेन में उतरने के दौरान किशनपाल ट्रेन व प्लेटफार्म के बीच में गिर गए। तभी यात्रियों ने चेन पुलिंग करके ट्रेन को रोक दिया। यात्रियों ने बमुश्किल रेलवे ट्रेक पर गिरे यात्री को प्लेटफार्म पर लेटा दिया। स्टेशन अधीक्षक कार्यालय से स्ट्रेचर लाने में आरपीएफ को करीब 10 मिनट लग गए। घायल अवस्था में बेटी विधि अन्य लोगों की मदद से उपचार के लिए जेएन मेडिकल कालेज ले गई। पुत्री ने बताया कि पिता किशनलाल के सिर व हाथ में चोटें आई थीं।गंभीर हालत में भी मेडिकल में वेंटीलेटर नहीं मिला। मजबूरन क्वार्सी स्थित वरुण हास्पीटल में भर्ती कराया गया। यहां उपचार के दौरान शाम को यात्री किशनलाल की मृत्यु हो गई। मृतक किशनपाल के परिवार पत्नी प्रेमकला व पुत्री प्रियंका व विधि हैं। बड़ी पुत्री प्रियंका का विवाह हो चुका है। छोटी पुत्री विधि हैं। किशनपाल कृषि विभाग से सेवानिवृत्त हो गए थे।

भारत-चीन के बीच सीधी फ्लाइट 26 अक्टूबर से, तीन गुना बढ़ सकते हैं यात्री, किसे होगा सबसे ज्यादा फायदा

नईदिल्ली, 06 अक्टूबर [एजेंसी]।

भारत और चीन के बीच सीधी हवाई सेवा पांच साल बाद फिर से शुरू होने जा रही है। यह बड़ी शुरुआत इंडिगो एयरलाइंस करेगी, जो 26 अक्टूबर 2025 से कोलकाता-ग्वांगझू सीधी उड़ान शुरू करने वाली है। इस उड़ान से यात्रियों को साधा सफर मिलेगा और समय पर खर्च दोनों की बचत होगी। इंडिगो की पहली सीधी उड़ान कोलकाता से 26 अक्टूबर की रात 10 बजे रवाना होगी और सुबह 4 बजे ग्वांगझू पहुंचेगी। टिकट की कीमत 15 हजार रुपये रखी गई है। एयर इंडिया भी जल्द ही दिल्ली-शंघाई सर्विस शुरू करने पर काम कर रही है।इंडिगो के CEO पीटर एल्बर्स ने कहा कि यह कदम उनके ग्लोबल ग्रोथ प्लान का हिस्सा है और कंपनी भविष्य में चीन के और भी शहरों तक उड़ानों को शुरू करने पर विचार कर रही है। इस एलान के बाद इंडिगो के शेयरों में 1.5 प्रतिशत तक की तेजी दर्ज की गई।विदेश मंत्रालय ने पहले ही घोषणा की थी कि भारत-चीन के बीच सीधी उड़ानें अक्टूबर 2025 के अंत से शीतकालीन शेड्यूल में बहाल होंगी। एविएशन एक्टपर्ट्स का अनुमान है कि सीधी उड़ानें बहाल होने के बाद यात्री संख्या तीन गुना बढ़कर 30 लाख सालाना हो सकती है।2020 में गलवान घाटी झड़प के बाद दोनों देशों के बीच सभी सीधी उड़ानें बंद हो गई थीं। उस समय हर हफ्ते करीब 500 डायरेक्ट फ्लाइट्स चलती थीं और सालाना 12.5 लाख लोग यात्रा करते थे। नई डायरेक्ट फ्लाइट्स से छात्रों, बिजनेस यात्रियों और पर्यटकों को सबसे ज्यादा फायदा होगा।छोटे और मध्यम उद्यमों को अपनी सप्लाई चेन तेज करने में राहत मिलेगी। ई-कॉमर्स, फार्मा और मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर को व्यापारिक लाभ मिलेगा। एयरलाइंस और एयरपोर्ट्स को भी नए राजस्व स्रोत मिलेंगे। भारतीय पर्यटन स्थलों में चीनी यात्रियों की खास रुची है। खासतौर पर बौद्ध पर्यटन स्थल जैसे गया, सारनाथ, कुशीनगर, नालंदा और लद्दाख चीनी चात्रियों को आकर्षित करते हैं। इसके अलावा आगरा, दिल्ली जयपुर और अजंता-एलोरा गुफाएं भी चीनी पर्यटकों के बीच लोकप्रिय हैं। भारत का योग और आयुर्वेद आधारित वेलनेस टूरिज्म भी चीनी यात्रियों को आकर्षित कर रहा है।

शुभांशु शुक्ला केंद्र के विकसित भारत बिल्डथान के ब्रांड एंबेसडर बने

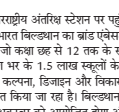

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर पहुंचने वाले पहले भारतीय शुभांशु शुक्ला को केंद्र सरकार के विकसित भारत बिल्डथान का ब्रांड एंबेसडर नियुक्त किया गया है।बिल्डथान एक राष्ट्रव्यापी नवाचार आंदोलन है, जो कक्षा छह से 12 तक के स्कूलों के छात्रों को शामिल करने के लिए बनाया गया है। बिल्डथान देश भर के 1.5 लाख स्कूलों के एक करोड़ से अधिक छात्रों को चार विषयों के अंतर्गत प्रोटोटाइप की कल्पना, डिजाइन और विकास के लिए प्रेरित करेगा। यह शिक्षा मंत्रालय द्वारा अटल नवाचार मिशन के सहयोग से आयोजित किया जा रहा है। बिल्डथान 23 सितंबर को शुरू हुआ और पंजीकरण छह अक्टूबर तक खुले हैं। लाइव बिल्डथान 13 अक्टूबर को आयोजित होगा और विजेताओं की घोषणा दिसंबर में की जाएगी। बिल्डथान के अंतर्गत कक्षा 6-12 में पढ़ने वाले छात्रों से टीमों में शामिल होने, रचनात्मक रूप से सोचने और वास्तविक जीवन की चुनौतियों का समाधान करने वाले विचार और प्रोटोटाइप विकसित करना शामिल है। छात्र राष्ट्रीय महत्व के चार विषयों पर काम करेंगे। इसमें आत्मनिर्भर भारत, स्वदेशी, वोकल फार लोकल और समृद्धि पर फोकस होगा।

ईशा कोप्पिकरः मैं चाहती हूँ कि मेरी बेटी बड़ी होकर यह जाने कि वह एक सशक्त महिलाओं के वंश से है

ईशा कोप्पिकर के लिए दशहरा हमेशा से एक बेहद निजी और भावनात्मक त्योहार रहा है। यह सिर्फ अच्छाई की बुराई पर जीत का प्रतीक नहीं है, बल्कि उनके जीवन में मौजूद चार पीढ़ियों की असाधारण महिलाओं की ताकत का भी उत्सव है। इस कहानी की शुरुआत होती है उनकी नानी से ङ्क वो स्त्री जिन्होंने ईशा की नींव रखी। बचपन में ईशा हर मौके पर अपनी नानी के साथ रहना चाहती थीं। उनके साथ बिताया हर लम्हा उनके लिए अनमोल था, जिसने उन्हें सिखाया कि जिंदगी में चाहे कुछ भी हो, हमेशा गरिमा, आत्मसम्मान और मजबूती के साथ जीना चाहिए। वह इस असाधारण महिला को अपना आदर्श मानती थीं, जितना हो सके उनके करीब रहती थीं, न केवल उनकी कहानियों को बल्कि उनकी आत्मा को भी आत्मसात करती थीं। ईशा कहती हैं, मेरी नानी मेरी पहली गुरु थीं, जिन्होंने मुझे सिखाया कि असली मजबूती क्या होती है। आज मेरे अंदर जो नैतिक मूल्य, सिद्धांत और सोच है, वो उनकी अडिग विचारधारा का ही प्रतिबिंब है। ईशा का शांत लेकिन अपने विश्वासों पर अडिग रहने की क्षमता, ये सब उन्होंने उन्हीं बचपन के दिनों में अपनी नानी के सान्निध्य में बिताए गए उन शुरुआती वर्षों से ही उन्हें मिली थी। फिर आईं उनकी माँ ङ्क एक और वारियर महिला, जिन्होंने इस विरासत को आगे बढ़ाया। ईशा कहती हैं, मेरी माँ ने मुझे सिखाया कि असली सहनशक्ति क्या होती है। उन्होंने जीवन की कठिनाइयों का सामना जिस गरिमा और संकल्प के साथ किया, उसने मुझे कभी ये शक नहीं होने दिया कि एक औरत क्या कुछ कर सकती है। इन शुरुआती सीखों ने ही ईशा को वो नींव दी, जिस पर उन्होंने अपनी जिंदगी और करियर दोनों खड़े किए। ईशा ने इस विरासत को अपने जीवन में पूरी शिद्दत से निभाया ङ्क हर उस निर्णय में, जिसमें उन्होंने एक योद्धा महिला की तरह खुद को साबित किया। चाहे फिल्मों में ऐसे किरदार निभाना हो जो मजबूत और अडिग हों, या फिर निजी जीवन की जटिलताओं का सामना करना हो, ईशा ने हर लड़ाई अकेले लड़ी। कई बार उन्होंने ऐसे फैसले लिए जो आसान नहीं थे ङ्क लेकिन उन्होंने अपने दम पर जीवन को दोबारा खड़ा किया। मैंने महसूस किया कि मुझे खुद ही अपनी दुर्गा बनना होगा,

ईशा कहती हैं। कई बार हमारी लड़ाइयाँ चुपचाप होती हैं, लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि वो कम महत्वपूर्ण हैं। आज जब ईशा खुद एक माँ हैं ङ्क उनकी बेटी रिआना के साथ, तो दशहरा उनके लिए और भी गहरा हो गया है। अब यह सिर्फ़ अपनी नानी और माँ से विरासत में मिली शक्ति का सम्मान करने के बारे में नहीं है, बल्कि उसी योद्धा भावना को चौथी पीढ़ी तक पहुँचाने के बारे में है। ईशा कहती हैं, जब मैं अपनी बेटी को देखती हूँ, तो मुझे भविष्य दिखाई देता है। मैं चाहती हूँ कि वह यह जानकर बड़ी हो कि वह सशक्त महिलाओं के वंश से है, कि उसकी रगों में उसकी परदादी, नानी और माँ की शक्ति प्रवाहित होती है। इस दशहरे पर, जब ईशा रिआना के साथ उत्सव मना रही हैं, तो वह सिर्फ़ एक परंपरा का पालन नहीं मना रही हैं, बल्कि चार पीढ़ियों से चली आ रही शक्ति, साहस और अटूट स्त्री शक्ति की विरासत का सम्मान कर रही हैं, यह सुनिश्चित करते हुए कि आने वाली पीढ़ी भी उसी गर्व और आत्मबल के साथ कल को आकार देने वाली महिलाओं में योद्धा भावना निरंतर फलती-फूलती रहे।

सगाई के मौके पर सोनम कपूर ने दी कजिन अंशुला को बधाई, शेयर की खास तस्वीरें

फिल्म निर्माता-निर्देशक बोनी कपूर की बेटी अंशुला कपूर शादी के बंधन में बंधने जा रही हैं। गुरुवार को मुंबई में उनके घर पर सगाई का भव्य समारोह आयोजित किया गया, जिसमें परिवार और करीबी दोस्तों ने शिरकत की। इस खास मौके पर कपूर परिवार के सभी सदस्यों ने अंशुला के मंगेतर रोहन ठक्कर के साथ उनके रिश्ते को आधिकारिक रूप से सेलिब्रेट किया। अंशुला की सगाई की खुशी में उनकी कजिन और अभिनेत्री सोनम कपूर ने इंस्टाग्राम पर कुछ खूबसूरत तस्वीरें साझा की। तस्वीरों में सोनम स्टाइलिश इंडो-वेस्टर्न लुक में नजर आईं। उन्होंने ब्राउन लॉन्ग स्कर्ट के साथ मैचिंग टॉप और ब्लेजर पहना था। सोनम ने तस्वीरों के कैप्शन में लिखा, मेरी प्यारी अंशुला के लिए तैयार हूं, अब जश्न की शुरुआत! बता दें कि अंशुला और रोहन की प्रेम कहानी की शुरुआत 2022 में एक डेटिंग ऐप के जरिए हुई थी। धीरे-धीरे उनकी दोस्ती धीरे-धीरे प्यार में बदली और जुलाई 2025 में न्यूयॉर्क में दोनों ने एक-दूसरे को रिंग पहनाकर अपने रिश्ते को आधिकारिक रूप दिया। अब यह जोड़ी शादी की ओर कदम बढ़ा रही है। सगाई समारोह में बोनी कपूर, सोनम कपूर, जाह्नवी कपूर, शनाया कपूर, जहान कपूर, महीप कपूर और उनके बच्चे शामिल हुए। इसके अलावा, अंशुला के कजिन मोहित मारवाह अपनी पत्नी अंतरा मारवाह के साथ मौजूद रहे।

एक मंच दो मिस वर्ल्ड विनर-ग्लोबल आइकन प्रियंका चोपड़ा और मानुषी छिल्लर की गर्मजोशी भरी मुलाकात!

जब दो मिस वर्ल्ड एक ही मंच पर एक साथ नजर आती हैं, तो यह महज़ संयोग नहीं होता — यह उत्कृष्टता, गरिमा और ग्लोबल मंच पर भारत का प्रतिनिधित्व करने की ताकत का उत्सव होता है। बुधवार की शाम मुंबई में आयोजित एक प्रतिष्ठित गाला इवेंट, जिसमें फिल्म और ग्लैमर जगत की नामचीन हस्तियाँ मौजूद थीं, एक दुर्लभ और विशेष क्षण का साक्षी बना- जब प्रियंका चोपड़ा जोनास (मिस वर्ल्ड 2000) और मानुषी छिल्लर (मिस वर्ल्ड 2017)दोनों एक साथ नजर आईं। यह मुलाक़ात सिर्फ फैशन और गहनों से कहीं आगे की एक विजुअल अनुभूति बन गई। ब्यूटी क्वीन से अभिनेत्रियाँ बनीं इन दोनों ने, अपने सौंदर्य प्रतियोगिता के इतिहास और एक ही ताज से जुड़ी अपनी साझा विरासत के चलते एक गर्मजोशी से एक-दूसरे को शुभकामनाएं दीं और अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर भारत की परंपरा और गर्व को आगे बढ़ाने के अर्थ को दर्शाया।

प्रियंका चोपड़ा, जो अब एक ग्लोबल आइकन बन चुकी हैं और जिन्होंने मिस वर्ल्ड का खिताब जीतकर एक असाधारण अंतरराष्ट्रीय करियर में तब्दील कर दिया, और मानुषी छिल्लर, जिन्होंने 17 साल बाद यह प्रतिष्ठित ताज भारत वापस ले आईं और सिनेमा में लगातार अपनी अलग पहचान बना रही हैं। इन दोनों ब्यूटी डिवा ने भारतीय सुंदरता, महत्वाकांक्षा और उपलब्धियों की दो अलग-अलग पीढ़ियों का प्रतिनिधित्व किया। इस प्रतिष्ठित समारोह में उनकी एक साथ मौजूदगी सिर्फ़ स्टार पावर तक सीमित नहीं थी। यह एक मजबूत संदेश था कि कैसे मिस वर्ल्ड मंच ने भारत की कुछ सबसे प्रभावशाली महिलाओं को आगे बढ़ाया है, और कैसे ये दोनों अपने-अपने सफर में देश को गौरवान्वित कर रही हैं। यह शाम और भी ख़ास हो गई जब दोनों ने मुस्कुराहटों और शब्दों का आदान-प्रदान किया, एक ऐसा लम्हा जो तस्वीरों में कैद हुआ और जो बहनापा, आपसी सम्मान और उस अनुभव को दर्शाता है जो उस ताज को धारण करने के साझा अनुभव की कहानी बयां करती हैं जिसने उनकी ज़िंदगियाँ हमेशा के लिए बदल दीं।

रणदीप हुड्डा और लिन लैशराम लेकर आ रहे तीरंदाजी का नया जोश

भारत में खेलों का जादू हमेशा से लोगों के दिलों में खास रहा है। हरियाणा की मिट्टी से लेकर देश के कोने-कोने तक, खेलों ने कई युवाओं को प्रेरित किया है। इस कड़ी में तीरंदाजी यानी आर्चरी के प्रति लोगों का उत्साह बढ़ाने के लिए बॉलीवुड के मशहूर अभिनेता रणदीप हुड्डा और उनकी पत्नी व पूर्व राष्ट्रीय स्तर की तीरंदाज लिन लैशराम की टीम पृथ्वीराज योद्धा आगामी आर्चरी प्रीमियर लीग (एपीएल) में हिस्सा लेंगी। बता दें कि लिन लैशराम पृथ्वीराज योद्धा टीम की सह-मालिक हैं। एपीएल 2 अक्टूबर से 12 अक्टूबर 2025 तक यमुना स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में आयोजित होगी। रणदीप और लिन की यह साझेदारी न केवल खेल को बढ़ावा देगी, बल्कि युवाओं को भी तीरंदाजी जैसे खेल की तरफ आकर्षित करेगी।

आईएएनएस से बात करते हुए रणदीप हुड्डा ने कहा, खेल हमारे जीवन का अहम हिस्सा है। हरियाणा में बचपन से ही खेलों की संस्कृति रही है, जहां कुश्ती, हॉकी, और बॉक्सिंग जैसे खेलों ने देश का नाम रोशन किया है। मेरे लिए तीरंदाजी जैसे खेल से जुड़ना एक गर्व की बात है। तीरंदाजी में कई खासियतें होती हैं, जैसे कि ध्यान केंद्रित करना, धैर्य बनाए रखना, और मुश्किल हालात में टिके रहना; ये सभी गुण हरियाणा की खेल संस्कृति से मेल खाते हैं। मेरी पत्नी लिन का इस खेल के साथ गहरा लगाव है, जो हमारी टीम को और मजबूत बनाता है।

लिन लैशराम के लिए तीरंदाजी केवल एक खेल नहीं, बल्कि एक जीवन की यात्रा है। उनके पिता मणिपुर आर्चरी एसोसिएशन के अध्यक्ष रह चुके हैं, जिन्होंने उन्हें बचपन से ही तीरंदाजी की दुनिया की ओर आगे बढ़ाया। लिन ने महज दस साल की उम्र में तीरंदाजी शुरू की और जल्द ही राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में हिस्सा लेने लगीं। टाटा आर्चरी अकादमी में प्रशिक्षण लेने के बाद उन्होंने कई पदक जीते और 1998 में जूनियर राष्ट्रीय चैंपियनशिप भी अपने नाम की। हालांकि, चोट के कारण उन्हें प्रतियोगिता से दूरी बनानी पड़ी, लेकिन उनका खेल के प्रति जुनून कभी कम नहीं हुआ। अब आर्चरी प्रीमियर लीग में उनका फिर से लौटना उनके लिए एक नई शुरुआत है।

इस लीग को लेकर डॉ. विकास गर्ग, जो कि पृथ्वीराज योद्धा टीम के मालिक और एबिक्स ग्रुप के चेयरमैन हैं, ने कहा, आर्चरी प्रीमियर लीग भारतीय तीरंदाजी के लिए एक बड़ा बदलाव लेकर आई है। यह लीग खेल को एक नए स्तर पर लेकर जाएगी, जिससे युवा खिलाड़ियों को न सिर्फ मौका मिलेगा बल्कि खेल को भी लोकप्रियता मिलेगी। इस लीग के जरिए भारतीय तीरंदाजी की परंपरा और संस्कृति को नई ऊंचाइयां मिलेंगी।

आर्चरी प्रीमियर लीग का आयोजन आर्चरी एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एएआई) द्वारा किया जा रहा है, जिसके अध्यक्ष पूर्व सांसद अरुण मुंडा हैं। इसके साथ ही, एएआई के सचिव विरेंद्र सचदेव भी इस लीग के सफल आयोजन में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। इस लीग को विश्व आर्चरी, विश्व आर्चरी एशिया और भारत सरकार के खेल मंत्रालय का भी समर्थन प्राप्त है।

रुक्मिणी वसंत ने कांताराः चैप्टर 1 को बताया ज़िंदगी बदल देने वाला अनुभव

आज जब कांतारा -चैप्टर 1 दुनियाभर में रिलीज़ हुई है, तब एक्ट्रेस रुक्मिणी वसंत ने अपने दिल की बात शेयर की। एक इमोशनल नोट में उन्होंने बताया कि कैसे ये सफर उन्हें एक कलाकार और इंसान दोनों रूपों में नया बना गया। उन्होंने लिखा ङ्कएक साल पहले मुझे 'कांतारा- चैप्टर 1' का हिस्सा बनने का मौका मिला। इस फिल्म ने मुझे चुनौती दी, मुझे सिखाया, मेरे हुनर को निखारा और ज़िंदगी को एक नया नज़रिया दिया। ये फिल्म सच में प्यार और जुनून से बनी है ङ्क सैकड़ों लोगों की मेहनत से, जिन्होंने दिन-रात एक कर दिया। इस जादुई फिल्म का हिस्सा बनकर मैं बेहद आभारी हूं। रुक्मिणी ने फिल्म के कप्तान ऋषभ शेट्टी को दिल से शुक्रिया कहा- ऋषभ सर इस प्रोजेक्ट की रीढ़ हैं। सर, आपका जुनून, मेहनत और विज़न मेरे लिए बहुत बड़ी प्रेरणा रहा। मुझ पर भरोसा करने और इस सफर में मेरा साथ देने के लिए दिल से धन्यवाद। होम्बले फिल्म्स की पूरी टीम ङ्क विजय किरागंदूर, चालुवे गौड़ा, आदर्श और उन सभी अनसुने हीरोज़ का भी शुक्रिया अदा किया, जिन्होंने पर्दे के पीछे रहकर इस अनुभव को जीवंत बनाया। और सफर अभी शुरू ही हुआ है। कांतारा- चैप्टर 1 के बाद रुक्मिणी अब दो बड़े प्रोजेक्ट्स में नज़र आएंगी - रॉकिंग स्टार यश के साथ टॉक्सिक और प्रशांत नील की एनटीआर जूनियर वाली मेगा फिल्म में।

शब्द सामर्थ्य -190

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं :
1. पानी, नीर, अंबु 2. आना-जाना, आवागमन 5. बहुत, बढ़िया 6. दूर रहने वाला (घटना) जो वर्तमान में न घट सके 8. अबोध, नासमझ, अनाड़ी 10. सब्जी, शाक 11. निशान, उद्देश्य, अनुमान योग्य वस्तु 12. नाखून 13. द्रव पदार्थ 15. सूनसान, जनविहीन स्थान 16. चटकीला, चमकीला, चटपटा, गँरिया 18. भगवान, खुदा 19. इन दिनों, वर्तमान दिनों में 20. अग्नि, पावक 21. अन्नकण, अनाज का टुकड़ा 22. टालमटोल, बहाने बाजी 24. भैया की पत्नी 25. पांच से छोटी एक विषम संख्या 26. हत्या, कत्ल.

ऊपर से नीचे
1. दुनिया, संसार, ठोस रूप में परिवर्तित करना 2. चमक, पानी 3. बाजीगर, जादू का खेल दिखाने वाला 4. एक पंजाबी प्रेमगीत, रांझा की प्रेमिका 5. मार-काट, खून-कत्ल 7. भूमि, जमीन, भू-भाग 9. बहुत बड़ा दानी, 10. संगीत के सुरों की संख्या 14. लचीला, लोचयुक्त 17. खिसकना, अपने स्थान से हटना, विचलित होना 19. प्रवेश करना, पधारना, आना 20. धूप-दीप से पूजा 22. इसी समय 23. गुस्सा, कहर.

1		■	2		3	4	■	■
	■	5		■	6		7	■
8	9		■	10		■	11	
■	12		■	13		14	■	■
■	15			■	■	16	17	
■	18		■	19				■
■	■	■	20		■	21		■
■	22						■	23
24		■	25		■	■	26	

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 189 का हल

स्वा	द	■	सा	म	ना	■	कै	दी
व	■	ख	ल	ना	य	क	■	वा
लं	प	ट	■	ना	क	क	ट	ना
बी	■	प	■	■	■	ड़ी	■	प
■	अ	ट	प	टा	■	■	शा	न
स	ह	■	यो	■	■	र	ति	■
ह	म	■	द	र	ब	द	र	■
म	क	र	■	सी	ल	■	■	■
त	■	क्षा	■	द	बा	खा	ना	■

फिल्म जटाधारा में खलनायिका बन सोनाक्षी सिन्हा बनाएंगी नया इतिहास

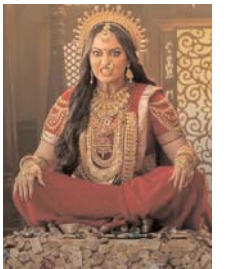

सोनाक्षी सिन्हा अपने आगामी द्विभाषी (हिंदी-तेलुगु) प्रोजेक्ट जटाधारा से दर्शकों को चौंकाने वाली हैं क्योंकि ज़ी स्टूडियोज़ और प्रेरणा अरोड़ा की इस बहुप्रतीक्षित पौराणिक स्पेक्टेकल फिल्म से तेलुगु सिनेमा में कदम रखने जा रहीं सोनाक्षी सिन्हा बड़े पर्दे पर पहली बार खलनायिका के रूप में नज़र आनेवाली हैं। हालांकि धन पिशाचिनी के रूप में उनका यह किरदार सिर्फ नकारात्मक ही नहीं, बल्कि बेहद शक्तिशाली और दमदार भी है। गौरतलब है कि जहां अधिकतर कलाकार अपने सकारात्मक किरदार को लेकर काफी सजग रहते हैं, वहां सोनाक्षी का यह कदम न सिर्फ साहसिक है, बल्कि उन्हें नए मुकाम पर ले जाने की काबिलियत को भी दर्शाता है। विशेष रूप से रहस्यवाद, आध्यात्मिक प्रतीकों और शक्ति के स्त्री रूप को एक रोचक सिनेमाई ताने-बाने में पिरोते हुए सोनाक्षी सिन्हा ने जिस तरफ अपना कदम बढ़ाया है, वो बॉलीवुड में उनकी बहुमुखी प्रतिभा को और निखारने में कोई कसर नहीं छोड़ेगा। गौरतलब है कि जटाधारा की कहानी काले जादू की रहस्यमयी दुनिया की झांकी पेश करती है, जहाँ तंत्र-मंत्र, गुप्त अनुष्ठान और प्राचीन श्राप आस्था और भय की सीमाओं को दर्शाया गया है। ऐसे में यहाँ सोनाक्षी का किरदार सिर्फ एक खलनायिका का नहीं, बल्कि तंत्र और तांत्रिक शक्तियों से जन्मी एक भयावह सत्ता की भी है, जो कहानी को गहराई और नया आयाम देती है। हालांकि हाल ही में दुर्गा पूजा पर रिलीज़ हुआ सोनाक्षी का गाना धना पिशाची (हिंदी और तेलुगु में) पहले ही फिल्म के रहस्य और रोमांच को और बढ़ा चुका है। इसके अलावा गाने के दृश्यों में प्राचीन अनुष्ठान, भगवान शिव से जुड़े प्रतीक और पौराणिक छवियाँ सोनाक्षी की खलनायिका वाली भयावह छवि को और प्रभावशाली बनाते हैं। फिल्म में उनके अपोज़िट सुधीर बाबू नज़र आएंगे, जो कहानी को भावनात्मक गहराई देते हैं और अच्छाई और बुराई के संघर्ष को निजी और गहन बनाते हैं। जटाधारा के साथ सोनाक्षी सिन्हा न सिर्फ तेलुगु सिनेमा में एंट्री कर रही हैं, बल्कि खुद को नए रूप में गढ़ रही हैं और यह साबित कर रही हैं कि खलनायिका की ताकत कभी-कभी नायक से भी ज़्यादा आकर्षक और प्रभावशाली हो सकती है। फिल्म जटाधारा 7 नवंबर 2025 को हिंदी और तेलुगु, दोनों भाषाओं में सिनेमाघरों में रिलीज़ होगी।

नो हेलमेट, नो पेट्रोल अभियान सुरक्षा की दिशा में निर्णायक कदम

आम नागरिकों को हो रही असुविधा और पम्पों पर बिक्री में असर भी महसूस

चरचा कालरी। कोरिया जिले में बढ़ती दो पहिया वाहन सड़क दुर्घटनाओं और जन-धन की हानि को रोकने के प्रयास में जिला कलेक्टर श्रीमती चंदन संजय त्रिपाठी ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 163 के अंतर्गत 1 अक्टूबर से कड़े निर्देश जारी किए हैं। अब किसी भी पेट्रोल पम्प पर बिना हेलमेट आए दोपहिया वाहन चालकों को पेट्रोल नहीं दिया जाएगा। इस अभियान का नारा है बिना हेलमेट, नहीं मिलेगा पेट्रोल) कलेक्टर कोरिया के निर्देशों के पशुपालन में नगर पालिका शिवपुर चर्चा क्षेत्र के अहमद पेट्रोल पम्प पर इस नियम का कड़ाई से पालन किया जा रहा है। पम्प के कर्मचारी बिना हेलमेट आए चालकों को पेट्रोल देने से इंकार कर रहे हैं। पम्प प्रबंधन का मानना है कि नियम का प्रभावी पालन ही सड़क सुरक्षा को सुदृढ़ करेगा, इसलिए वे प्रशासन के निर्देशों का पूरी निष्ठा से पालन कर रहे हैं।

हेलमेट की अनिवार्यता के संबंध में जहाँ प्रशासन की मंशा सराहनीय है, वहीं नियम लागू होने के बाद आम नागरिकों को कई व्यावहारिक परेशानियाँ भी झेलनी पड़ रही हैं, कई लोग काम पर जाते समय या बाजार के लिए निकलते समय हेलमेट घर पर भूल आते हैं; पम्प पर पहुंचने पर उन्हें वापस लौटना पड़ता है।,कुछ लोगों को घर से हेलमेट मंगवाना पड़ता है जिससे उनका समय बर्बाद होता है और घरेलू/नौकरी संबंधी काम प्रभावित होते हैं,रोज़गार हेतु निकले हुए दर्जनों वेतनभोगी और छोटे दुकानदार ऐसे दिनकर्मियों को प्रभावित महसूस कर रहे हैं जो पेट्रोल भरवाकर काम पर जाते हैं। ,कुछ चालक नियम से बचने के लिए एक-दूसरे के हेलमेट उधार लेकर पेट्रोल भरवा रहे हैं- यह व्यवहार सुरक्षा के उद्देश्य को पूरी तरह नहीं निभाता। इन परेशानियों के कारण कई नागरिक प्रशासन से थोड़ा समन्वय और सहूलियत की अपेक्षा कर रहे हैं- जैसे अस्थायी हेलमेट रिट्रीवल पॉइंट, जागरूकता के साथ-साथ सरल सहायता प्रणालियाँ आदि।नियम लागू होने के बाद कई पेट्रोल पम्पों पर अस्थायी रूप से बिक्री में गिरावट देखी जा रही है। अहमद पेट्रोल पम्प सहित आसपास के कुछ पम्पों ने स्थानीय तौर पर बताया है कि नियम लागू होने के पहले कुछ दिनों में ग्राहक संख्या में कमी आई है — मुख्यत: उन ग्राहकों के कारण जो हेलमेट भूलकर आते हैं या नियम से असहज होते हैं।

यह गिरावट पूर्णत: लम्बे समय तक बनी रहने वाली नहीं मानी जा रही; पम्प संचालक और प्रशासन दोनों आशावाद व्यक्त कर रहे हैं कि जैसे-जैसे लोग आदत डालेंगे और जागरूकता बढ़ेगी, बिक्री सामान्य स्थिति पर लौट आएगी। साथ ही पम्प संचालक यह भी सुझाव दे रहे हैं कि यदि प्रशासन थोड़ी मदद (जैसे जागरूकता, सूचना पैनल, शिफ्ट में कुछ सहायक कर्मचारियों का प्रशिक्षण) दे तो नियम लागू करते समय ग्राहकों की असुविधा कम की जा सकती है।

सड़क सुरक्षा विशेषज्ञ कहते हैं कि सख्त नियम दुर्घटनाओं और सिर की गंभीर चोटों को कम करने में प्रभावी हो सकते हैं, पर इन नीतियों का दीर्घकालिक लाभ तभी संभव है जब जनता के व्यवहार में बदलाव आये। इसलिए प्रशासनिक कड़े कदम के साथ-साथ लोगों को सड़क सुरक्षा विशेषज्ञों के अनुसार सही गुणवत्ता और फिटिंग वाले हेलमेट के उपयोग से सर की चोटों पर खतरा 70 प्रतिशत तक काम किया जा सकता है सड़क दुर्घटना में अधिकतर मौतें सर की गंभीर चोटों के कारण होती है जिन्हें केवल एक हेलमेट पहनने की आदत से रोका जा सकता है। कलेक्टर श्रीमती चंदन संजय त्रिपाठी और पुलिस अधीक्षक के इस निर्णायक कदम से कोरिया जिले में सड़क सुरक्षा पर स्पष्ट संदेश गया है- पर इस नीति की सफलता के लिए प्रशासनिक कड़े कदम के साथ जनता के रोज़मर्रा के व्यवहार में बदलाव और थोड़ी सहूलियत-दृष्टि भी आवश्यक है। छोटी असुविधाओं और अस्थायी बिक्री गिरावट को पार कर यदि लोग हेलमेट पहनने की आदत अपनाते हैं तो कई परिवारों की जान और आजीविका सुरक्षित रह सकती है।

हाथियों का कहर जारी चरवाहे की मौत से दहशत

बलरामपुर। जिले के वाड्रफनगर वन क्षेत्र में जंगली हाथियों का आतंक थमने का नाम नहीं ले रहा है। ताजा मामला मदनपुर गांव के पास चटनियां जंगल का है, जहां शुक्रवार को हाथियों के हमले में एक ग्रामीण की दर्दनाक मौत हो गई। मृतक की पहचान सोहन सिंह के रूप में हुई है, जो सुबह अपने मवेशियों को चराने जंगल गया था। दोपहर करीब 12 बजे जंगल में अचानक उसका सामना दो हाथियों से हो गया। इससे पहले कि वह कुछ समझ पाता, हाथियों ने उस पर हमला कर दिया। हमले में वह गंभीर रूप से घायल हो गया और मौके पर ही उसकी मौत हो गई। वहीं, उसके साथ मौजूद एक अन्य ग्रामीण किसी तरह जान बचाकर भाग निकला। घटना की जानकारी ग्रामीणों को कुछ समय बाद लगी। जब लोग जंगल में सोहन सिंह की तलाश में पहुंचे तो उनका शव बरामद हुआ। तुरंत परिजनों और वन विभाग को इसकी सूचना दी गई। सूचना मिलते ही वाड्रफनगर के वन परिक्षेत्र अधिकारी रामनारायण राम अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे और पंचनामा की कार्रवाई पूरी कर शव को पोस्टमॉर्टम के लिए वाड्रफनगर सिविल अस्पताल भिजवाया। वन विभाग की ओर से मृतक के परिजनों को तात्कालिक राहत के तौर पर 25,000 रुपए की आर्थिक सहायता दी गई है। इसके साथ ही ग्रामीणों को हाथियों की सक्रियता को लेकर सचेत किया जा रहा है। विभाग की टीम द्वारा गांव-गांव में मुनादी कर हाथियों के मूवमेंट की जानकारी दी जा रही है और लोगों से जंगल की ओर न जाने की अपील की जा रही है। वन परिक्षेत्र अधिकारी रामनारायण राम ने बताया कि हाथियों की मौजूदगी की सूचना लगातार व्हाट्सएप ग्रुप और फील्ड विजिट के जरिए ग्रामीणों तक पहुंचाई जा रही है। साथ ही विभाग की टीम जंगल में गश्त कर रही है ताकि ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो। ग्रामीणों से अपील की गई है कि वे सतर्क रहें और अकेले जंगल की ओर न जाएं, खासकर मवेशियों को चराने के दौरान अतिरिक्त सावधानी बरतें।

पनिका समाज ने बैठक में निर्णय लिए, क्रियान्वयन जल्द

कोरिया बैकुंठपुर। भारतीय पनिका समाज जिला इकाई कोरिया का आवश्यक बैठक सामाजिक भवन ग्राम खोड़री में संपन्न हुआ,बैठक की अध्यक्षता राजाराम जाता जिला अध्यक्ष के द्वारा की गई,बैठक में मुख्य रूप से संभागीय अध्यक्ष सरगुजा संभाग रामधन देवांगन,उपस्थित रहे, बैठक में विभिन्न विषयों पर चर्चा करते हुए सर्व सहमति से निर्णय लिया गया है। अक्टूबर माह के अंत में सामाजिक शपथ ग्रहण कार्यक्रम कराना हैद्य शपथ कार्यक्रम में जिला समिति,ब्लॉक समिति,इकाई ग्राम समिति,शपथ लेंगे। यह भी निर्णय लिया गया कि, सामाजिक गतिविधियों कार्यक्रमों का सामाजिक पत्रिका छपवाया जाएगा। कार्यक्रम शपथ समारोह के मुख्य अतिथि रामधन देवांगन संभागीय अध्यक्ष सरगुजा संभाग एवं विशिष्ट अतिथि जिला सूरजपुर एवं जिला एम,सी,बी के जिला प्रमुखो को आमंत्रित किया जाएगा। सामाजिक एकता और अखंडता को मजबूत बनाने में हर पहलुओं पर कार्य किया जाएगा और शपथ कार्यक्रम में तन मन धन से सहयोग कर कार्यक्रम को भव्य रूप से कराने का संकल्प लिया गया। बैठक के दौरान मुख्य अतिथि के रूप में अध्यक्ष सरगुजा संभाग रामधन देवांगन,विशिष्ट अतिथि जिला अध्यक्ष राजाराम जाता,पूर्व जिला अध्यक्ष सतनारायण गोयन,रामलाल टांडिया,तकेश्वर प्रसाद,बाबूलाल गोयन,छत्रपाल देवांगन,संजय चिकनजूरी, संजू पंडवार,चंद्रिका प्रसाद,जयप्रकाश, रवि चिकनजूरी,युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष उमाशंकर बंटी,जिला मीडिया प्रभारी लाल दास महंत,दीपक कुलहरिया,सोमदास, शिवनारायण देवांगन,पीतांबर देवांगन,महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष बबीता ग्वाले,महिला मोर्चा मीडिया प्रभारी भारती,कमला देवी,दरोगा प्रसाद,रमेश पंडवार,मूंगलाल पंडवार, देवेंद्र दास महंत सहित अनेक लोग भारी संख्या में शामिल रहे।

कोल्ड्रिफ कफ सिरप को लेकर देशभर में मचा हड़कंप

रायपुर। कोल्ड्रिफ कफ सिरप को लेकर देशभर में चिंता का माहौल है। राजस्थान और मध्यप्रदेश में इस सिरप के सेवन से अब तक 12 बच्चों की मौत की पुष्टि हो चुकी है। इसके चलते मध्यप्रदेश और तमिलनाडु सरकार ने इस दवा पर प्रतिबंध लगा दिया है। वहीं, केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने मामले की गंभीरता को देखते हुए सिरप के सैंपल जांच के लिए भेज दिए हैं। यह कफ सिरप तमिलनाडु के कांचीपुरम जिले की फार्मा कंपनी श्रीसन फार्मा द्वारा निर्मित की गई है। प्राथमिक जांच में इस सिरप में डाइएथिलीन ग्लाइकॉल की मात्रा खतरनाक स्तर तक पाई गई है, जो शरीर के लिए अत्यधिक विषैली होती है और इससे गुर्दे फेल होने जैसे गंभीर परिणाम हो सकते हैं। छत्तीसगढ़ स्वास्थ्य विभाग ने स्पष्ट किया है कि फिलहाल राज्य में इस कंपनी की सिरप की कोई आपूर्ति नहीं की गई है। लेकिन एहतियातन इस सिरप को राज्य में भी प्रतिबंधित करने की तैयारी की जा रही है ताकि किसी तरह की आशंका या भ्रम की स्थिति न बने।

जनपद पंचायत क्षेत्र में विकास के अनेक कार्यों को कराने के लिए अध्यक्ष साहू ने स्वास्थ्य मंत्री से भेंट की

कोरिया बैकुंठपुर। जनपद पंचायत बैकुंठपुर के उपाध्यक्ष प्यारे साहू ने छत्तीसगढ़ सरकार के स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल से शिष्टाचार मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने जनपद पंचायत क्षेत्र के विभिन्न विकास एवं निर्माण कार्यों की विस्तृत जानकारी दी और क्षेत्र की प्रमुख समस्याओं पर चर्चा की। मुलाकात के दौरान उपाध्यक्ष ने कहा कि बैकुंठपुर जनपद क्षेत्र के कई गांव आज भी मूलभूत सुविधाओं से वंचित हैं, जहां तक पहुंच मार्ग तक नहीं बन पाए हैं। उन्होंने कहा कि इन पहुंच विहीन गांवों में सड़क, पेयजल, स्वास्थ्य सुविधा और शिक्षा के क्षेत्र में ठोस कार्यवाही की आवश्यकता है।

प्यारे साहू ने मंत्री से आग्रह किया कि जनपद क्षेत्र के सभी अधूरे निर्माण कार्यों को प्राथमिकता के साथ पूर्ण कराया जाए, ताकि ग्रामीणों को बेहतर जीवन स्तर उपलब्ध हो सके। उन्होंने बताया कि पंचायत क्षेत्र के विभिन्न गांवों में प्रधानमंत्री आवास, मनरेगा, स्वच्छ भारत मिशन, पेयजल योजना और सड़क निर्माण जैसे कार्य जारी हैं, लेकिन कई स्थानों पर तकनीकी कारणों या बजटीय सीमाओं के चलते काम अधूरा रह गया है। इन कार्यों को पुन: शुरू कर जल्द पूर्ण करने के लिए राज्य स्तर से सहयोग की आवश्यकता है। इस पर स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने उपाध्यक्ष द्वारा प्रस्तुत सुझावों और मांगों की सराहना की। उन्होंने कहा कि जनपद पंचायत बैकुंठपुर के विकास कार्यों को सरकार की प्राथमिकता सूची में शामिल किया जाएगा। मंत्री ने यह भी आश्वासन दिया कि ग्रामीण क्षेत्रों की बुनियादी सुविधाओं में किसी प्रकार की कमी नहीं रहने दी जाएगी और संबंधित विभागों को शीघ्र कार्यवाही के निर्देश दिए जाएंगे। मंत्री जायसवाल ने कहा कि शासन की मंशा है कि अंतिम छोर तक बैठे व्यक्ति को विकास का लाभ मिले। इस दिशा में जनप्रतिनिधियों का योगदान अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने उपाध्यक्ष प्यारे साहू के जनहितैषी प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि उनके द्वारा उठाए गए मुद्दे वास्तव में ग्रामीण जनता की जरूरतों से जुड़े हैं। उपाध्यक्ष प्यारे साहू ने मंत्री के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि जनपद पंचायत बैकुंठपुर के विकास के लिए वे निरंतर प्रयासरत रहेंगे। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में ग्रामीण अंचलों का सर्वांगीण विकास सुनिश्चित हो रहा है, और बैकुंठपुर जनपद को भी इस विकास यात्रा से जोड़ा जाएगा। निश्चित रूप से यह कहा जा सकता है कि उपाध्यक्ष प्यारे साहू के प्रयासों से जनपद पंचायत बैकुंठपुर के विकास कार्यों को नई दिशा मिलेगी और क्षेत्र के ग्रामीणों को बेहतर सुविधाएं प्राप्त होंगी। उनका यह प्रयास न केवल जनहित में है, बल्कि स्थानीय विकास के प्रति उनकी गंभीरता को भी दर्शाता है।

अलग-अलग क्षेत्र से तीन दोपहिया वाहन पार

रायपुर। राजधानी के अलग-अलग थाना क्षेत्र से अज्ञात चोर ने तीन दोपहिया वाहन पार कर दिया। तीनों ही मामलों में पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ अपराध दर्ज किया है। मिली जानकारी के अनुसार मंगल बाजार आजाद चौक निवासी सन्नी सारथी 22 वर्ष ने डीडीनगर थाना में शिकायत किया कि वह अपनी बाइक क्रमांक सीजी 04 एमक्यू 9970 को महादेव घाट के विसर्जन घाट में खड़ी किया था, तभी अज्ञात चोर ने पार कर दिया। चोरी गए बाइक की कीमत करीब 15 हजार रुपए के आसपास बताई जा रही है। वहीं दूसरे मामले में शिवविहार कालोनी डीडीनगर निवासी अभय वर्मा 19 वर्ष ने कोतवाली थाना में शिकायत किया कि वह अपनी बाइक क्रमांक सीजी 04 केजे 3596 को इंडोर स्टेडियम के पार्किंग में खड़ी किया था, तभी अज्ञात चोर ने पार कर दिया। चोरी गए बाइक की कीमत करीब 10 हजार रुपए के आसपास बताई जा रही है। इसी तरहह तीसरे मामले में विवेक वम्र्ा 24 वर्ष अपनी बाइक क्रमांक सीजी 04 एचसी 4108 को आरंग के शराब दुकान के पास खड़ी किया था, तभी अज्ञात चोर ने पार कर दिया। चोरी गए बाइक की कीमत करीब 20 हजार रुपए के आसपास बताई जा रही है। तीनों ही मामलों में पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलााफ अपराध दर्ज कर जांच में लिया है।

शिव मंदिर में आपत्तिजनक कृत्य से फैला तनाव, 9 गिरफ्तार

बिलासपुर। शहर के सरकंडा थाना क्षेत्र में शुक्रवार रात शिव मंदिर परिसर में एक युवक द्वारा किए गए आपत्तिजनक कृत्य के बाद इलाके में भारी तनाव फैल गया। पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए न सिर्फ मुख्य आरोपी को मौके से गिरफ्तार किया, बल्कि उपद्रव फैलाने वाले अन्य 8 लोगों को भी हिरासत में ले लिया है। पुलिस के अनुसार, घटना शुक्रवार रात करीब 7:30 बजे की है जब आरोपी अशरफ खान, पिता अनीष खान ने मंदिर परिसर में अनुचित हरकत की। जैसे ही यह खबर इलाके में फैली, लोगों का गुस्सा भड़क उठा और स्थिति तेजी से तनावपूर्ण हो गई। इस स्थिति का फायदा उठाकर कुछ असामाजिक तत्वों ने तोड़फोड़ और आगजनी शुरू कर दी। उन्होंने एक ठेले को क्षतिग्रस्त कर दिया और एक बाइक सहित अन्य सामान को आग के हवाले कर दिया। हालात बिगड़ने पर पुलिस ने तुरंत मोर्चा संभाला और भीड़ को नियंत्रित किया। घटना की गंभीरता को देखते हुए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) रजनेश सिंह के नेतृत्व में विशेष पुलिस बल तैनात किया गया। आरोपी अशरफ खान के खिलाफ आईपीसी की धारा 299, 296, और 351(2) के तहत अपराध क्रमांक 1355/25 दर्ज किया गया है। वहीं, उपद्रव फैलाने वालों के खिलाफ भी अलग से मामला दर्ज कर कार्रवाई की गई है। पुलिस द्वारा अब तक गिरफ्तार किए गए लोगों में मोहम्मद इसराईल, अरमान खान, सलमान खान, सहादत्त खान उर्फ छोटू, वैधनाथ यादव, ओमप्रकाश मानिकपुरी उर्फ गब्बर, करण यादव उर्फ केडी, गौकरण साहू उर्फ बोदू और कैलाश साहू के नाम शामिल हैं। एसएसपी रजनेश सिंह ने बताया कि फरार अन्य उपद्रवियों की पहचान की जा रही है और जल्द ही उन्हें भी गिरफ्तार किया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि पूरे मामले पर पुलिस की कड़ी नजर है और क्षेत्र में शांति बहाल करने के लिए सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत किया गया है।

नशे में धुत युवकों की कार ने मचाई दहशत

कोरिया चरचा कालरी। चर्चा थाना क्षेत्र अंतर्गत नगर पालिका शिवपुर के कालरी क्षेत्र में रविवार दोपहर एक बड़ा हादसा होते-होते टल गया। सप्ताहिक बाजार के कारण उस समय सड़क पर आवाजाही काफी अधिक थी। दोपहर लगभग 2 बजे अहमद पेट्रोल पंप के सामने तेज रफ्तार टाटा अल्ट्रास कार वाहन क्रमांक CG 16 CR 5247 अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खड़े करीब पांच वाहनों को टक्कर मारते हुए एक दुकान के सेड को क्षतिग्रस्त करते हुए रुक गई

गनीमत रही कि जिस स्थान पर वाहन दुर्घटनाग्रस्त हुई, वहां उस समय कोई व्यक्ति मौजूद नहीं था। अन्यथा एक बड़ी जनहानि होना तय था। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, वाहन में सवार तीनों युवक नशे की हालत में थे। मौके पर मौजूद लोगों ने उन्हें वाहन से बाहर निकालकर जमकर ठुकाई की और पुलिस को सूचना दी। सूत्रों के मुताबिक, वाहन चालक चरचा कालरी के विभागीय अंबेडकर नगर कॉलोनी निवासी महिला कॉलरी कर्मचारी श्रीमती धनेश्वरी का पुत्र है, जो पूर्व में भी कई बार दुर्घटनाओं में शामिल रह चुका है। सूचना मिलते ही चर्चा पुलिस मौके पर पहुंची और तीनों युवकों को हिरासत में ले लिया। चर्चा कालरी क्षेत्र में पिछले कुछ समय से गांजा, अवैध महुआ शराब, नशीली गोलियां, सिरप और इंजेक्शन जैसे पदार्थों का अवैध कारोबार खुलेआम फल-फूल रहा है। क्षेत्र के अनेक युवा इस नशे की चपेट में आकर अपने भविष्य को अंधकार में धकेल रहे हैं।स्थानीय नागरिकों का कहना है कि प्रशासनिक अधिकारियों को इस अवैध गतिविधि की जानकारी होने के बावजूद ठोस कार्रवाई नहीं की जा रही है जिससे आसामाजिक तत्व और निरंकुश हो गए हैं। अवैध नशे के कारोबार से होने वाले आर्थिक लाभ के लालच में कुछ लोग युवाओं को बरबादी की ओर धकेल रहे हैं। अगर समय रहते प्रशासन ने सख्त कदम उठाए होते, तो ऐसी दुर्घटनाएं शायद टाली जा सकती थीं। जनता की यही मांग है कि नशे के कारोबारियों पर कड़ी कार्रवाई हो, ताकि युवा पीढ़ी का भविष्य सुरक्षित रह सके। प्रशासन के द्वारा सक्षम कार्यवाही के अभाव में विवश होकर नागरिकों को नशे के विरुद्ध मुहिम छेड़नी होगी जिसकी समस्त जिम्मेदारी प्रशासन की होगी।

परशुराम नगर में जबरन धर्म परिवर्तन को लेकर बवाल, आधा दर्जन लोगों पर एफआईआर दर्ज

रायपुर। शहर के राजेंद्र नगर थाना क्षेत्र स्थित परशुराम नगर में जबरन धर्म परिवर्तन कराने के आरोप को लेकर दो पक्षों के बीच जमकर विवाद हुआ। यह मामला उस वक्त सामने आया जब एक महिला ने थाने में शिकायत दर्ज कराई कि उसकी भांजा बहू पर उपचार के नाम पर ईसाई धर्म अपनाने का दबाव बनाया जा रहा है। महिला की शिकायत पर पुलिस ने दो महिलाओं समेत कुल सात लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है।

शिकायतकर्ता पुरैना निवासी बालका राजपूत ने आरोप लगाया है कि उसकी भांजा बहू रितू की तबीयत तीन महीने पहले खराब हो गई थी। इसके बाद वह इलाज के लिए मायाराम नामक व्यक्ति के पास गई। बालका का कहना है कि मायाराम ने इलाज के बहाने रितू को ईसाई धर्म स्वीकार करने के लिए मानसिक रूप से प्रभावित किया और धर्म परिवर्तन के लिए दबाव डाला। बालका ने बताया कि रितू के पति ने शुक्रवार को उन्हें सूचना दी कि कुछ लोग उसे जबरन धर्म परिवर्तन कराने के लिए ले जा रहे हैं। इस जानकारी के बाद बालका ने बजरंग दल के स्थानीय कार्यकर्ताओं को पूरे मामले से अवगत कराया। सूचना मिलते ही बजरंग दल के कार्यकर्ता बड़ी संख्या में मौके पर पहुंचे और जहां रितू का कथित रूप से धर्म परिवर्तन कराया जा रहा था, वहां हंगामा कर दिया।

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस भी मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रण में लिया। बाद में बालका की शिकायत के आधार पर मायाराम, किशोर सेनापति, चौधरी बेसरा, आशीष नाग, सिकंदर सिंह, गायत्री यादव और प्रफुल्ला पन्का के खिलाफ जबरन धर्म परिवर्तन कराने की धाराओं के तहत अपराध दर्ज किया गया। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है और सभी आरोपियों से पूछताछ की जा रही है। थाना प्रभारी का कहना है कि किसी भी तरह की सांप्रदायिक अशांति न फैले, इसके लिए क्षेत्र में सतर्कता बढ़ा दी गई है।

छत्तीसगढ़ से 10 दिन की देरी से लौटेगा मॉनसून

रायपुर। छत्तीसगढ़ में मौसम का मिजाज बदला हुआ है। राजधानी रायपुर में सुबह से बादल छाए हुए हैं। मौसम विभाग के अनुसार, कई इलाकों में रविवार को भी बारिश की संभावना है। इस बार मॉनसून 15 अक्टूबर के बाद वापस लौटेगा। वहीं, कुछ जिलों में तेज धूप के कारण गर्मी का एहसास हो रहा है। मौसम विभाग के अनुसार, राजनांदगांव, महासमुंद, गरियाबंद, धमतरी, कांकेर, नारायणपुर और बीजापुर इन 7 जिलों में बारिश की संभावना है। मौसम विभाग के अनुसार, कई जिलों में यलो अलर्ट जारी किया गया है। यहां बिजली चमकने, बादल गरजने और आंधी चलने की आशंका है।

पत्नी की हत्या के आरोप में पति गिरफ्तार

अंबिकापुर। छत्तीसगढ़ के अंबिकापुर में एक पति द्वारा अपनी पत्नी की हत्या किए जाने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। यह घटना गांधीनगर थाना क्षेत्र के डिगामा ग्राम पंचायत में शनिवार रात को हुई। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, आरोपी उमाशंकर ने कथित तौर पर शराब के नशे में अपनी पत्नी शिला के साथ किसी बात को लेकर झगड़ा शुरू कर दिया। विवाद इतना बढ़ गया कि पति ने हैवानियत की हद पार कर दी और डंडे से गला दबाकर पत्नी की जान ले ली। घटना की सूचना मिलते ही गांधीनगर थाना पुलिस तुरंत मौके पर पहुँची। पुलिस ने शव का निरीक्षण किया, जिसमें मृतक शिला के गले पर चोट के निशान पाए गए हैं, जो हत्या की पुष्टि करते हैं। पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए आरोपी पति उमाशंकर को हिरासत में ले लिया है। पुलिस इस पूरे मामले की गंभीरता से जांच कर रही है और आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है। यह एक गंभीर आपराधिक मामला है जिसमें घरेलू हिंसा और शराब के नशे में हुई वारदात की आशंका है।

उफनती नदी में डोंगी डूबी, ग्रामीणों ने जान पर खेलकर बचाई कई जानें

सूरजपुर। छत्तीसगढ़ के सूरजपुर जिले से एक बड़ा हादसा टल गया, जहाँ तेज बहाव वाली नदी पार करते समय एक नाव डूब गई। हालाँकि, मौके पर मौजूद ग्रामीणों और पास की दूसरी नाव के लोगों ने तुरंत कार्रवाई करते हुए पानी में गिरे सभी सवारों को सुरक्षित बचा लिया। इस पूरी घटना का वीडियो भी सामने आया है। यह घटना जिले के ओड़गी ब्लॉक के दूरस्थ गाँव सौहार की बताई जा रही है। ग्रामीण डोंगी नुमा नावों में बैठकर नदी पार कर रहे थे। बरसात के कारण नदी में पानी की धार काफी तेज थी, जिसकी वजह से एक डोंगी असंतुलित होकर डूबने लगी। डर के मारे कई लोग नदी में कूद गए। नाव डूबते ही किनारे पर मौजूद ग्रामीण और दूसरी नाव पर सवार लोगों ने बिना देरी किए अपनी जान जोखिम में डालकर उफनती नदी में छलांग लगा दी। उनकी तत्परता और बहादुरी के कारण नदी में डूब रहे सभी लोगों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। यह घटना एक बार फिर पुलिया के अभाव को उजागर करती है। पुल न होने के कारण बारिश के मौसम में भी स्थानीय लोगों को जान जोखिम में डालकर नाव या डोंगी के सहारे नदी पार करनी पड़ती है।

भाजपा पार्षद समेत 14 घरों का टूटा ताला

अंबिकापुर। शहर में चोरी की घटनाएं थमने का नाम नहीं ले रही है. गांधीनगर थाना क्षेत्र में बीती रात चोरों ने बड़ा हाथ मारा है. भाजपा पार्षद सुशांत घोष सहित 14 घरों के ताले तोड़कर चोरों ने लाखों के सामान पर हाथ साफ कर दिया. जानकारी के मुताबिक, चोरों ने घरों में घुसकर लैपटॉप, टीवी, नगद राशि और अन्य कीमती सामान चोरी कर लिए और मौके से फरार हो गए. आज सुबह जब मोहल्ले के लोगों ने ताले टूटे देखे तो इलाके में अफरा-तफरी मच गई. लोगों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी. गांधीनगर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू की. घटना से जुड़ा एक सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है. फिलाहल पुलिस लोगों से पूछताछ कर रही है और सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है।

साधना शिविर का सफल आयोजन

कोरबा। कल रामजानकी मंदिर में सिद्धाश्रम साधक परिवार के द्वारा साधना शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें गुरुदेव कैलाशचंद्र श्रीमाली ने विशेष दीक्षा के अलावा गुरु दीक्षा प्रदान की। इस कार्यक्रम में कोरबा जिले के अलावा अन्य क्षेत्रों के भी साधक शामिल हुए। कार्यक्रम को सफल बनाने में धीरज कुमार व इंद्रपाल सिंह कंवर ने अपनी टीम के साथ कार्य किया। जोधपुर के साधक अरुण मिश्रा भी 15 दिनों पहले कोरबा आ गए थे और धीरज कुमार के साथ प्रत्येक क्षेत्रों में घूमते रहे। उन्होंने सभी क्षेत्रों के साधकों से अलग-अलग मुलाकात की और कार्यक्रम को सफल बनाया।

ओटी भुगतान के लिए प्रबंधन से मुलाकात

कोरबा। एसईसीएल गेवरा प्रोजेक्ट में कार्यरत कामगारों को जो पेमेंट स्लीप मिला है उसमें पिछले महीने के ओटी का उल्लेख नहीं है। जिसकी जानकारी यूनियन प्रतिनिधियों को होने पर उन्होंने प्रबंधन से मुलाकात की। एचएमएस के शेख चांद मंसूरी व अनुज राम ने बताया कि उत्पादन बढ़ाने के लिए प्रबंधन के द्वारा ओवरटाइम ड्यूटी कराया जाता है। इसके लिए गेवरा प्रबंधन के लिए वेतन देने का एक अलग अधिकार है। दायरा से अधिक वेतन होने पर मुख्यालय से स्वीकृति कराना पड़ता है। प्रबंधन ने रिपोर्ट बनाकर ओटी भुगतान के लिए मुख्यालय को भेज दिया है। इंटक के छंदराम राठौर ने बताया कि ओटी के मामले को लेकर एक प्रतिनिधि मंडल मुलाकात करेगा और समस्या की हल के लिए दबाव बनाएगा। बीकेकेएमएस के कुलदीप कुमार व बाबू सिंह भी ओटी भुगतान के लिए प्रयास कर रहे हैं।

कौशिल्या साय का स्वागत

कोरबा। प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की पत्नी कौशिल्या देवी साय का कल कटघोरा आगमन हुआ। वे कसाईपाली दशहरा कार्यक्रम में शामिल होने के लिए आई हुई थी। कटघोरा पहुंचने पर उनका वरिष्ठ नेता संजय शर्मा, अभिषेक गर्ग, समजीत सिंह, रामप्रसाद कोर्राम, शिव अग्रवाल के द्वारा स्वागत किया गया। स्वागत के बाद कौशिल्या देवी साय विधायक प्रेमचंद पटेल के साथ कसाईपाली कार्यक्रम में शामिल होने के लिए रवाना हुईं।

कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने बैठक ली

कोरबा। कांग्रेस पर्यवेक्षक आरसी खूटिया के कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए दीपका ब्लॉक के कार्यकर्ताओं के द्वारा बैठक ली गई। इस बैठक में दिलीप सिंह, विशाल शुक्ला, सद्दाम सहित अनेकों कार्यकर्ता मौजूद थे। 9 अक्टूबर को पर्यवेक्षक आरसी खूटिया दीपका ब्लॉक में कार्यकर्ताओं की बैठक लेंगे। इसी तरह 12 अक्टूबर को बांकीमोंगरा मंडल के कार्यकर्ताओं की बैठक होगी। यहां पर ब्लॉक अध्यक्ष टीकाराम मनहर, संतोषी चौहान, धनंजय दीवान, नवल किशोर पंडित, संजय आजाद सहित अन्य कार्यकर्ता कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए तैयारी कर रहे हैं।

कंपनी सेफ्टी सदस्यों का होगा आगमन

कोरबा। एसईसीएल कोरबा क्षेत्र के खदानों का निरीक्षण करने के लिए कंपनी सेफ्टी सदस्य 8 अक्टूबर को कोरबा आ रहे हैं। वे ओपन माइंस व भूमिगत खदान का अलग-अलग निरीक्षण करेंगे। कंपनी सेफ्टी सदस्य धर्मा राव, कमलेश शर्मा के आगमन पर यहां के कामगार उनका अलग-अलग स्वागत करेंगे। सेफ्टी सदस्य अशोक सिंह, कृष्णा तिवारी व सुरेश श्रीवास के द्वारा तैयारी की जा रही है। कंपनी सेफ्टी सदस्य खदानों का निरीक्षण करने के बाद प्रबंधन को रिपोर्ट सौंपेंगे। खासकर लाइट व्यवस्था का अवलोकन किया जाएगा। रात्रि पाली में खदान क्षेत्र में बड़े-बड़े वाहन चलते हैं।

शरण पूर्णिमा पर आयोजन

कोरबा। मारवाड़ी ब्राह्मण समाज शरद पूर्णिमा पर परशुराम भवन दुरपा रोड में 7 अक्टूबर को रात 8 बजे से आयोजन कर रहा है। इसमें पूजा अर्चना के साथ भजन कीर्तन और रात्रि 12 बजे प्रसाद वितरण किया जाएगा।

जवाली नाला पर पुल बना लेकिन दो साल बाद भी एप्रोच रोड नहीं, जोखिम कायम

दो वर्ष पूर्व निर्माण कार्य पूरा, पर सहूलियत नहीं

कोरबा। कोरबा जिले के कटघोरा से होकर जवाली को जोड़ने वाले रास्ते पर जवाली नाला पर पुल जरूर बना दिया गया है लेकिन इसकी उपयोगिता सुनिश्चित नहीं हो सकी है। पुल निर्माण के दो वर्ष बाद भी एप्रोच रोड नहीं बनने से समस्याएं जस की तस बनी है। ऐसी स्थिति में छोटी बड़ी गाड़ियों को नाला पार करना पड़ रहा है।

छत्तीसगढ़ सरकार ने लोगों को सुविधा देने के लिए जनप्रतिनिधियों की मांग पर लगभग 3 करोड रुपए की राशि खर्च कर जवाली नाला मैं पुल का निर्माण कर दिया है। लेकिन मुख्य मार्ग से पुल को कनेक्ट करने के लिए एप्रोच रोड नहीं बनाई गई है। इसके कारण यह महत्वाकांक्षी पुल उपयोगी नहीं बन सका है। वर्तमान में भी छोटी बड़ी गाड़ियों को आसान तरीके से

जुराली नाला से इस हालत में आवाजाही हो रही वाहनों की।

पुल के जरिए पार करने का सपना पूरा नहीं हो सका। गर्मी से लेकर बारिश के मौसम में सभी प्रकार के वहां ऊपर खबर रास्ते और नाला को पर करने के लिए मजबूर है। सबसे खास बात यह है कि नीचे की तरफ के रास्ते में काफी जोखिम है और यहां से नीचे उतरती हुई गाड़ियों को देखकर कई बार ऐसा ही लगता है कि पता नहीं कब यह दुर्घटनाग्रस्त हो जाए। जरूरत इस बात की है कि प्राथमिकता के साथ पुल को उपयोगी बनाने के लिए एप्रोच रोड का निर्माण कराया जाए और अगर ऐसा नहीं हो सकता है तो वैकल्पिक रास्ते को इस लायक बना दिया जाए ताकि गाड़ियां बिना किसी आशंका के वहां से गुजर सके।

आखिर क्या दिखाना चाहता है विभाग

जवाली नाला पर पुल निर्माण न होने के कारण लंबे समय तक लोग मुश्किल झेलते रहे। यहां-वहां से पहल होने और दबाव बनने पर सरकार ने पुल निर्माण कराया तय किया। अब जब पुल बन चुका है तो एप्रोच रोड का पता नहीं है। क्षेत्र के लोगों का सवाल है कि आखिर केवल पुल बनाकर सेतु निगम क्या दिखाना चाहता है। एप्रोच रोड बनाने की या तो आवश्यकता नहीं समझी गई या फिर लोगों को यूं ही परेशान करने की मानसिकता बनाई गई है।

लीडर बेस्ड नहीं होगा कांग्रेस का जिलाध्यक्ष : खूटिया

संगठन व कार्यकर्ता जिसे चाहेंगे वही बनेंगे अध्यक्ष

कोरबा। कांग्रेस के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, पूर्व सांसद एवं एआईसीसी पर्यवेक्षक डॉ. रामचंद्र खूटिया ने कहा है कि कांग्रेस का जिलाध्यक्ष अब लीडर बेस्ड नहीं होगा बल्कि संगठन व उसके कार्यकर्ता जिसे चाहेंगे उसे अध्यक्ष बनाया जाएगा।

श्री खूटिया आज जिला कांग्रेस कार्यालय में पत्रकारों से चर्चा कर रहे थे। उन्होंने कहा कि लोकसभा में विपक्ष के नेता एवं कांग्रेस नेता राहुल गांधी संगठन को नया रूप देना चाहते हैं सो इसके लिए गुजरात अधिवेशन में मंजूरी के बाद पार्टी द्वारा संगठन सृजन अभियान चलाया जा रहा है। इस सिलसिले में यहां लोगों व कार्यकर्ताओं का मन टटोलने तथा उनकी पसंद को जानने के लिए यहां कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे एवं राहुल गांधी के निर्देशानुसार आए हुए हैं। वे कांग्रेस संगठन से जुड़े सभी संगठनों को एक के बाद एक बैठक लेकर उनकी पसंद को जानने की कोशिश करेंगे और अपनी रिपोर्ट पार्टी हाईकमान तथा राहुल गांधी को सौंप देंगे। पहले जिला कांग्रेस के शहर एवं ग्रामीण अध्यक्ष बनाए जाएंगे। तत्पश्चात् ब्लॉक कमेटी, मंडल कमेटी, रीजनल कमेटी तथा बूथ कमेटी के अध्यक्ष घोषित किए जाएंगे। कमेटी में महिलाओं समेत सभी वर्गों की भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी। इसके लिए बी-फार्म भी भराया जाएगा। उन्होंने कहा कि अध्यक्ष बनने के लिए संबंधित नेता का कांग्रेसी होना जरूरी है जो कम से कम 5 वर्षों से पार्टी से जुड़ा हो और सक्रिय रूप से कार्य कर रहा हो। उनकी छवि स्वच्छ हो तथा उनके खिलाफ कोई क्रिमिनल केस न हो। श्री खूटिया ने कहा कि अपने कोरबा प्रवास के दौरान वे श्रमिक संगठनों के प्रतिनिधियों से भी मुलाकात करेंगे और कांग्रेस के लिए काम करने को कहेंगे। एक सवाल के जवाब में उन्होंने बताया कि 30 अक्टूबर या नवंबर के पहले सप्ताह तक जिलाध्यक्षों की घोषणा कर दी जाएगी। पत्रकार वार्ता में सांसद श्रीमती ज्योत्सना महंत, पूर्व सांसद एवं विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत, पूर्व राज्यसभा सांसद छाया वर्मा, पूर्व मंत्री जयसिंह अग्रवाल, मोहन मरकाम, राजेंद्र तिवारी, रामपुर विधायक फूल सिंह राठिया के अलावा अन्य स्थानीय नेता मौजूद थे।

गड्ढों के आगोश में सड़क, कहां से जाएं - लोग असमंजस

कोरबा। शहर की सड़कों की हालत इस कदर खराब हो चुकी है कि आमजन का सफर अब परेशानी और जोखिम दोनों का पर्याय बन गया है। वाहन चालकों के लिए यह तय कर पाना मुश्किल हो गया है कि सड़क पर चलें, गड्ढों से बचें या फिर रास्ता ही बदल दें। शहर के कई हिस्सों में हालात ऐसे हैं कि सड़कें गड्ढों में बदल चुकी हैं और लोग रोजाना जद्दोजहद कर सफर करने को मजबूर हैं।

कोरबा के पावर हाउस रोड, कुआंभट्टा से गौ माता चौक, बुधवारी बाजार और बालको नगर क्षेत्र की सड़कें लंबे समय से जर्जर हैं। लगातार हो रही बारिश ने इनकी हालत और बदतर कर दी है। जगह-जगह बने गड्ढों में पानी भर जाने से यह समझ पाना भी मुश्किल हो जाता है कि सड़क कहां है और गड्ढा कहां से शुरू हो रहा है। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि इन सड़कों से रोज गुजरना अब किसी जोखिम भरे अभियान से कम नहीं। दोपहिया वाहन चालक गिरने के डर से धीमी रफ्तार में सफर करते हैं, वहीं चारपहिया वाहन चालक हर कुछ मीटर पर झटकों से परेशान हैं। कई जगहों पर वाहन पलटने जैसी घटनाएं भी सामने आई हैं। लोगों का कहना है कि शहर की मुख्य सड़कों का यह हाल तब है जब इन्हें कुछ माह पहले ही मरम्मत किया गया था। ऐसे में सवाल उठना लाजमी है कि निर्माण की गुणवत्ता कितनी मानक रही होगी। कार्तिक मास शुरू होने को है, लेकिन बारिश थमने का नाम नहीं ले रही। इसके चलते मरम्मत कार्य लगातार टलता जा रहा है और हालात बद से बदतर होते जा रहे हैं। फिलहाल, कोरबा की सड़कें मानो गड्ढों से कराह रही हैं और शहरवासी इन गड्ढों से मुक्ति की राह देख रहे हैं।

जल्द करेंगे सुधार

लोगों की परेशानी को हम समझते हैं। वर्षा समाप्त होते ही सड़कों के सुधार का कार्य प्रारंभ किया जाएगा। इसके लिए राशि पहले ही स्वीकृत कर ली गई है।
-संजू देवी राजपूत, महापौर

केएमसी के डॉक्टर पर अपराध दर्ज

कोरबा। सिविल लाइन पुलिस ने कोरबा मेडिकल कॉलेज के एक डॉक्टर के खिलाफ 354 बीएनएस का प्रकरण दर्ज कियाा है। वहां की एक महिला कर्मी ने कथित रूप से आपत्तिजनक हरकत करने का आरोप लगाया है। घटना पिछले दिनों की बताई गई जिस पर शिकायत के बाद अब मामला दर्ज किया गया। घटना का विस्तृत ब्यौरा प्रतीक्षित है। घटना को लेकर संबंधित डॉक्टर का पक्ष नहीं मिला है।

कई स्थान पर निकला पथ संचलन

कोरबा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के 100 वर्ष पूरे हो गए हैं। अपने शताब्दी वर्ष को वह खास तौर पर मना रहा है। अगले 1 वर्ष के लिए कार्यक्रम तय किए गए हैं और इनका क्रियान्वयन भी हो रहा है।

संगठन की व्यवस्था के अंतर्गत इस वर्ष विजयदशमी पर सामूहिक पथ संचलन के बजाय इकाई स्तर पर ऐसे कार्यक्रम की योजना बनाई गई। महानगर , नगर , खंड और मंडल स्तर पर ऐसे कार्यक्रम किए जा रहे हैं। कोरबा, कटघोरा और दीपिका नगर के अलावा 134 मंडल और खण्ड में ऐसे कार्यक्रमों का सिलसिला चल रहा है। बताया गया कि क्षेत्र विस्तार के अंतर्गत इस प्रकार के कदम उठाए जा रहे हैं। वार्ड और बस्ती से लेकर ग्राम स्तर पर संघ की व्यापकता बढ़ाने के लिए या प्रयोग किया गया है।

ठीक होगा बीएसएनल का नेटवर्क

कोरबा। कोरबा जिले में भारत संचार निगम लिमिटेड का नेटवर्क अगले दिनों में ठीक हो जाएगा। कंपनी ने 22 स्थान पर अपने टावर खड़े करने का निर्णय लिया है। बीएसएनल की एक बैठक में अधिकारियों के द्वारा यह जानकारी दी। बताया कि कोरबा जिले के शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में यह मोबाइल टावर स्थापित किए जाने हैं। प्रतिस्पर्धा के युग में बीएसएनएल ने अपनी क्वालिटी इंप्रूव की है और सेवा का विस्तार किया है। उपभोक्ताओं की संख्या में बढ़ोतरी होने के साथ उसके द्वारा अब इंफ्रास्ट्रक्चर को और मजबूत किया जाना है। अधिकारी ने बताया कि नए मोबाइल टावर इंस्टॉल होने से नेटवर्क कनेक्टिविटी को लेकर आ रही और लोगों को सुविधा होगी।

बरसाती पानी के साथ आ रही जलकुंभी आपूर्ति बाधित, व्यवस्था ठीक करने की कोशिश

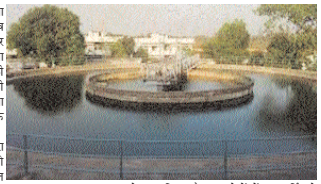

कोरबा। बारिश का सिलसिला अभी भी जारी है। बांगो बांध व बैराज में जल स्तर बढ़ने पर पानी की मात्रा नदी में छोड़ी जा रही है और इसके साथ काफी मात्रा में जलकुंभियां भी आ रही है। जल आपूर्ति की व्यवस्था वाला फंक्शन जलकुंभियों के चलते प्रभावित हो रहा है ।

नगर पालिका निगम के द्वारा सार्वजनिक उपक्रमों को छोड़कर बाकी वार्डों में जल आपूर्ति की जा रही है। इसके लिए वाटर फिल्टर प्लांट कोहड़िया की जल शोधन क्षमता में विस्तार किया गया है। जबकि हसदेव नदी से पानी प्राप्त करने के लिए गिरवा घाट नए पुल के पास इंटेक्वेल तैयार किया गया है। यहां पर पानी प्राप्त करने के बाद इसे उपचारित करने के लिए आगे भिजवाया जा रहा है। संपूर्ण प्रक्रिया के बाद पानी ओवर हेड टैंक पहुंचता है और फिर पाइपलाइन के माध्यम से घरों के नलों में इसकी पहुंच होती है। बारिश के मौसम में पानी के साथ घूलने वाली मिट्टी, पौधे बहते हुए फुटबॉल को बाधित कर देते हैं और इसके कारण कई समस्याएं सामने आ जाते हैं। वर्तमान में इस वजह से नगर निगम के कुछ क्षेत्रों में जलापूर्ति को लेकर मुश्किल आई हैं। कुछ वार्डों में एक ही समय पानी आने तो कुछ स्थानों पर पानी की मात्रा में कमी और कमजोर क्वालिटी से संबंधित शिकायतें आम है। नगर पालिका निगम में जल कार्य विभाग के कार्यपालन अभियंता राकेश मसीह ने बताया कि बरसाती पानी के साथ आ रही जलकुंभियां तकनीकी संसाधनों को डिस्टर्ब कर रही हैं। इससे अगली प्रक्रिया के लिए पानी की पहुंच उतनी नहीं हो पा रही है जो अपेक्षित है। मैदानी तंत्र व्यवस्था को ठीक करने में लगा हुआ है। बरसाती पानी की आवक कम होने के साथ समस्या हल होगी।

सिंचाई विभाग ने कराया काम, पंचायत ने की कमाई

लालपुर के सरपंच व सचिव का कारनामा

कोरबा। पोड़ी उपरोड़ा ब्लॉक के लालपुर पंचायत में गजब खेल करने में सरपंच और सचिव ने साहस दिखाया। संतोष कश्यप के घर से चर्च होते हुए डेम मार्ग पर सड़क का निर्माण एरिगेशन विभाग द्वारा किया गया। ग्राम पंचायत ने इसे अपने नाम पर दर्शाकर 2,14,353 रुपए की राशि निकाल ली। ग्रामीणों ने कई खुलासे किए और प्रशासन से जांच के साथ कार्रवाई की मांग की।

बताया गया कि नया सोसाइटी भवन तक के सीसी रोड को भी पंचायत का बताकर 2 लाख रुपये का भुगतान करा लिया गया। नियमानुसार भुगतान सीधे वेंडर या फर्म के खाते में होना चाहिए, लेकिन यहां राशि सीधे सरपंच धनेश्वर सिंह ओरकेरा के खाते में स्थानांतरित की गई। वर्ष 2024-25 में मंच निर्माण हेतु दो बार भुगतान 40,000 रुपए, चबूतरा निर्माण 19,000 रुपए, सीसी रोड निर्माण सामग्री 74,353 रुपए, पचरी निर्माण 74,880 रुपए, सबमर्शीबल पम्प व सिंटेक्स सामग्री 49,900 रुपए, बोर खनन 1,99,000 रुपए, बाउंड्री वाल निर्माण 1,19,868 रुपए, चर्च में बाउंड्री वाल निर्माण 1,20,000 रुपए, रोड मरम्मत एवं पुलिया सामग्री 50,000 रुपए, हेंडपम्प हेतु सामग्री 30,000 रुपए सहित बोर खनन, सबमर्शीबल पम्प, सीमेंट-गिट्टी, सामग्री क्रय और अन्य मदों में भी लाखों रुपये का भुगतान गोलमाल किया गया है। एक निर्माण कार्य के 70 हजार रुपए हुसैन पान मसाला को दे दिया गया है। जबकि डेम के पास बोर की राशि 48 हजार रुपए रविशंकर के खाते में ट्रांसफर की गई।

ग्राम पंचायत लालपुर के सरपंच धनेश्वर सिह के निजी खाते में लाखों रुपये का ट्रांजेक्शन हुआ है, वहीं ग्राम सचिव हसन अली इस भ्रष्टाचार के खेल में शामिल हैं। कहा गया कि सचिव को कई अधिकारियों ने सह देकर रखा है इसलिए वह इस विकासखंड और पंचायत से नहीं हट रहा है। प्रशासन के पास तथ्यों के साथ मामले की जानकारी दी गई है और कार्रवाई की मांग की गई है।

सेवा भारती ने शुरू किया वस्त्र दान अभियान

कोरबा। सेवा भारती कोरबा इकाई वस्त्र सेवा प्रकल्प के द्वारा वस्त्र दान अभियान की शुरुआत 5 अक्टूबर को की गई। 17 अक्टूबर तक इसे संचालित किया जाना है । शहर क्षेत्र के विभिन्न स्थानों के लोग अपने ऐसे कपड़े जो बेहतर स्थिति में है लेकिन उनके उपयोग में नहीं आ रहे हैं, वे वंचित वर्ग के लिए इसे दे सकते हैं। विवेकानंद सेवा सदन के साथ कई प्रतिनिधियों को इसके लिए जिम्मेदारी दी गई है। संबंधित लोग उनसे मिलकर इस अभियान में अपना सहयोग कर सकते हैं बताया गया कि अभियान के अंतर्गत प्राप्त हुए ऐसे सभी वस्त्र का वितरण कोरबा जिले के ग्रामीण अंचल में उन लोगों को किया जाएगा जिन्हें वाकई इसकी जरूरत है । सेवा भारती के वस्त्र दान प्रकल्प की ओर से कहा गया कि दीपावली पर वंचित वर्ग को नवीन वस्त्र उपलब्ध कराए जा सके, यह भी हमारी कोशिश है। बहुत सारे लोगों को दीपावली पर खुशियां दी जा सके, इसके लिए सक्षम और समर्थ वर्ग से आव्हान किया गया है। संबंधित लोग अपने ऐसे वस्त्र कमल बत्रा, देवेंद्र द्विवेदी, रश्मि गुप्ता, अंजू शुक्ला, मयंक श्रीवास, मोनिका श्रीवास्तव को दे सकते हैं।

वाहन का कीमती उपकरण निकालकर खपाया, तीन अरेस्ट

कोरबा। हरदीबाजार थाना क्षेत्र में ट्रैक्टर की बैटरी चोरी करने वाले दो आरोपियों को पुलिस ने घेराबंदी कर गिरफ्तार कर लिया है। वहीं चोरी का सामान जानते हुए खरीदने वाले तीसरे आरोपी को भी पुलिस ने दबोचा है। मामले में चोरी का पूरा सामान बरामद कर लिया गया है।

भूनेश्वर सोनी, निवासी ग्राम खम्हरिया ने पुलिस को बताया था कि जुलाई महीने में अज्ञात चोरों ने उसके सोनालिका ट्रैक्टर में लगी बैटरी चोरी कर ली। उसी रात दिलीप काठले के ट्रैक्टर की बैटरी भी चोरी हो गई थी। रिपोर्ट के आधार पर थाना हरदीबाजार में अपराध क्रमांक 175/2025 धारा 303(2), 317(2), 3(5) बीएनएस के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई। पुलिस टीम को मुखबिर से सूचना मिली कि ग्राम खम्हरिया के मनमोहन दास और हीरा सिंह श्याम ने चोरी की बैटरी अपने पास रखी है। इस पर पुलिस ने घेराबंदी कर दोनों को हिरासत में लिया। पूछताछ में दोनों ने ट्रैक्टर से बैटरी चोरी करना स्वीकार किया तथा बताया कि चोरी की बैटरियां उन्होंने गौतम प्रसाद निर्मलकर को बेच दी हैं। आरोपियों की निशानदेही पर घटना में प्रयुक्त स्कूटी और लोहे का रॉड जब्त किया गया, वहीं तीसरे आरोपी गौतम प्रसाद निर्मलकर से चोरी की दो बैटरियां बरामद की गईं। आरोपी गौतम पर यह जानते हुए चोरी का सामान खरीदने के आरोप में धारा 317(2) बीएनएस जोड़ी गई है।

स्वामी कौशल किशोर मिश्र की ओर से प्रकाशक, मुद्रक सुभाष अग्रवाल द्वारा आकाश आफसेट प्रिंटर्स से मुद्रित कर तिलक मार्ग, ट्रांसपोर्ट नगर, कोरबा से प्रकाशित, संपादक सुभाष अग्रवाल फोन: 221149, मो. : 9425224167 आर.एन.आई. पंजी. नं. 50254/89, ई-मेल tarunpresskrb@gmail.com